- सीजेआई ने कहा- तत्काल मामलों को सूचीबद्ध करेगी कोर्ट -7

- देश की प्रमुख आठ बुनियादी उद्योगो की वृद्धि दर घटकर 1.8 प्रतिशत -10

- बांग्लादेश में हादी के बाद एक अन्य छात्र नेता को मारी गई सिर में गोली -11

- वनडे विश्व कप 2023 के फाइनल में हार के बाद संन्यास लेने पर विचार किया था : रोहित -12

आज का मौसम

20.0° अधिकतम तापमान

10.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.53

सूर्यास्त 05.21

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

लखनऊ

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

पौष शुक्ल पक्ष तृतीया 12:13 उपरांत चतुर्थी विक्रम संवत 2082

मंगलवार, 23 दिसंबर 2025, वर्ष 35, अंक 324, पृष्ठ 12+4 ■ मूल्य 6 रुपये

बुलडोजर चले तो मत चिल्लाना : योगी

मुख्यमंत्री का कोडीनयुक्त कफ सिरप मामले में सपा पर हमला

विधानसभा सत्र

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को विधानसभा में कोडीनयुक्त कफ सिरप प्रकरण पर समाजवादी पार्टी को घेरते हुए आक्रामक रुख अपनाया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि सरकार इस मामले में जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रही है और समय आने पर बुलडोजर कार्रवाई होगी, तब चिल्लाइएगा नहीं।

मुख्यमंत्री ने सदन में आरोपियों के सपा से जुड़े होने के सबूत पेश करते हुए कहा कि अवैध डायवर्जन के इस नेटवर्क में कई चेहरे सीधे समाजवादी पार्टी (सपा) से जुड़े पाए गए हैं। उन्होंने कहा कि कोई भी बच नहीं पाएगा।

मैं सपा की छटपटाहट समझ सकता हूं। जब सपा से जुड़े आरोपियों पर कार्रवाई होगी, तो वे लोग ही सबसे पहले फातिहा पढ़ने जाएंगे। लेकिन मैं उनको फातिहा पढ़ने लायक भी नहीं छोड़ूंगा। विपक्ष पर भ्रामक सूचना फैलाने का आरोप लगाते हुए साफ किया कि यूपी में न तो कोडीन कफ सिरप का निर्माण होता है और न ही इसके सेवन से यहां किसी की मौत हुई है।

यह पूरा मामला दवाओं के अवैध डायवर्जन और बिना प्रिस्क्रिप्शन बिक्री से जुड़ा है। मुख्यमंत्री ने बताया कि एसटीएफ, एसआईटी और एफएसडीए की संयुक्त कार्रवाई में दर्जनों फर्मों पर छापे मारे गए हैं और बड़ी संख्या में गिरफ्तारियां हुई हैं।

विधानसभा में बोलते मुख्यमंत्री योगी साथ में वित्त मंत्री सुरेश खन्ना। ● अमृत विचार

सीएम योगी के तीखे बयान

- बर्खास्त सिपाही आलोक पक्का सपाई है, सबूत सदन के सामने हैं
- अखिलेश के साथ फोटो में दिख रहा आरोपी अमित यादव
- 332 फर्मों पर छापे, 77 से ज्यादा गिरफ्तार
- सपा से जुड़े आरोपियों पर कार्रवाई हुई तो वही सबसे पहले फातिहा पढ़ेंगे
- जीरो टॉलरेंस नीति, किसी को नहीं बख्शा जाएगा
- यूपी के जो सबसे बड़े होलसेलर हैं, उन्हें 2016 में सपा ने जारी किया था लाइसेंस
- देश में दो नमूने हैं, जब कोई चर्चा होती है तो वह देश छोड़कर भाग जाते है
- आप चिल्लाते रहेंगे और 'बबुआ' सैरसपाटे के लिए इंग्लैंड चले जाएंगे
- अवैध लेन-देन भी लोहिया वाहिनी के एक पदाधिकारी के खाते के माध्यम से हुआ

कफ सिरप प्रकरण : तथ्य एक नजर में

- कफ सिरप या दवाइयां अवैध नहीं हैं, अवैध है बिना डॉक्टर के प्रिस्क्रिप्शन के बिक्री और नशे के लिए डायवर्जन।
- माफिया गैंग्स ने फर्जी दस्तावेज बनाकर भारी मात्रा में कफ सिरप इकट्ठा किया और सुपर स्टॉकिस्ट से रिटेलर तक पूरी चेन बनाकर अवैध बिक्री की।
- माफिया नेटवर्क पर सरकार ने क्रैकडाउन किया है।
- शेड्यूल- एच दवाओं (सेडेटिव, स्लीपिंग पिल्स आदि) की बिना प्रिस्क्रिप्शन बिक्री रोकने के लिए भी कार्रवाई जारी है।
- उप्र में न उत्पादन, न मौत- यहां किसी बच्चे की भी मृत्यु नहीं हुई।
- मप्र में बच्चों की मौत का मामला तमिलनाडु में बने नकली कफ सिरप से जुड़ा है, जिसकी जांच केंद्र कर रही है।

वित्त मंत्री ने 24,496.98 करोड़ का अनुपूरक बजट किया पेश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- स्वास्थ्य, ऊर्जा, इंफ्रास्ट्रक्चर उद्योग व नगरीय विकास को योगी सरकार ने खोला खजाना
- जारी किया गया अनुपूरक बजट प्रदेश के मूल बजट 8.08 लाख करोड़ रुपये का 3.03 प्रतिशत

अमृत विचार: योगी सरकार ने विधानसभा के शीतकालीन सत्र में सोमवार को वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 24,496.98 करोड़ रुपये का अनुपूरक बजट प्रस्तुत किया। बजट पेश करते हुए वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि सरकार का लक्ष्य विकास की निरंतरता बनाए रखना और प्राथमिक क्षेत्रों को अतिरिक्त मजबूती देना है। यह अनुपूरक बजट प्रदेश के मूल बजट 8.08 लाख करोड़ रुपये का 3.03 प्रतिशत है। इसके साथ ही चालू वित्तीय वर्ष का कुल बजट बढ़कर 8.33 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया है।

योगी सरकार का यह अनुपूरक बजट विकास और वित्तीय संतुलन का संदेश देता है। जिसमें औद्योगिक विकास, स्वास्थ्य, इंफ्रास्ट्रक्चर, नगरीय विकास और ऊर्जा को केंद्र में रखकर प्रदेश की अर्थव्यवस्था को नई गति देने का प्रयास किया गया है। वित्त मंत्री ने स्पष्ट किया कि अनुपूरक बजट में 18,369.30 करोड़ रुपये का राजस्व व्यय और 6,127.68 करोड़ रुपये का पूंजीगत व्यय प्रस्तावित किया गया है। इससे एक ओर सरकारी योजनाओं की सतत आवश्यकता पूरी होगी, वहीं दूसरी ओर आधारभूत ढांचे में निवेश को गति मिलेगी। अनुपूरक बजट में स्वास्थ्य, ऊर्जा और औद्योगिक विकास को प्रमुखता दी गई है। सरकार का मानना है कि इन क्षेत्रों में निवेश से रोजगार, शहरी सुविधाओं और जीवन स्तर में सीधा सुधार होगा।

वित्तीय अनुशासन पर जोर : वित्त मंत्री ने बताया कि राज्य ने एफआरबीएम अधिनियम की सभी सीमाओं का पालन किया है।

भारत सरकार के ताजा अनुमानों के अनुसार उत्तर प्रदेश की जीएसडीपी 31.14 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच चुकी है। उन्होंने कहा कि प्रदेश तेजी से रेवेन्यू सरप्लस स्टेट की ओर बढ़ रहा है।

इन सेक्टरों के लिए खास बजट

औद्योगिक विकास:	4,874 करोड़	सौर ऊर्जा (यूपीनेडा):	500 करोड़
पावर सेक्टर:	4,521 करोड़	गन्ना एवं चीनी मिल:	400 करोड़
स्वास्थ्य-परिवार कल्याण:	3,500 करोड़	मेडिकल शिक्षा को:	423.80 करोड़
नगर विकास:	1,758.56 करोड़	एसजीपीजीआई, लखनऊ:	120 करोड़
ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस-वे:	1,246 करोड़	केजीएमयू को:	25 करोड़
गंगा एक्सप्रेस-वे:	1,835 करोड़	डॉ. राम मनोहर लोहिया संस्थान:	20 करोड़
गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे:	100 करोड़	मेरठ, झांसी, गोरखपुर, प्रयागराज सहित कई राजकीय मेडिकल कॉलेजों को अतिरिक्त सहायता	
तकनीकी शिक्षा:	639.96 करोड़		
महिला एवं बाल विकास:	535 करोड़		

आमजन को क्या मिलेगा

बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं और नए मेडिकल कॉलेज, बिजली और सौर ऊर्जा से स्थिर आपूर्ति, एक्सप्रेस-वे से रोजगार और तेज कनेक्टिविटी, शहरों में बेहतर सड़क, जल व स्वच्छता सुविधाएं, उद्योगों में निवेश से स्थानीय रोजगार।

न्यूज ब्रीफ

मुख्य सचिवों के राष्ट्रीय सम्मेलन की अध्यक्षता करेंगे प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस सप्ताह राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में मुख्य सचिवों के पांचवें राष्ट्रीय सम्मेलन की अध्यक्षता करेंगे। य,वचह जानकारी एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने सोमवार को दी। अधिकारी ने बताया कि मुख्य सचिवों का पांचवां राष्ट्रीय सम्मेलन 26 से 28 दिसंबर तक दिल्ली में आयोजित किया जाएगा और यह केंद्र तथा राज्य सरकारों के बीच साझेदारी को और मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा। राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के युवा जिला कलेक्टर और मजिस्ट्रेट सहित कई अधिकारियों के साथ-साथ कई केंद्रीय मंत्रालयों के भी सम्मेलन में भाग लेने की उम्मीद है।

एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस ने नए आवास ऋण पर ब्याज दर घटाई

नई दिल्ली। एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस लि. ने नए आवास ऋण पर ब्याज दर घटाकर 7.15 प्रतिशत कर दी है। आवास ऋण देने वाली कंपनी ने कहा कि मकानों के लिए नए कर्ज की मंजूरी पर संशोधित ब्याज दरें अब 7.15 प्रतिशत से शुरू होंगी। नई दरें 22 दिसंबर से प्रभाव में आ गई हैं। एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस ने कहा कि ऐसे समय में जब खरीदार अपने फैसलों पर सावधानीपूर्वक पुनर्विचार कर रहे हैं, इस कदम से घर खरीदने वालों का उत्साह बढ़ने की उम्मीद है।

भारत-न्यूजीलैंड के बीच एफटीए 95 प्रतिशत सामान होंगे शुल्क मुक्त

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत और न्यूजीलैंड ने मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के लिए बातचीत पूरी होने की सोमवार को घोषणा की। यह समझौता श्रम-गहन क्षेत्रों से आने वाले विभिन्न घरेलू उत्पादों को शुल्क-मुक्त पहुंच देगा। साथ ही इससे अगले 15 वर्ष में 20 अरब डॉलर का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) उपलब्ध होगा। इस समझौते से अगले पांच वर्ष में वस्तुओं व सेवाओं के द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना करके पांच अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचाने में मदद मिलने की उम्मीद है।

दूसरी ओर, न्यूजीलैंड को भेड़ के मांस, ऊन, कोयला और वनों एवं लकड़ी से बनी 95 प्रतिशत से अधिक वस्तुओं पर शुल्क-मुक्त पहुंच मिलेगी। समझौते के तहत न्यूजीलैंड को कीवी फल, शराब, कुछ समुद्री खाद्य पदार्थ, चेरी, एवोकाडो, पर्सिमन, शिशु 'फॉर्मूला', मनुका शहद और दूध 'एल्ब्यूमिन' जैसी कई अन्य वस्तुओं पर शुल्क छूट भी मिलेगी। घरेलू किसानों और एमएसएमई के हितों की सुरक्षा के लिए भारत राजनीतिक रूप से संवेदनशील दुग्ध क्षेत्र जैसे दूध, क्रीम, व्हे, दही तथा पनीर में कोई शुल्क छूट नहीं देगा। इस समझौते के अंतर्गत शामिल न होने वाले अन्य उत्पाद वनस्पति उत्पाद (प्याज, चना, मटर, मक्का, बादाम), चीनी, कृत्रिम शहद, पशु, वनस्पति या सूक्ष्मजीवों से प्राप्त वसा और तेल, हथियार व गोला-बारूद, रत्न एवं आभूषण, तांबा तथा उसके उत्पाद और एल्युमीनियम तथा उससे संबंधित वस्तुएं हैं। इसने कुशल व्यवसायों में कार्यरत भारतीय पेशेवरों के लिए एक नए अस्थायी रोजगार प्रवेश वीजा मार्ग के माध्यम से कुशल रोजगार के रास्ते भी खोले हैं। इसमें किसी भी समय 5,000 वीजा का 'कोटा' शामिल होता है और अधिकतम तीन साल तक का प्रवास संभव होता है।

न्यूजीलैंड के मंत्री टॉड मैक्ले के साथ केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल।

- श्रम-गहन क्षेत्रों से आने वाले घरेलू उत्पादों को शुल्क-मुक्त पहुंच देगा यह समझौता
- 20 अरब डॉलर का एफडीआई होगा उपलब्ध प्रधानमंत्री ने न्यूजीलैंड के समकक्ष से फोन पर की बात

द्विपक्षीय आर्थिक संबंधों को मिलेगी मजबूती : भारत

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड के साथ एफटीए द्विपक्षीय आर्थिक संबंधों को बेहद गहरा करेगा, बाजार पहुंच को व्यापक करेगा और निवेश प्रवाह को बढ़ावा देगा। भारत ने सोमवार को बयान में यह बात कही। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और न्यूजीलैंड के उनके समकक्ष क्रिस्टोफर लक्सन ने दोनों देशों के बीच एक ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर बातचीत संपन्न होने की सोमवार को घोषणा की। जिसके बाद एफटीए पर वार्ता संपन्न होने की घोषणा की गई। विदेश मंत्रालय ने कहा, यह समझौता, द्विपक्षीय आर्थिक जुड़ाव को गहरा करेगा, बाजार पहुंच को व्यापक बनाएगा, निवेश प्रवाह को बढ़ावा देगा तथा दोनों देशों के बीच रणनीतिक सहयोग को मजबूत करेगा।

एयर इंडिया विमान का एक इंजन हवा में बंद

नई दिल्ली, एजेंसी

- मुंबई जा रही उड़ान दिल्ली लौटी दूसरे इंजन से इमरजेंसी लैंडिंग

दिल्ली से मुंबई जा रहे एयर इंडिया के बोइंग 777 विमान का एक इंजन सोमवार सुबह हवा मे बंद हो गया। इससे विमान को वापस दिल्ली लौटना पड़ा और इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। विमान में 335 यात्री सवार थे। वहीं, डीजीसीए ने कहा है कि वह इस मामले की जांच करेगा।

नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने एअर इंडिया से घटना के संबंध में विस्तृत जानकारी मांगी है। विमान दिल्ली लौटने से पहले करीब एक घंटे तक हवा में रहा। डीजीसीए के एक अधिकारी ने बताया कि विमान ने उड़ान भरने के बाद 'फ्लैप' के दौरान दाहिने हाथ के इंजन (इंजन नंबर 2) में तेल का दबाव कम होने के कारण हवा में ही वापस लौटने का फैसला किया। 'फ्लैप' पंखों की क्षमता बढ़ाने वाला हिस्सा होता है, जिससे विमान कम रफ्तार पर भी संतुलित और सुरक्षित रहता है। इंजन ऑयल का दबाव शून्य पर आ गया था।

यूनुस की शह से बांग्लादेशी हिंदुओं पर हमले : हसीना

नई दिल्ली, एजेंसी

- अपदस्थ प्रधानमंत्री ने कहा- भारत से बर्बाद कर दिए संबंध

अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना ने बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे हमले के लिए अंतरिम सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस को जिम्मेदार ठहराया है। हसीना के कहा, कुछ कट्टरपंथी ताकतें खुलकर हिंसा कर रही हैं, जिन्होंने भारतीय दूतावास, मीडिया दफ्तरों और अल्पसंख्यकों पर हमले किए हैं।

यूनुस सरकार ऐसे लोगों को संरक्षण दे रही है और यहां तक कि सजा पाए आतंकियों को भी रिहा किया गया है। उन्होंने बांग्लादेश में भारत विरोधी भावना के लिए भी मोहम्मद यूनुस को जिम्मेदार ठहराया है। एक समाचार एजेंसी को दिए इंटरव्यू में हसीना ने भारत को बांग्लादेश का सबसे भरोसेमंद दोस्त बताया। उन्होंने कहा कि यूनुस सरकार की नीतियों से दोनों देशों के रिश्तों में खटास आई है।

आठ करोड़ रुपये की ठगी के बाद पूर्व आइजी ने खुद को गोली मारी

पटियाला। खुद के साथ आठ करोड़ रुपये की ऑनलाइन ठगी होने के बाद पंजाब में पूर्व आईजी अमर सिंह चहल ने सोमवार को खुद को गोली मार ली। गंभीर हालत में उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। खुद को गोली मारने से पहले चहल ने 12 पेज का सुसाइड नोट भी लिखा था।

- अस्पताल में भर्ती, 12 पेज का सुसाइड नोट लिखा

सुसाइड नोट में उन्होंने लिखा कि साइबर ठगों ने खुद को धन प्रबंधन सलाहकार बताकर उनसे 8.10 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी की थी। पटियाला के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) वरुण शर्मा ने बताया कि उन्हें गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया था। चहल, फरीदकोट में 2015 में हुए बेअदबी विरोधी प्रदर्शनों से संबंधित पुलिस गोलीबारी मामलों में आरोपियों में से एक हैं।

मां की गोद से बच्चे को उठा ले गया भेड़िया, शव बरामद

संवाददाता, कैसरगंज (बहराइच)

अमृत विचार : विकासखंड फखरपुर के ग्राम रसूलपुर बरेठा गांव में सोमवार की सुबह एक भेड़िया मां की गोद से तीन साल के मासूम बच्चे को छीनकर अपने जबड़े में दबोच ले गया। बाद में घर से लगभग 200 मीटर की दूरी पर बच्चे का क्षत विछत शव बरामद हुआ है।

जानकारी के अनुसार राम मनोहर पंजाब में मजदूरी करते हैं। पत्नी ननकई अपने दो बच्चों के साथ घर पर रहती हैं। सोमवार की सुबह ननकई बरामदे में अपने तीन साल के बेटे अंशु को दूध पिला रही थीं, तभी अचानक एक भेड़िए ने हमला कर बच्चे को जबड़े में दबाकर भाग निकला। मां ने शोर मचाते हुए भेड़िए का पीछा किया, लेकिन करीब सौ मीटर तक पीछा करने के बाद घने कोहरे के कारण भेड़िया ओझल हो गया। मामले की जानकारी के बाद स्थानीय पुलिस और वन विभाग की टीम भेड़िए की तलाश में जुट गई।

अंशु (फाइल फोटो)

- कोहरे के चलते भेड़िया हुआ ओझल, तलाश में वन विभाग और ग्रामीण जुटे दहशत का माहौल

कार से उतारकर मां-बेटी के साथ सामूहिक दुष्कर्म में 5 को उम्रकैद

बुलंदशहर, एजेंसी

बुलंदशहर की एक अदालत ने जुलाई 2016 में मां-बेटी से सामूहिक दुष्कर्म और लूटपाट के एक चर्चित मामले में पांच दोषियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। प्रत्येक पर 1.81 लाख का जुर्माना भी लगाया गया है।

शासकीय अधिवक्ता वरुण कौशिक ने बताया कि 29-30 जुलाई 2016 की दरमियानी रात एक परिवार के कुछ लोग रिश्तेदार की तेरहवीं में शामिल होने के लिए नोएडा से शाहजहांपुर जा रहे थे। देर रात डेढ़ बजे बुलंदशहर के दोस्तपुर गांव के पास पहुंचने पर उन्हें कार से किसी भारी चीज के टकराने के आवाज सुनाई दी। कौशिक ने बताया कि गाड़ी रोककर नीचे उतरने पर बदमाशों ने उन्हें घेर लिया और हथियारों के बल पर डराकर उन्हें पास के एक खेत में ले गए। पुरुषों को रस्सी से बांधकर परिवार की एक महिला और उसकी 14 साल की बेटी से सामूहिक दुष्कर्म किया। जज ओम प्रकाश वर्मा ने फैसले में कहा कि इन राक्षसों को सभ्य समाज से दूर रखा जाए. वे जब तक जिंदा रहें, जेल में ही रहें।

- बुलंदशहर में जुलाई 2016 को हुई थी वारदात

छह के खिलाफ दाखिल किया था आरोप पत्र

कौशिक ने बताया कि पुलिस ने इस मामले में छह लोगों के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया था, जिनमें से एक आरोपी सलीम की मुकदमे की प्रक्रिया के दौरान मौत हो गई। पॉक्सो अधिनियम के विशेष न्यायाधीश ओमप्रकाश वर्मा ने शनिवार को बाकी पांच अभियुक्तों जुबेर, साजिद, धर्मवीर, सुनील और नरेश को दोषी करार दिया।

नीति आयोग की रिपोर्ट | 2024 में देश से 13.35 लाख भारतीय छात्र विदेशों में अध्ययन करने गए

उच्च शिक्षा के लिए भारतीय छात्रों की पहली पसंद बना कनाडा

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्च शिक्षा के लिए भारतीय छात्र सबसे ज्यादा कनाडा, अमेरिका, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया और जर्मनी जाते हैं। नीति आयोग की सोमवार को जारी एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी। भारत में उच्च शिक्षा का अंतर्राष्ट्रीयकरण शीर्षक से जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि 2024 में, कनाडा 4,27,000 भारतीय छात्रों के साथ शीर्ष अंतर्राष्ट्रीय उच्च शिक्षा गंतव्य बना। इसके बाद अमेरिका (3,37,630), ब्रिटेन (1,85,000) ऑस्ट्रेलिया (1,22,202) और जर्मनी (42,997) का स्थान रहा।

- 4,27,000 भारतीय छात्र गए कनाडा, शीर्ष पांच देशों में अमेरिका, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया और जर्मनी

इसमें कहा गया है कि भारत दुनिया में अंतर्राष्ट्रीय छात्रों का सबसे बड़ा स्रोत देश है। 2024 में 13.35 लाख से अधिक छात्र विदेशों में अध्ययन कर रहे थे। रिपोर्ट में कहा गया, 2024 में भारत आने वाले प्रत्येक एक अंतर्राष्ट्रीय छात्र के मुकाबले 28 भारतीय छात्र विदेश गए, जो देश के लिए एक महत्वपूर्ण प्रतिभा पलायन को दर्शाता है। रिपोर्ट में भारत में विदेशी छात्रों के आगमन के बारे में 2021-22 के आंकड़े प्रस्तुत किए गए हैं। इसमें कहा गया है कि 2021-22 में नेपाल, अफगानिस्तान, अमेरिका, बांग्लादेश और संयुक्त अरब अमीरात भारत में अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के शीर्ष स्रोत देश थे। रिपोर्ट के अनुसार, कनाडा, अमेरिका, ब्रिटेन और ऑस्ट्रेलिया में 8.5 लाख भारतीय छात्र पढ़ते हैं। इन छात्रों ने 2023-2024 में उच्च शिक्षा पर 2.9 लाख करोड़ रुपये खर्च किए। वहीं, लातविया में भारतीय छात्रों का प्रतिशत सबसे अधिक 17.4 है। उसके बाद आयरलैंड में 15.3 प्रतिशत और जर्मनी में 10.1 प्रतिशत है।

आंध्र से सबसे ज्यादा 35,614 छात्र गए

रिपोर्ट में आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा गया है कि राज्यों में, आंध्र प्रदेश से सबसे ज्यादा 35,614 छात्र पढ़ाई के लिए विदेश गए। उसके बाद पंजाब और महाराष्ट्र का स्थान रहा जहां से क्रमशः 33,412 और 29,079 छात्र उच्च शिक्षा के लिए विदेश गए। रिपोर्ट के मुताबिक, भारतीय रिजर्व बैंक की विदेश में पढ़ने वाले भारतीय छात्रों के लिए उदारीकृत प्रेषण योजना के तहत 2014-24 के दौरान संबंधित देशों को भेजी गयी राशि 975 करोड़ रुपये से बढ़कर 29,000 करोड़ रुपये हो गयी।

न्यूज ब्रीफ

रोजगारोन्मुख प्रशिक्षण के लिए 150 करोड़ रुपये

अमृत विचार, लखनऊ : सरकार ने अनुपूरक बजट में यूपी कौशल विकास मिशन के तहत 50 हजार युवाओं को अल्पकालीन प्रशिक्षण देने के लिए 150 करोड़ का प्रस्ताव किया गया है। इसके साथ ही राज्य के पॉलीटेक्निक कॉलेजों में एक्सीलेंस सेंटर स्थापित करने के लिए 613 .72 करोड़ की बड़ी राशि मांगी गई है, जिससे तकनीकी शिक्षा की गुणवत्ता और उद्योग से जुड़ाव मजबूत होगा। नई राज्य पॉलीटेक्निक संस्थाओं के लिए 1 करोड़ तथा अल्पसंख्यक बहुल क्षेत्रों में भवन निर्माण के लिए अतिरिक्त धनराशि भी प्रस्तावित है। माध्यमिक शिक्षा परिषद के क्षेत्रीय कार्यालयों के संचालन और ई-ऑफिस व्यवस्था के लिए 4 करोड़ का अतिरिक्त बजट रखा गया है। सामाजिक समावेशन को मजबूती देते हुए अन्य पिछड़ा वर्ग के छात्रों की छात्रवृत्ति व शुल्क प्रतिपूर्ति के लिए 3,616 करोड़ की अतिरिक्त राशि प्रस्तावित की गई है, जिससे लाखों विद्यार्थियों को राहत मिलेगी।

नोएडा में भवन मानचित्र स्वीकृति होगी आसान

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में सोमवार को हुई मंत्रिपरिषद की बैठक में नवीन ओखला औद्योगिक विकास प्राधिकरण (विनिमय के माध्यम से हस्तांतरित भूमि पर भवन निर्माण) नियमावली–2025 को स्वीकृति प्रदान की गई। इस नई नियमावली के लागू होने के बाद नोएडा क्षेत्र में मानचित्र स्वीकृति के लिए अब न्यायालय जाने की आवश्यकता नहीं होगी, बल्कि ऐसे सभी आवेदनों का निस्तारण सीधे नवीन ओखला औद्योगिक विकास प्राधिकरण द्वारा किया जाएगा। यह जानकारी औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी ने दी है।

माघ मेला के लिए चलेंगी 3800 रोडवेज बसें

अमृत विचार, लखनऊ : प्रयागराज में 3 जनवरी से शुरू हो रहे माघ मेला 2026 के दौरान श्रद्धालुओं की सुगम आवाजाही के लिए उप्र. परिवहन निगम द्वारा 3800 बसों का संचालन किया जाएगा। परिवहन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने सोमवार को बताया कि माघ मेला की अवधि 1 जनवरी से 15 फरवरी तक निर्धारित है। मुख्य स्नान पर्वों पर 200 अतिरिक्त बसें शटल सेवा के रूप में दो दिन पूर्व से एक दिन बाद तक संचालित की जाएंगी। इसके अतिरिक्त सामान्य दिनों में 25 बसें रिजर्व में रहेंगी।

15,189 करोड़ के निवेश प्रस्तावों को मंजूरी

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में सोमवार को हुई मंत्रिपरिषद की बैठक में प्रदेश के औद्योगिक विकास को नई गति देते हुए 15,189 .7 करोड़ रुपये की लागत वाले निवेश प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। इसके तहत मेगा और सुपर मेगा श्रेणी की 12 औद्योगिक इकाइयों को लेटर ऑफ कम्फर्ट (एलओसी) जारी किए जाएंगे। यह इकाइयां मिर्जापुर, हरदोई, बुलंदशहर, रायबरेली, गौतमबुद्धनगर, सोनभद्र, मेरठ, मुजफ्फरनगर और अलीगढ़ में स्थापित होंगी, जिससे हजारों युवाओं को प्रत्यक्ष रोजगार मिलेगा। औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी ने बताया कि मंजूर किए गए प्रमुख प्रस्तावों में मिर्जापुर में अर्थस्टार वेंचर्स का आयरन एवं स्टील प्लांट, बुलंदशहर में अपोलो कोटेड प्रोडक्ट्स की कोल्ड रोलिंग मिल, हरदोई में हल्दीराम स्नैक्स का मैन्युफैक्चरिंग प्लांट, रायबरेली में भवानी पेपर मिल, सोनभद्र में एसीसी लिमिटेड की सीमेंट ग्राइंडिंग यूनिट समेत अन्य शामिल हैं।

स्वास्थ्य, ऊर्जा, पंचायत और पर्यटन पर सरकार का बड़ा दांव

अनुपूरक बजट 2025-26 : आमजन से जुड़े क्षेत्रों को प्राथमिकता, योगी सरकार का स्पष्ट संदेश कि बुनियादी सेवाएं मजबूत हों

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: योगी सरकार ने अनुपूरक बजट 2025–26 के जरिए स्वास्थ्य सेवाओं, नवीनीकृत ऊर्जा, पंचायत चुनाव और पर्यटन विकास को नई गति देने का खाका खींचा है। सरकार का स्पष्ट संदेश है कि विकास का लाभ सीधे आमजन तक पहुंचे और बुनियादी सेवाएं मजबूत हों।

स्वास्थ्य सेवाओं को 3,500 करोड़ की सौगात

योगी सरकार ने चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार के लिए अनुपूरक बजट में 3,500 करोड़ का प्रावधान किया है। इसका उद्देश्य मेडिकल इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करना, अस्पतालों की क्षमता बढ़ाना और गरीबों को निर्बाध इलाज उपलब्ध कराना है। प्रावधान से ग्रामीण क्षेत्रों के पीएचसी, सीएचसी और जिला अस्पताल सशक्त होंगे। स्वास्थ्य सुविधाओं में भी सुधार होगा।

- आयुष्मान भारत मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना : 300 करोड़
- राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन (एनएचआरएम) : 2,000 करोड़
- आयुष्मान भारत नेशनल हेल्थ प्रोटेक्शन मिशन : 1,200 करोड़

पीएम सूर्य घर योजना को 500 करोड़ की मंजूरी

अनुपूरक बजट में पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के लिए 500 करोड़ की राज्य सब्सिडी मंजूर की गई है। इससे लाभार्थियों को सब्सिडी समय पर मिलेगी और सोलर रूफटॉप लगाने में आर्थिक राहत मिलेगी। उत्तर प्रदेश इस योजना में देश के अग्रणी राज्यों में शामिल है।

- 10 .09 लाख से अधिक आवेदन
- 3 .14 लाख घरों में सोलर रूफटॉप स्थापित
- 1,083 मेगावाट से अधिक सोलर क्षमता सृजित
- केंद्रीय सब्सिडी : 2,188 .79 करोड़, राज्य सब्सिडी (अब तक) : 600 करोड़

पर्यटन और धार्मिक स्थलों के विकास को बढ़ावा

अनुपूरक बजट में पर्यटन, कला और संस्कृति को भी प्राथमिकता दी गई है। इन प्रावधानों से धार्मिक पर्यटन, ईको टूरिज्म और स्थानीय रोजगार को बढ़ावा मिलेगा।

- ईको टूरिज्म विकास बोर्ड : 1 करोड़
- पर्यटन सुविधाएं : 5 करोड़
- श्री सोरों, श्री कल्कि धाम व अन्य तीर्थ : 10 करोड़
- लोक कलाकारों के लिए वाद्ययंत्र : 5 करोड़
- छतर मंजिल, लखनऊ (रेस्टोरेशन) : 3 .44 करोड़

200 करोड़ : प्रदेश सरकार ने आगामी त्रिस्तरीय पंचायत चुनावों के सुचारु आयोजन के लिए 200 करोड़ का अतिरिक्त प्रावधान किया है। साथ ही राज्य निर्वाचन आयोग कार्यालय भवन के निर्माण के लिए 24.50 करोड़ रखे गए हैं। हर विधानसभा क्षेत्र के ग्रामीण हिस्से में पंचायत उत्सव भवन/बारात घर के निर्माण पर भी जोर दिया गया है।

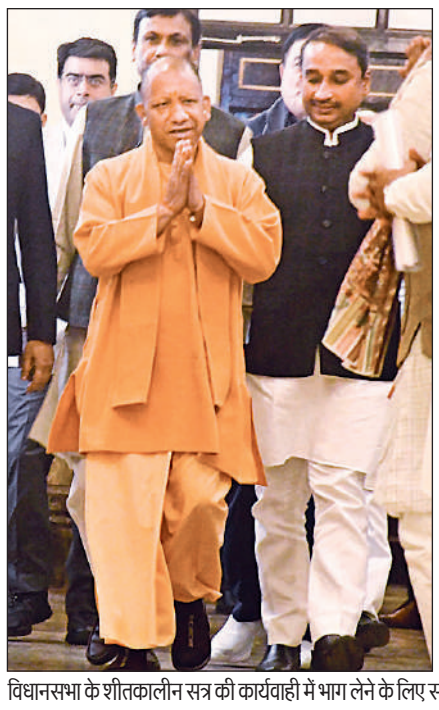

विधानसभा के शीतकालीन सत्र की कार्यवाही में भाग लेने के लिए सदन पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना व वित्त मंत्री सुरेश खन्ना। अमृत विचार

नए मेडिकल कॉलेज खोलने के लिए सरकार ने दी बड़ी रकम

चिकित्सा शिक्षा-प्रशिक्षण को 423.80 करोड़, सेवाओं की बढ़ेगी गुणवत्ता

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: योगी सरकार ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए पेश अनुपूरक बजट में चिकित्सा शिक्षा और प्रशिक्षण को बड़ी प्राथमिकता दी है। प्रदेश में मेडिकल इंफ्रास्ट्रक्चर को सुदृढ़ करने, नए मेडिकल कॉलेजों की स्थापना, सुपर स्पेशियलिटी सेवाओं के विस्तार और इलाज की गुणवत्ता सुधारने के उद्देश्य से 423.80 करोड़ की भारी-भरकम धनराशि का प्रावधान किया गया है। इसे प्रदेश के स्वास्थ्य तंत्र को मजबूत करने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है। एसजीपीजीआई पर खास ध्यान देते हुए सुपर स्पेशियलिटी सेवाओं को मिलेगा विस्तार मिलेगा।

- **एसजीपीजीआई पर खास ध्यान, सुपर स्पेशियलिटी सेवाओं को विस्तार**

लखनऊ के प्रमुख चिकित्सा संस्थानों पर सरकार का विशेष फोकस रहा है। संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान (एसजीपीजीआई) को विभिन्न प्रस्तावों के तहत 120 करोड़ की अतिरिक्त आवश्यकता को अनुपूरक बजट में शामिल किया गया है। इसके अलावा सेंटर ऑफ बायोमेडिकल रिसर्च, लखनऊ को वेतन अनुदान के लिए 1 करोड़ दिए गए हैं। गोमतीनगर स्थित डॉ. राम मनोहर लोहिया इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज को वेतन अनुदान के लिए 20 करोड़, जबकि किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू) को वेतन अनुदान के रूप में 25 करोड़ की अतिरिक्त धनराशि स्वीकृत की गई है। गंभीर और दीर्घकालिक रोगों के उपचार पर भी ध्यान केंद्रित किया है। हीमोफीलिया रोग की निःशुल्क चिकित्सा सुविधा के तहत औषधि और रसायनों की खरीद के लिए 10 करोड़ का अतिरिक्त प्रावधान किया गया है।

अनुपूरक बजट के तहत प्रदेश के प्रमुख चिकित्सा संस्थानों को वेतन, गैर-वेतन अनुदान, व्यावसायिक एवं विशेष सेवाओं के लिए अतिरिक्त धनराशि दी गई है। सीतापुर स्थित नेहरू इंस्टिट्यूट ऑफ ऑप्थल्मोलॉजी एंड रिसर्च को वेतन अनुदान के लिए 1.74 करोड़ का अतिरिक्त बजट दिया गया है, जबकि कैंसर संस्थान, लखनऊ को विभिन्न मदों के लिए 10 करोड़ की व्यवस्था की गई है।

मेरठ, झांसी, गोरखपुर व प्रयागराज को भी मदद

योगी सरकार ने मेडिकल कॉलेज आगरा को 9 .5 करोड़, गणेश शंकर विद्यार्थी स्मारक मेडिकल कॉलेज, कानपुर को 8 .75 करोड़ और मेडिकल कॉलेज, प्रयागराज को 6 करोड़ का अतिरिक्त बजट मिला है। इसी क्रम में मेडिकल कॉलेज मेरठ को 10 .65 करोड़, झांसी को 3 .85 करोड़ और गोरखपुर को 5 .07 करोड़ दिए गए हैं। राजकीय मेडिकल कॉलेज, आजमगढ़ को व्यावसायिक एवं विशेष सेवाओं के लिए 50 लाख, बांदा मेडिकल कॉलेज को 2 .18 करोड़, सैफई (इटावा) स्थित रूरल इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज को गैर-वेतन अनुदान के लिए 73 .09 लाख दिए गए हैं।

नए संस्थान और सुपर स्पेशियलिटी पर जोर

नोएडा में सुपर स्पेशियलिटी बाल चिकित्सालय एवं पोस्ट ग्रेजुएट शैक्षणिक संस्थान की स्थापना के लिए वेतन अनुदान के रूप में 2 करोड़ तथा ग्रेटर नोएडा में चिकित्सा विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए 7 करोड़ का प्रावधान किया गया है। तीसरे फेज के तहत स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालयों के संचालन के लिए 45 करोड़ की व्यवस्था की गई है। इसके साथ ही जेके इंस्टिट्यूट ऑफ रेडियोलॉजी एंड कैंसर रिसर्च, कानपुर में विशेष सेवाओं के विस्तार के लिए भी अतिरिक्त धनराशि दी गई है। एटा, हरदोई, प्रतापगढ़, फतेहपुर, सिद्धार्थनगर, देवरिया, गाजीपुर और मीरजापुर सहित कई जिलों में नए स्वशासी मेडिकल कॉलेजों की स्थापना के लिए राज्यांश की प्रतीक व्यवस्था की गई है।

महिला-कल्याण पर फोकस, मिले 535 करोड़

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: योगी सरकार ने अनुपूरक बजट 2025-26 में महिला एवं बाल विकास विभाग को 535 करोड़ रुपये की अतिरिक्त धनराशि देकर आधी आबादी के कल्याण को मजबूत आधार दिया है। इस बजट का सबसे बड़ा लाभ निराश्रित महिला पेंशन योजना को मिलेगा, जिससे पेंशन भुगतान में किसी तरह की रुकावट नहीं आएगी।

पति की मृत्यु के बाद सामाजिक सुरक्षा उपलब्ध कराने वाली इस योजना के तहत पात्र महिलाओं को 1,000 रुपये प्रतिमाह की पेंशन दी जाती है, जिसका भुगतान तिमाही आधार पर होता है। चालू वित्तीय वर्ष की चौथी तिमाही में करीब 40 लाख महिलाओं को पेंशन दी जानी है, जिसके लिए अतिरिक्त संसाधनों की आवश्यकता थी। सरकार ने अनुपूरक बजट के माध्यम से यह स्पष्ट कर दिया है कि किसी भी पात्र महिला को पेंशन से वंचित नहीं होने दिया जाएगा।

- **निराश्रित महिला पेंशन होगी निर्बाध, आंगनबाड़ी केंद्रों के निर्माण को भी बल**

सरकारी आंकड़ों के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2025-26 की पहली तीन तिमाहियों में ही एक करोड़ से अधिक महिलाओं को पेंशन का लाभ दिया जा चुका है। इसके साथ ही आंगनबाड़ी केंद्रों के निर्माण के लिए 7 करोड़ का प्रावधान किया गया है, ताकि बच्चों को बेहतर पोषण, देखभाल और प्रारंभिक शिक्षा जैसी सुविधाएं मिल सकें। महिला एवं बाल विकास विभाग के लिए बढ़ाया गया यह बजट योगी सरकार की उस नीति को दर्शाता है, जिसमें महिला सुरक्षा, सामाजिक संरक्षण और बाल कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है।

विभाग में क्या बदलेगा

- 535 करोड़ से निराश्रित महिला पेंशन भुगतान होगा सुनिश्चित
- पात्र महिलाओं को 1,000 प्रतिमाह की नियमित पेंशन
- 2025-26 की चौथी तिमाही में 40 लाख लाभार्थी शामिल
- पहली तीन तिमाहियों में ही 3,400 करोड़ से अधिक की पेंशन वितरित
- 7 करोड़ से नए आंगनबाड़ी केंद्रों का निर्माण
- बच्चों को पोषण, देखभाल और प्ले-स्कूल जैसी सुविधाएं

हरित ऊर्जा से मिलेगी सहकारिता को ताकत

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: योगी सरकार ने अनुपूरक बजट 2025-26 में सहकारिता क्षेत्र को हरित ऊर्जा और तकनीकी उन्नयन के जरिए सशक्त बनाने की दिशा में अहम कदम उठाया है। सहकारी संस्थाओं के लिए विभिन्न मदों में अतिरिक्त अनुदान की व्यवस्था की है।

अनुपूरक बजट में सरकारी, अर्द्ध-सरकारी और बी-पैक्स (प्राथमिक कृषि सहकारी समितियों) के भवनों पर सोलर रूफटॉप स्थापित करने के लिए 20 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इससे सहकारी संस्थाओं की ऊर्जा लागत में कमी आएगी और स्वच्छ व नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा मिलेगा। सहकारिता विभाग के अंतर्गत वाहन सेवाओं को मजबूत करने के लिए 2.19 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई है। इसके अलावा उत्तर प्रदेश सहकारी सेवा मंडल, लखनऊ को विभिन्न मानक मदों के लिए 46 लाख रुपये का अतिरिक्त अनुदान दिया गया है। सहकारी शोध एवं प्रशिक्षण संस्थान को 1.50 करोड़ का अनुदान प्रस्तावित किया गया है। साथ ही, सहकारी समितियों का समग्र डाटाबेस तैयार करने हेतु 1 करोड़ की अतिरिक्त धनराशि रखी गई है।

- **बी-पैक्स व सरकारी भवनों पर सोलर रूफटॉप स्थापित करने पर जोर**

जेवर-गंगा एक्सप्रेसवे लिंक को मिली रफ्तार

ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे के लिए 1,246 करोड़ का प्रावधान, निवेश और कनेक्टिविटी पर जोर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: योगी आदित्यनाथ सरकार ने अनुपूरक बजट 2025-26 में औद्योगिक विकास और वैश्विक कनेक्टिविटी को नई गति देने के लिए जेवर एयरपोर्ट से गंगा एक्सप्रेसवे तक प्रवेश-नियंत्रित ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे के निर्माण को 1,246 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। इस धनराशि से भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया को तेज किया जाएगा, ताकि परियोजना को समयबद्ध तरीके से आगे बढ़ाया जा सके।

यह ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट को सीधे गंगा एक्सप्रेसवे से जोड़ेगा। सरकार का मानना है कि इस कॉरिडोर के बन जाने से माल परिवहन, निर्यात, औद्योगिक आपूर्ति श्रृंखला और यात्री आवागमन को निर्बाध गति मिलेगी। अनुपूरक बजट में एक्सप्रेसवे नेटवर्क को मजबूती देने के लिए अन्य प्रमुख परियोजनाओं को भी समर्थन दिया गया है। गंगा एक्सप्रेसवे परियोजना के लिए बीजीएफ (बजटरी गेप फंडिंग) के अंतर्गत 1,835 करोड़ रुपये तथा गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे के लिए 100 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इसके अलावा आगरा–लखनऊ एक्सप्रेसवे के 292 किलोमीटर हिस्से में बाईं ओर जन सुविधा परिसर और वाहन पार्किंग स्थलों के निर्माण के लिए 5 लाख रुपये की प्रतीक मांग भी रखी गई है।

प्रोत्साहन नीति में बड़ी धनराशि प्रस्तावित

- त्वरित निवेश प्रोत्साहन नीति 2020 : 75 करोड़
- एफडीआई व फॉर्च्यून-500 निवेश नीति 2023 : 371.69 करोड़
- औद्योगिक निवेश एवं प्रोत्साहन नीति 2022 : 823 .43 करोड़
- ऑक्सीजन उत्पादन प्रोत्साहन नीति 2021 : 23 .03 करोड़
- अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास नीति 2012 : 100 करोड़
- औद्योगिक निवेश एवं रोजगार प्रोत्साहन नीति 2017 : 300 करोड़

लघु उद्योग और निर्यात को सहारा : लघु उद्योग एवं निर्यात प्रोत्साहन को मजबूत करने के लिए जिला उद्योग केंद्र के अधिष्ठान व्यय के लिए 1.5 करोड़ रुपये और उद्योग निदेशालय के लिए भी 1.5 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। वहीं, हथकरघा क्षेत्र में पीएम मित्र पार्क के संचालन के लिए वृक्ष पातन एवं प्रतिपूरक वृक्षारोपण शुल्क के भुगतान को 85 करोड़ रखे गए हैं। सरकार का आकलन है कि इन प्रावधानों से एक्सप्रेसवे आधारित औद्योगिक कॉरिडोर विकसित होंगे, निवेश बढ़ेगा और प्रदेश में बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर सृजित होंगे।

कफ सिरप समेत कई मुद्दों पर विधानसभा के अंदर बाहर सपा का हंगामा

अमृत विचार, लखनऊ : विधानसभा में सोमवार को समाजवादी पार्टी के विधायकों ने कोडीन कफ सिरप समेत विभिन्न मुद्दों को लेकर सरकार के खिलाफ जोरदार हंगामा किया। सपा सदस्य सदन के भीतर नारेबाजी करते हुए वेल में पहुंचे, जिससे कार्यवाही कुछ समय के लिए बाधित रही। बाद में सपा विधायक विधानसभा परिसर के बाहर भी धरना-प्रदर्शन करते नजर आए। विपक्ष ने आरोप लगाया कि सरकार कोडीन कफ सिरप प्रकरण में तथ्यों को दबा रही है और जवाबदेही से बच रही है। सपा नेताओं ने स्वास्थ्य, कानून-व्यवस्था और महंगाई जैसे मुद्दों पर भी सरकार को घेरा। हंगामे के दौरान सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी नोकझोंक हुई, जिस पर अध्यक्ष को बार-बार शांति बनाए रखने की अपील करनी पड़ी।

सरकार की ओर से कहा गया कि सभी मुद्दों पर सदन में तथ्यात्मक चर्चा के लिए वह तैयार है, लेकिन हंगामे से लोकतांत्रिक प्रक्रिया बाधित होती है। दिनभर चले विरोध से विधानसभा का माहौल गर्म रहा।

यूपी में मौत नहीं, सपा सरकार ने दिए अपराधियों को लाइसेंस

कोडीन कफ सिरप मामले में मुख्यमंत्री योगी ने सपा पर किया सीधा वार, विधानसभा में खोली पोल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को विधानसभा में कोडिन कफ सिरप प्रकरण पर विपक्ष के हंगामे का तीखा जवाब देते हुए सपा को कठघरे में खड़ा कर दिया। कहा कि प्रदेश में कोडिन कफ सिरप से एक भी मौत नहीं हुई है, लेकिन झूठे आरोप लगाकर सदन को गुमराह करने की कोशिश की जा रही है। यह पूरा मामला अवैध डायवर्जन और ट्रेडिंग का है, जिसमें दोषियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने एक-एक आरोपियों के नाम लेकर गिनाया कि सबसे तार सपा से जुड़े हैं और अपराधियों को लाइसेंस सपा सरकार ने दिए थे।

सदन में विपक्ष के आरोपों का जवाब देते मुख्यमंत्री योगी। अमृत विचार

मुख्यमंत्री ने नेता प्रतिपक्ष और समाजवादी पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि प्रश्न क्या है और मुद्दे क्या उठाए जा रहे हैं, इसका फर्क समझना चाहिए। सदन की गरिमा बनाए रखना विपक्ष की भी जिम्मेदारी है। उन्होंने 'चोर की दाढ़ी में तिनका' कहावत का जिक्र करते हुए कहा कि जिनके दामन पर दाग हैं, वही सबसे ज्यादा शोर मचा रहे हैं। योगी ने सदन में खुलासा किया कि यूपी के सबसे बड़े कोडिन कफ सिरप होलसेलर को वर्ष 2016 में समाजवादी पार्टी की सरकार ने लाइसेंस जारी किया था। एसटीएफ की कार्रवाई में वही होलसेलर पकड़ा गया।

कार्रवाई के आंकड़े

- 79 अभियोग दर्ज
- 225 अभियुक्त नामजद

78 गिरफ्तारियां

- 134 फर्मों पर छापे
- 332 फर्मों की जांच, 136 पर एनडीपीएस एक्ट में केस
- 77 से अधिक आरोपी जेल में

योगी ने कहा- देश में दो नमूने, सपा का हंगामा

योगी ने तंज कसते हुए कहा कि देश में दो नमूने हैं। एक दिल्ली में बैठता है और दूसरा लखनऊ में। जब भी कोई चर्चा होती है, देश छोड़कर भाग जाते हैं। आप चिल्लाते रहेंगे और 'बबुआ' सैर-सपाटे के लिए इंग्लैंड चले जाएंगे। योगी के बयान के बाद नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय ने नमूने शब्द पर कड़ी आपत्ति जताई और सपा सदस्यों ने जमकर हंगामा किया। विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना के तमाम कोशिशों के बाद भी सपाई शांत नहीं हुए। इसके बाद अनुपूरक बजट पेश करने की अनुमति दी गई।

आलोक सिपाही पक्का सपाई : मुख्यमंत्री ने सदन में फोटो दिखाते हुए कहा कि कोडिन कफ सिरप प्रकरण का किंग पिन आलोक सिपाही पक्का सपाई है। एक अन्य आरोपी अमित यादव की तस्वीर उन्होंने अखिलेश यादव के साथ दिखाते हुए कहा कि वह समाजवादी युवजन सभा से जुड़ा रहा है।

अवैध लेन-देन और सपा के तार : योगी ने कहा कि जांच में सामने आया है कि अवैध लेन-देन लोहिया वाहिनी के एक पदाधिकारी के खाते के माध्यम से हुआ। किंग पिन शुभम जायसवाल के सपा से संबंध रहे हैं। अमित यादव और मिलिंद यादव के खातों से शैली ट्रेडर्स के खाते में संदिग्ध ट्रांजेक्शन हुआ है।

विधानसभा सत्र के दौरान कफ सिरप समेत अन्य मुद्दों को लेकर विधानभवन परिसर में धरना देते सपा विधायक। अमृत विचार

रंगीन लाइटों से जगमगाने लगा राष्ट्र प्रेरणा स्थल

अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती पर 25 को प्रधानमंत्री मोदी करेंगे लोकार्पण, एसपीजी ने परिसर को अपने अंडर में लिया

कार्यालय संवाददात, लखनऊ

अमृत विचार : भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल विहारी वाजपेयी की जयंती पर 25 दिसंबर को बसंतकुंज योजना में बने राष्ट्र प्रेरणा स्थल का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लोकार्पण करेंगे। लोकार्पण समारोह की प्रशासन, एलडीए, नगर निगम ने तैयारी पूर्ण कर ली है। प्रेरणा स्थल के बाहर सड़कों व लाइटों की मरम्मत, चौराहों का सुंदरीकरण, साफ-सफाई, डिवाइडरों पर पेंटिंग, पोलों पर तिरंगा, तितली व नमस्ते आकार की एलईडी लाइटें से सजाया गया है। समारोह में कवि सम्मेलन और सांस्कृतिक कार्यक्रम भी होंगे। इसमें रक्षामंत्री राजनाथ सिंह, राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ के अलावा बड़ी संख्या में वीवीआईपी और वीआईपी शामिल होंगे। सोमवार को एसपीजी ने परिसर अपने अंडर में लेकर सुरक्षा बढ़ा दी।

कार्यक्रम में लखनऊ, सीतापुर, हरदोई, लखीमपुर खीरी, बाराबंकी उन्नाव और रायबरेली से करीब डेढ़ लाख लोगों को 2400 रोडवेज की बसों से लाया जाएगा। वीवीआईपी, वीआईपी समेत लखनऊ, बाराबंकी, हरदोई, सीतापुर व लखीमपुर जनपदों से आने वाले लाखों लोगों के वाहनों की पार्किंग और स्थल पर बैठने के लिए खास इंतजाम किए गए हैं। जिलों से आने वाले लोगों की सुविधाओं को देखते हुए उनके बैठने की व्यवस्था में थोड़ा बदलाव किया गया है। जनपद वार जो ब्लॉक कलर कोडिंग करके बनाए गए थे उसमें अब पंडाल नहीं रहेगा। सोमवार को अधिकारियों ने पंडाल हटवा दिए। परिसर के बाहर कई एकड़ में वीवीआई, वीआईपी समेत अन्य लोगों की दो व चार पहिया पार्किंग बनाई गई है।

हरदोई रोड स्थित बसंतकुंज में लाइटों से जगमगाता राष्ट्र प्रेरणा स्थल।

रात में दूर से दिखती हैं तीनों प्रतिमाएं

- प्रेरणा स्थल पर मंच, वीवीआईपी, वीआईपी के बैठने की व्यवस्था, म्यूजियम, योगा केंद्र, हेलीपैड आदि तैयार किया गया है। यहां लगी 65 फीट ऊंची महापुरुषों की प्रतिमाओं की प्रोजेक्शन मैपिंग यानी रंग-बिरंगी लाइटें लाइटें लगाई हैं। इसकी रोशनी से प्रतिमाएं रात में दूर से नजर आती हैं और और इन लाइटों से प्रतिमाओं के कपड़ों का रंग बदलता है, जो ग्रीन कॉरिडोर व आसपास से गुजरने वालों के लिए आकर्षित करता है। परिसर में जगह-जगह पाथ-वे की पौधों व फूलों से सजावट की गई है। पाथ-वे पर लगी लाइटें लगी हैं।

राष्ट्र प्रेरणा स्थल की म्यूजियम गैलरी के बाहर कमल आकर के मॉडल पर रखा चक्र।

मुख्य मार्गों को वर्टिकल गार्डेन और गमलों से सजाएगा नगर निगम

- **अमृत विचार, लखनऊ :** 25 दिसंबर को प्रधानमंत्री के लखनऊ आगमन को लेकर नगर निगम का उद्यान विभाग मुख्य मार्गों को वर्टिकल गार्डेन और गमलों से सजाएगा। हरियाली और रंग-बिरंगे फूल और पौधे राहगीरों को सुखद अनुभूति कराएंगे। नगर निगम का उद्यान विभाग मुख्य मार्गों के किनारे और डिवाइडर पर करीब 1000 गमले लगाएगा। नगर निगम ने वृंदावन योजना और गोमती नगर स्थित नर्सरी से पौधे पहुंचाने का काम शुरू कर दिया है। धैला पुल से आईआईएम तिराहा और परिवर्तन चौक से हरदोई रोड के बीच कई स्थानों पर वर्टिकल गार्डेन बनाकर रंग-बिरंगे फूल लगाए जाएंगे। नगर निगम के अपर नगर आयुक्त डॉ. अरविंद कुमार राव ने बताया कि नगर निगम ने मुख्य मार्गों और डिवाइडर पर गमले लगाने और वर्टिकल गार्डेन बनाने का काम शुरू कर दिया है। 24 दिसंबर से पहले सौंदर्यीकरण के सभी कार्य पूरे हो जाएंगे।

राष्ट्र प्रेरणा स्थल की म्यूजियम गैलरी पर लगी महापुरुषों के जीवन से जुड़ी चीजें।

एयरपोर्ट से प्रेरणा स्थल तक जांची सफाई व्यवस्था

- **अमृत विचार, लखनऊ :** नगर आयुक्त गौरव कुमार ने सोमवार को एयरपोर्ट से प्रेरणा स्थल तक प्रमुख मार्गों, चौराहों और स्थलों पर सड़कों, डिवाइडरों, फुटपाथ, नालियों और सार्वजनिक स्थलों की साफ-सफाई का जायजा लिया। उन्होंने मार्ग प्रकाश व्यवस्था को सही करने, खराब स्ट्रीट लाइटों को ठीक करने और अंधेरा दूर करे के लिए नई लाइटें लगाने के निर्देश दिए। कहा कि मुख्य मार्गों किनारे पेंटिंग, पौधरोपण, साज सज्जा करने के अलावा अवैध सामग्री हटाई जाए। प्रमुख मार्गों और कार्यक्रम स्थल के आस-पास नियमित सफाई और कूड़ा उठान के निर्देश भी दिए। निरीक्षण में पर नगर आयुक्त, मुख्य अभियंता, जलकल महाप्रबंधक, समस्त अधिशासी अभियंता अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

अटल नगर के फ्लैट व ग्रीन कॉरिडोर की मिल सकती सौगात

- **अमृत विचार, लखनऊ :** 25 दिसंबर को बसंतकुंज में बने राष्ट्र प्रेरणा स्थल के लोकार्पण के साथ अटल नगर के फ्लैट और ग्रीन कॉरिडोर के तहत निशातगंज से समतामूलक तक बने नये रूट की शहरवासियों को सौगात मिल सकती है। एलडीए पूर्व प्रधानमंत्री अटल विहारी वाजपेयी की जयंत पर ग्रीन कॉरिडोर का उद्घाटन और अटल नगर के फ्लैटों की लॉटरी करके आवंटन पत्र वितरित करने की तैयारी में है। ग्रीन कॉरिडोर के दूसरे चरण में निशातगंज से समतामूलक तक नया फोरलेन रूट तैयार हो गया है। इसके अतिरिक्त निशातगंज के पास रोटरी बनाने का कार्य अंतिम चरण पर है। इसके शुरू होने से दोनों तरफ मात्र पांच मिनट में वाहनों से आनाजाना होगा। इस नये रूट से आईआईएम रोड से निशातगंज, समतामूलक होते हुए शहीद पथ पर पहुंचेंगे। वहीं, देवपुर पारा स्थित अटल नगर योजना के फ्लैटों की लाटरी कराने की प्रक्रिया चल रही है, जहां एलडीए ने 2,496 फ्लैट बनाए हैं। इसकी बिक्री के लिए 2 दिसंबर तक ऑनलाइन पंजीयन लिए गए थे। योजना में 12 से लेकर 19 मंजिल के 15 टावर बने हैं।

राष्ट्र प्रेरणा स्थल में लाइटों से जगमगाता पाथ-वे।

कल शहर पहुंच जाएंगे रक्षा मंत्री

- लखनऊ से सांसद केन्द्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह बुधवार को अपने संसदीय क्षेत्र लखनऊ पहुंचेंगे। महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी ने बताया कि रक्षा मंत्री बुधवार शाम 04:05 बजे लखनऊ एयरपोर्ट पहुंचेंगे। वहां से अटल कन्वेंशन सेंटर जाएंगे। वहां पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती के अवसर पर आयोजित एकल काव्य पाठ में सम्मिलित होंगे। शाम 6 बजे कालिदास मार्ग आवास पहुंचेंगे। गुरुवार को अपराह्न 01:30 बजे कालिदास मार्ग आवास से राष्ट्रीय प्रेरणा स्थल के लिए रवाना होंगे। अपराह्न 1:50 बजे कार्यक्रम स्थल पर पहुंचेंगे जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी प्रेरणा स्थल के लोकार्पण कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे। कार्यक्रम के उपरांत शाम 04:05 बजे एयरपोर्ट के लिए प्रस्थान करेंगे और शाम 04:40 बजे लखनऊ एयरपोर्ट से दिल्ली के लिए रवाना होंगे।

न्यूज ब्रीफ

कॉपर केबल चोरी करते तीन गिरफ्तार

अमृत विचार, सरोजनीनगर : थाना क्षेत्र में रविवार रात एक निजी कंपनी की मोटर से कॉपर केबल चोरी करते हुए तीन युवकों को रंगेहाथ पकड़ लिया गया। पुलिस ने आरोपी कमलेश चौहान निवासी कोपागंज मऊ, अरविंद निवासी काजीगढ़ी काकोरी व विमलेश कश्यप निवासी हसनगंज उन्नाव गिरफ्तार कर माल बरामद कर लिया है। गोरखपुर में अजय एसोसिएट में सुपरवाइजर श्रावस्ती के भिनगा निवासी कृष्ण बहादुर सिंह ने बताया कि अमौसी रेलवे स्टेशन स्थित टीएस मिश्रा हॉस्पिटल के पास कंपनी का काम चल रहा है। 21 दिसंबर की रात करीब 12:15 बजे उन्होंने कंपनी परिसर में लगे मोटर के कॉपर केबल तार को काटते हुए तीन लोगों को देखा था।

किसान के घर में लगी आग, गृहस्थी राख

अमृत विचार, लखनऊ : नगराम के ग्राम अमजादपुर में रविवार देर रात एक किसान के घर में शार्ट सर्किट से आग लग गयी। घटना के समय पीड़ित परिवार गहरी नींद में सो रहे थे। नींद खुलने से सभी लोग बाहर भाग निकले। आनन-फानन में फायर ब्रिगेड व पुलिस को सूचना दी गई। दमकलकर्मियों के पहुंचने से पहले ग्रामीणों ने पुलिस की मदद से आग पर काबू पा लिया। आग से घर का इलेक्ट्रॉनिक सामान, चारपाई, बिस्तर, अनाज व समस्त गृहस्थी स्वाहा हो गई। सोमवार सुबह ग्राम प्रधान सुनील पटेल घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने एसडीएम मोहनलालगंज पवन पटेल को घटना की जानकारी दी। एसडीएम ने पीड़ित किसान को सहायता राशि दिलाने का आश्वासन दिया है।

जाली दस्तावेज बनाकर बैनामा करने वाले गिरफ्तार

अमृत विचार, लखनऊ : पिता और चाचा की मौत के बाद उनके जाली दस्तावेज बनाकर जमीन का बैनामा करने वाले तीन जालसाजों रमेश कुमार गिरि निवासी ग्राम गोलाईपुरवा बीकेटी, अग्गन निवासी भांडू टोला डालीगंज मदेयगंज और खुशीराम निवासी आईआईएम रोड मुतक्कीपुर मड़ियांव मोहनलालगंज पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। इंस्पेक्टर बृजेश कुमार त्रिपाठी ने बताया कि आरोपियों को सोमवार को जेल भेज दिया है। इंस्पेक्टर ने बताया कि 10 अक्टूबर को ऐशबाग निवासी सैय्यद फरहान हुसैन ने फर्जीवाड़े की रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

24 की रात 11 बजे से 25 को शाम तक ट्रैफिक डायवर्जन

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 25 दिसंबर को बसंतकुंज स्थित राष्ट्र प्रेरणा केंद्र का लोकार्पण करेंगे। इसके चलते शहर के विभिन्न मार्गों पर डायवर्जन व्यवस्था लागू रहेगी।

- **ट्रैफिक संबंधी समस्या होने पर 9454405155 पर करें फोन**

डीसीपी ट्रैफिक कमलेश दीक्षित ने बताया कि बुधवार रात 11 बजे से व्यवस्था लागू होगी और गुरुवार को कार्यक्रम समाप्ति तक लागू रहेगी। ऐसे में वैकल्पिक मार्ग का प्रयोग करें। डीसीपी ने बताया कि इस दौरान अगर कोई ट्रैफिक समस्या आती है तो ट्रैफिक कंट्रोल नंबर- 9454405155 पर संपर्क कर सकते हैं।

इधर से न जाएं

- मलिहाबाद चौराहा से बाजनगर किसान पथ/छंदोईया की तरफ भारी/बड़े/कामर्शियल वाहन नहीं जाएंगे।
- मुजासा तिराहा से बाजनगर किसान पथ/छंदोईया की तरफ भारी/बड़े/कामर्शियल वाहन नहीं जाएंगे।
- बाजनगर किसान पथ अंडरपास से छंदोईया बाईपास तिराहा की तरफ भारी/बड़े/कामर्शियल वाहन नहीं जाएंगे।
- कसमण्डी (हमसफर लॉन) अंडरपास से अंधे की चौकी तिराहा की तरफ भारी/बड़े/कामर्शियल वाहन नहीं जाएंगे।
- छंदोईया बाईपास तिराहा से कार्यक्रम स्थल/भिठौली तिराहा की तरफ भारी/बड़े/कामर्शियल वाहन नहीं जाएंगे।
- तिकोनिया तिराहा से दुबग्गा तिराहा/छंदोईया बाईपास तिराहा की तरफ भारी/बड़े/कामर्शियल वाहन नहीं जाएंगे।
- भिठौली तिराहा से कार्यक्रम स्थल/छंदोईया बाईपास तिराहा की तरफ भारी/बड़े/कामर्शियल वाहन नहीं जा सकेंगे।
- नया पक्कापुल तिराहा/कुड़ियाघाट तिराहा से कार्यक्रम स्थल/घैला तिराहा की तरफ बड़े/कामर्शियल वाहन नहीं जाएंगे।
- दुबग्गा तिराहे से कोई भी वाहन छंदोईया या सीतापुर बाईपास की तरफ नहीं जाएंगे।
- नहरपुल तिराहे से कोई भी वाहन बुद्धेश्वर की तरफ नहीं जाएंगे।

इधर से जाएं

- वाहन जीरो प्वाइंट मोहान रोड होकर।
- वाहन जीरो प्वाइंट मोहान रोड होकर।
- वाहन किसान पथ होकर ।
- वाहन किसान पथ होकर।
- वाहन अंधे की चौकी तिराहा, बाजनगर किसान पथ अंडरपास से किसान पथ या दुबग्गा तिराहा होकर।
- वाहन नहर तिराहा मोहान रोड, खुशहालगंज बाजार होते हुए खुशहालगंज किसान पथ अंडरपास से किसान पथ होकर।
- सैरपुर तिराहा, अस्ती क्रासिंग बीकेटी होते हुए इंदौरा बाग किसान पथ अंडरपास से इंजीनियरिंग कालेज चौराहा होकर।
- वाहन रूमीगेट, कोनेश्वर चौराहा, बालागंज चौराहा, दुबग्गा तिराहा होकर।
- वाहन तिकोनिया तिराहा होते हुए।
- वाहन जीरो प्वाइंट या किसान पथ के ऊपर से होकर।

भारी वाहनों का बाहरी डायवर्जन

- **कानपुर से आने वाले :** कानपुर से अंबेडकनगर, बस्ती, संत कबीरनगर गोरखपुर, देवरिया, महराजगंज, कुशीनगर, बलिया, गाजीपुर, आजमगढ़ जाने वाले भारी वाहन कानपुर, फतेहपुर, लालगंज, बछरांवा, हैदरगढ़, पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे होते हुए जाएंगे।
- **उन्नाव से आने वाले :** उन्नाव से अंबेडकरनगर, बस्ती, संत कबीरनगर गोरखपुर, देवरिया, महराजगंज, कुशीनगर, बलिया, गाजीपुर, आजमगढ़ जाने वाले भारी वाहन कानपुर उन्नाव के दही चौकी से पुरवा, मौरावा, बछरांवा, हैदरगढ़, पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे होते हुए जाएंगे।
- **उन्नाव से आने वाले :** उन्नाव से अंबेडकरनगर, बस्ती, संत कबीरनगर गोरखपुर, देवरिया, महराजगंज, कुशीनगर, बलिया, गाजीपुर, आजमगढ़ जाने वाले भारी वाहन कानपुर, उन्नाव (ललऊखेडा), से बीघापुर लालगंज, गुरुबक्शगंज, बछरांवा से पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे होते हुए जाएंगे।
- **सीतापुर से आने वाले :** सीतापुर से गोंडा, मनिकापुर, बस्ती संत कबीरनगर गोरखपुर, देवरिया, महराजगंज, कुशीनगर, बलिया, गाजीपुर, आजमगढ़ जाने वाले भारी वाहन चाहलारी होते हुए बहराइच से गोंडा/बलरामपुर होकर जाएंगे।
- **हरदोई से आने वाले :** हरदोई से गोंडा, मनिकापुर, बस्ती संत कबीरनगर गोरखपुर, देवरिया, महराजगंज, कुशीनगर, बलिया, गाजीपुर, आजमगढ़ जाने वाले बसे/बड़े/भारी वाहन हरदोई से बघौली, बांगरमऊ, उन्नाव (ललऊखेडा), से बीघापुर लालगंज, गुरुबक्शगंज, बछरांवा से पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे होते हुए जाएंगे।
- **सुल्तानपुर रोड/हैदरगढ़ (जनपद बाराबंकी) की तरफ से आने वाले :** सुल्तानपुर रोड से गोंडा, मनिकापुर, बस्ती संत कबीरनगर गोरखपुर, देवरिया, महराजगंज, कुशीनगर, बलिया, गाजीपुर, आजमगढ़ जाने वाले भारी वाहन हैदरगढ़ से पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे होते हुए जाएंगे।
- **रायबरेली रोड से आने वाले :** रायबरेली रोड से गोंडा, मनिकापुर, बस्ती संत कबीरनगर गोरखपुर, देवरिया, महराजगंज, कुशीनगर, बलिया, गाजीपुर, आजमगढ़ जाने वाले बसे/बडे/भारी वाहन बछरांवा से हैदरगंढ से पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे होते हुए जाएंगे।
- **बाराबंकी रोड से आने वाले :** बाराबंकी रोड से लखनऊ, हरदोई, कानपुर, सीतापुर, मुरादाबाद, अलीगढ़, दिल्ली जाने वाले भारी वाहन हैदरगढ, बछरावां, लालगंज, फतेहपुर, चौडगरा होते हुए जाएंगे। बाराबंकी रोड से लखनऊ, हरदोई, कानपुर, सीतापुर, मुरादाबाद, अलीगढ़ दिल्ली जाने वाले भारी वाहन बहराईच के चहलारी घाट से सीतापुर होते हुए जाएंगे।
- **नोट :** कानपुर, उन्नाव, बाराबंकी व रायबरेली समेत अन्य जिलों के लिए भी जारी करें

नशे में चापड़-तलवार लेकर ससुराल पहुंचे दर्जी ने किया हंगामा

संवाददाता, सरोजनीनगर

अमृत विचार: थाना क्षेत्र के बेहसा में रविवार शाम शराब के नशे में ससुराल पहुंचे दर्जी ने जमकर हंगामा किया। हाथ में चापड़ और घास काटने वाली तलवार लेकर गाली-गलौज करते करते हुए पत्नी को धमकता रहा। सूचना मिलते ही सरोजनीनगर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर धारदार हथियार कब्जे में ले लिए। पुलिस ने पत्नी की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

सरोजनीनगर के बेहसा निवासी रेनू ने बताया कि करीब 13 वर्ष पहले उसकी शादी बाजारखाला के बुलाकी अड्डा स्थित पांडे का तालाब के पास रहने वाले आशीष

- **पत्नी को दी जान से मारने की धमकी, पुलिस ने किया गिरफ्तार**

कुमार गौतम के साथ हुई थी। आशीष वहां एक दुकान पर दर्जी हैं। दंपति के दो बेटे व दो बेटियां हैं। पीड़िता ने बताया कि पति आशीष आए दिन शराब के नशे में उसे और बच्चों को मारता पीटता रहता है। आरोप है कि करीब 15 दिन पहले भी आशीष ने पत्नी को बेरहमी से पीटा था। तब वह वहां से भाग कर अपने मायके बेहसा चली आई।

आरोप है कि रविवार शाम शराब के नशे में धुत आशीष ससुराल पहुंचा। एक हाथ में चापड़ व दूसरे हाथ में घास काटने वाली तलवार लेकर धमकाते हुए हंगामा करने लगा। चींखपुकार और गाली-गलौज की आवाज सुनकर आसपास के लोगों की भीड़ वहां इकट्ठा हो गई। स्थानीय लोगों ने डॉयल-112 पर सूचना दी। जानकारी मिलते ही सरोजनीनगर पुलिस मौके पर पहुंची और आशीष को पकड़कर थाने ले आई। पुलिस ने पीड़िता रेनू की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी को सोमवार को जेल भेज दिया है।

अधिवक्ता के चैंबर से डेढ़ लाख चोरी

अमृत विचार, मोहनलालगंज: थाना क्षेत्र में चोरों ने रविवार रात तहसील मोहनलालगंज में बने अधिवक्ता अवधेश प्रताप सिंह के चैंबर को निशाना बनाया। ताला तोड़कर चोर स्टांप वेंडर की आलमारी से 1.53 लाख चोरी कर फरार हो गए। सोमवार सुबह चोरी की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और छानबीन की। पुलिस घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल रही है। अधिवक्ता अवधेश प्रताप सिंह ने बताया कि चोरों ने उनके चैंबर के मुख्य गेट को कटर से काट दिया। उसके बाद भीतर प्रवेश कर दो आलमारियों के लॉक तोड़ दिए। चोरों ने आलमारी में रखे स्टाम्प वेंडर आकाश के डेढ़ लाख रुपये चोरी कर लिए।

बलरामपुर अस्पताल में डॉक्टर-नर्स विवाद फिर उभरा

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- **आर्थोपेडिक वार्ड के पुराने मामले की दोबारा जांच, पांच सदस्यीय फैक्ट फाइंडिंग कमेटी गठित**

अमृत विचार : बलरामपुर अस्पताल में हड्डी विभाग के एक डॉक्टर और महिला नर्स के बीच आरोप-प्रत्यारोप का मामला एक बार फिर तूल पकड़ता नजर आ रहा है। स्वास्थ्य महानिदेशक के निर्देश पर प्रकरण की जांच के आदेश दिए गए हैं। इसके बाद अस्पताल की निदेशक डॉ. कविता ने मामले की तथ्यात्मक जांच के लिए पांच सदस्यीय फैक्ट फाइंडिंग कमेटी का गठन किया है।

मामला अस्पताल की न्यू बिल्डिंग के प्रथम तल स्थित आर्थोपेडिक वार्ड से जुड़ा है, जहां करीब चार माह पूर्व एक महिला नर्स तैनात थी। ड्यूटी के दौरान एक मरीज ने नर्स से हड्डी के डॉक्टर को लेकर शिकायत की थी, जिसकी जानकारी नर्स ने उसी रात डॉक्टर को फोन कर दी। नर्स का आरोप है कि फोन करने पर डॉक्टर नाराज हो गए।

इसके बाद एक मरीज के माध्यम से नर्स पर रुपये लेने का आरोप लगाया गया, जिसके आधार पर डॉक्टर ने उसे वार्ड से हटाने के निर्देश दे दिए। नर्स ने अगस्त माह में अस्पताल प्रशासन से शिकायत की थी कि डॉक्टर ने उसके साथ अभद्र भाषा का प्रयोग किया। इस शिकायत पर उस समय भी जांच कमेटी गठित की गई थी और नर्स को दूसरे वार्ड में तैनात कर दिया गया था। इसके बाद मामला शांत माना जा रहा था।

हाल ही में निदेशक नर्सिंग द्वारा पूर्व में हुई जांच से जुड़े निष्कर्ष, संस्तुतियां और अभिलेख मांगे जाने के बाद यह प्रकरण फिर चर्चा में आ गया। इसके मद्देनजर निदेशक डॉ. कविता ने दोबारा जांच के लिए नई कमेटी गठित की है। इस कमेटी में सीएमएस, तीन अन्य चिकित्सक और नर्सिंग अधीक्षक को शामिल किया गया है। निदेशक डॉ. कविता ने बताया कि कमेटी को जल्द से जल्द रिपोर्ट सौंपने के निर्देश दिए गए हैं। जांच रिपोर्ट स्वास्थ्य मुख्यालय भेजी जाएगी, जिसके आधार पर आगे की कार्रवाई तय होगी।

अस्पताल में नहीं है विशाखा समिति

- किसी संस्थान में महिलाओं से जुड़ी घटनाओं की जांच और न्याय दिलाने में अहम भूमिका विशाखा समिति निभाती है। जांच के दौरान पीड़िता की गोपनीयता सुनिश्चित करती है। लेकिन बलरामपुर अस्पताल में विशाखा समिति का गठन नहीं हो सका है। इससे उत्पीड़न का शिकार महिलाओं को जांच में दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

सुधार

भूमि संरक्षण विभाग ने आठ परियोजनाओं पर किया समतलीकरण

400 हेक्टेयर भूमि सुधारी, बढ़ेगा खेती का रकबा

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : जिले में पंडित दीन दयाल उपाध्याय किसान समृद्धि योजना के तहत 400 हेक्टेयर बीहड़-बंजर भूमि सुधार का काम पूरा हो गया है। जहां, किसान खरीफ सीजन में धान, दलहन-तिलहन, सब्जी आदि की फसलें करके समृद्धि लाएंगे। इससे जिले में खेती का रकबा और उत्पादन भी बढ़ेगा।

जिले में कृषि का क्षेत्रफल 2 लाख हेक्टेयर के आसपास है। जबकि काफी जगह ऊसर-बंजर होने की वजह से किसान खेती नहीं कर पाते हैं। इस वर्ष योजना के तहत भूमि संरक्षण विभाग ने माल, मलिहाबाद, गोसाईगंज और मोहनलालगंज ब्लॉक क्षेत्र की 400 हेक्टयर बीहड़-बंजर भूमि चिह्नित करके सुधार के लिए आठ परियोजनाएं बनाकर समतलीकरण, मेड़बंदी, निकासी आदि प्रक्रिया अपनाकर काम करके भूमि कृषि योग्य बनाई है। इसमें करीब 600 किसानों की जमीन हैं। जहां अप्रैल से किसान खरीफ की फसलें करेंगे।

भूमि संरक्षण अधिकारी संगीता कटियार ने बताया कि एक करोड़ की योजना है। इस वर्ष जुलाई से सभी परियोजनाओं में काम शुरू किया था जो लगभग पूर्ण हो गया है। किसानों को शुरुआती दौर में खाद-बीज के लिए 35 हजार रुपये प्रति हेक्टेयर की दर से प्रोत्साहन राशि मिलेगी। साथ ही खेती करने का प्रशिक्षण भी देंगे।

योजना के तहत की गई जमीन की मेड़बंदी और समतलीकरण।

- **खरीफ सीजन में फसलें करेंगे 600 किसान, मिलेगी धनराशि**

ये कराए गए मुख्य कार्य

- समतलीकरण, जलनिकासी के लिए नाली निर्माण और जीर्णोद्धार, समोच्चरेखीय बंध, मार्जिनल/पेरीफेरल बांध, जल संचयन बंधी, चेकडैम, बेंच टैरेसिंग, मेड़बंदी

राष्ट्रगीत पर समझौता बना बंटवारे की नींव

मुख्यमंत्री योगी ने वंदेमातरम् के 150 वर्ष पूरे होने पर विधानसभा में विरोधियों पर साधा निशाना

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दौरान सदन में संबोधित करते मुख्यमंत्री योगी।

- कहा : कांग्रेस की तुष्टीकरण नीति और जिन्ना की राजनीति ने वंदे मातरम् को विवाद बनाया

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने पर विधानसभा में आयोजित विशेष चर्चा की शुरुआत करते हुए कांग्रेस और मोहम्मद अली जिन्ना पर तीखा हमला बोला। मुख्यमंत्री ने कहा कि वंदे मातरम् पर किया गया पहला समझौता ही भारत के सांस्कृतिक विभाजन और अंततः देश के बंटवारे की नींव बना। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि यह किसी धार्मिक भावना का सम्मान नहीं था, बल्कि कांग्रेस की तुष्टीकरण नीति का सबसे खतरनाक प्रयोग था, जिसने अलगाववाद को जन्म दिया।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि जब तक मोहम्मद अली जिन्ना कांग्रेस में थे, तब तक वंदे मातरम् कोई विवाद नहीं था। कांग्रेस छोड़ने के बाद जिन्ना ने इसे मुस्लिम लीग की राजनीति का औजार बनाया और जानबूझकर राष्ट्रगीत को सांप्रदायिक रंग देने का प्रयास किया। गीत वही रहा, लेकिन एजेंडा बदल गया। उन्होंने कहा कि वंदे मातरम् का विरोध धार्मिक नहीं, बल्कि पूरी तरह राजनीतिक था। योगी ने 15 अक्टूबर 1937 का उल्लेख करते हुए कहा कि इसी दिन लखनऊ से जिन्ना ने वंदे मातरम् के खिलाफ अभियान शुरू किया, जबकि उस समय कांग्रेस अध्यक्ष पंडित जवाहरलाल नेहरू थे। इसके पांच दिन बाद 20 अक्टूबर 1937 को नेहरू द्वारा सुभाष चंद्र बोस को लिखा गया पत्र कांग्रेस की तुष्टीकरण मानसिकता का प्रमाण है, जिसमें कहा गया कि यह मुद्दा मुसलमानों को "आशंकित" कर रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 26 अक्टूबर 1937 को कांग्रेस ने वंदे मातरम् के कुछ अंश हटाने का फैसला लिया, जिसे "सद्भाव" कहा गया, लेकिन वास्तव में यह राष्ट्र चेतना की बलि थी।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि देशभक्तों ने उस निर्णय का विरोध किया, प्रभात फेरियां निकालीं, लेकिन कांग्रेस नेतृत्व राष्ट्र के साथ खड़े होने की बजाय वोटबैंक के साथ खड़ा हो गया। 17 मार्च 1938 को जिन्ना ने वंदे मातरम् को पूरी तरह बदलने की मांग की, फिर भी कांग्रेस ने प्रतिकार नहीं किया। इसका परिणाम यह हुआ कि मुस्लिम लीग का साहस बढ़ा, अलगाववाद मजबूत हुआ और सांस्कृतिक प्रतीकों पर समझौते की परंपरा शुरू हुई, जिसने अंततः भारत को विभाजन की त्रासदी तक पहुंचाया।

योगी ने ऐतिहासिक संदर्भ देते हुए कहा कि 1896 से 1922 तक कांग्रेस के हर अधिवेशन में वंदे मातरम् गाया जाता रहा। खिलाफत आंदोलन तक भी यह गीत निर्विवाद रहा। मौलाना अबुल कलाम आज़ाद जैसे नेता इसके समर्थक थे। समस्या मजहब की नहीं, बल्कि कुछ लोगों की राजनीति की थी। उन्होंने 1923 के कांग्रेस अधिवेशन का उल्लेख किया, जब मोहम्मद अली जौहर ने पहली बार वंदे मातरम् का विरोध किया। विष्णु दिगंबर पलुस्कर द्वारा पूरा गीत गाए जाने पर जौहर का मंच छोड़ना व्यक्तिगत निर्णय था, लेकिन कांग्रेस का झुकना उसकी नीति बन गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि 1937 में केवल दो छंद गाने और उन्हें भी अनिवार्य न रखने का निर्णय राष्ट्रीय आत्मसमर्पण था। 24 जनवरी 1950 को संविधान सभा द्वारा जिस खंडित वंदे मातरम् को मान्यता दी गई, वह भी उसी तुष्टीकरण नीति का परिणाम था। उन्होंने कहा कि वंदे मातरम् केवल गीत नहीं, भारत की आत्मा है।

वंदे मातरम् पर सत्ता–विपक्ष में नोकझोंक

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- उप मुख्यमंत्री के बयानों पर सपा व कांग्रेस का विरोध, सदन में राष्ट्रगीत बना राजनीतिक टकराव का केंद्र

अमृत विचार: विधानसभा में सोमवार को राष्ट्रगीत वंदे मातरम् को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी बहस और नोकझोंक देखने को मिली। चर्चा के दौरान सत्तारूढ़ दल के वरिष्ठ नेताओं के बयानों पर समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के सदस्यों ने कड़ा विरोध दर्ज कराया। सदन में बार-बार टोका-टाकी, नारेबाजी और आपत्तियों के चलते कार्यवाही कुछ समय के लिए बाधित भी हुई।

उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि वंदे मातरम् आजादी के आंदोलन का महामंत्र है और इससे किसी को तकलीफ होती है तो उसकी कोई दवा नहीं है। उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि समाजवाद की बात करने वाले लोग परिवारवाद की राजनीति कर रहे हैं और सवाल उठाया कि 'भारत माता की जय' बोलने में आखिर किसे परेशानी होती है। इस टिप्पणी के बाद सपा और कांग्रेस के विधायक अपनी सीटों से खड़े हो गए और विरोध शुरू हो गया।

उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने विपक्ष पर तुष्टीकरण की राजनीति करने का आरोप लगाते हुए कहा कि वंदे मातरम् को लेकर जानबूझकर भ्रम फैलाया जा रहा है। उन्होंने टिप्पणी की कि यदि मुस्लिम समाज अलग हो जाए तो समाजवादी पार्टी का एक भी पार्षद न जीत पाए। इस बयान पर सपा विधायकों ने कड़ी आपत्ति जताई और सदन का माहौल गरमा गया।

वहीं सपा के वरिष्ठ नेता शिवपाल यादव ने कहा कि वंदे मातरम् स्वतंत्रता का जयघोष है और इसे संप्रदाय के चश्मे से देखना इसके गौरव का अपमान है। सपा विधायक संग्राम यादव ने पलटवार करते हुए कहा कि वंदे मातरम् जिन लोगों ने कभी इसे गाया ही नहीं, वे आज दूसरों को उपदेश दे रहे हैं। सपा सदस्यों ने आरोप लगाया कि गांधी का हत्यारा किस विचाराधारा से था। वंदे मातरम् पर लंबी चर्चा कराकर मूल मुद्दों से ध्यान भटकाया जा रहा है।

बहस के दौरान राजा भैया ने हस्तक्षेप करते हुए कहा कि यदि राष्ट्रगीत पर सवाल उठाए जाएंगे तो भविष्य में राष्ट्रगान को लेकर भी विवाद खड़ा किया जा सकता है।

कांग्रेस की वरिष्ठ नेता आराधना मिश्रा मोना ने कहा कि वंदे मातरम् ने देश को एक रखा है, लेकिन इसे किसी पर थोपा नहीं जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि देशभक्ति दिल से आती है, जोर-जबरदस्ती से नहीं। लगातार हंगामे और आरोप-प्रत्यारोप के बीच अध्यक्ष के हस्तक्षेप के बाद स्थिति संभली और चर्चा को आगे बढ़ाया गया, लेकिन वंदे मातरम् को लेकर शुरू हुई यह बहस सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच राजनीतिक टकराव का नया केंद्र बनती नजर आई।

नेता प्रतिपक्ष ने चर्चा को बेवजह बताया

नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय ने वंदे मातरम् पर हो रही चर्चा को बेवजह बताते हुए सत्ता पक्ष पर तंज कसा। उन्होंने कहा कि जो लोग आज उपदेश दे रहे हैं, वे अगर भाजपा में न होते तो खुद भी चुनाव नहीं जीत पाते। उन्होंने आरोप लगाया कि भावनात्मक मुद्दों को राजनीतिक हथियार बनाकर समाज को बांटने की कोशिश की जा रही है, जबकि सदन को विकास, महंगाई और रोजगार जैसे मूल सवालों पर चर्चा करनी चाहिए।

सरकार के जवाब से असंतुष्ट सपा का वॉकआउट

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

विधान परिषद

- कार्यवाही के दूसरे दिन किसानों के मुद्दों को लेकर विपक्ष ने सरकार को घेरा

अमृत विचार : शीतकालीन सत्र के दूसरे दिन सोमवार को विधान परिषद में सभापति कुंवर मानवेंद्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में 11 बजे सदन शुरू हुआ। प्रश्नकाल के बाद दोपहर 12.10 बजे नेता विरोधीदल लाल बिहारी यादव के नेतृत्व में सपा सदस्यों ने नियम 105 अंतर्गत किसानों को खाद न मिलने, लागत मूल्य न मिलना और किसानों के साथ सौतेले व्यवहार पर सरकार को घेरना शुरू किया। कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही द्वारा सरकार के प्रयासों का जिक्र करते ही सपा सदस्यों ने किसान विरोधी सरकार का नारा लगाते हुए सदन का बहिष्कार कर दिया। बावजूद सरकार की तरफ से करीब 20 मिनट तक किसानों के लिए सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों को सदन में प्रस्तुत किया।

सदन में सपा सदस्य बलराम यादव, राजेंद्र चौधरी, किरण पाल कश्यप, डॉ. मान सिंह यादव, जासमीर अंसारी और आशुतोष सिन्हा ने भाजपा सरकार के कार्यकाल में किसानों की समस्याओं में बढ़ोतरी होने, धान खरीद में बिचौलियों की मनमानी, खाद की कालाबाजारी के आरोप लगाये। कृषि मंत्री की ओर इशारा करते हुए लाल बिहारी यादव ने कहा कि किसानों की आय दोगुनी करने का वादा करने वाले लोग किसानों के लिए कुछ भी नहीं कर पा रहे हैं। आलू किसानों का बुरा हाल है, किसान भुखमरी के कगार पर हैं। केंद्र सरकार के 11 वर्ष और प्रदेश की भाजपा सरकार के दौरान एक भी किसान गरीबी रेखा से बाहर नहीं आया। सरकार 80 करोड़ लोगों को आज भी अनाज उपलब्ध करा रही है। धान की खरीद में बिचौलिए हावी हैं। केंद्रों पर किसानों को इंतजार कराया जाता है और व्यापारियों से खरीद हो रही है। प्रदेश में खाद की कालाबाजारी हो रही है। जिस क्षेत्र के कृषि मंत्री रहने वाले हैं, वहीं से कालाजाबारी हो रही है।

जवाब में कृषि मंत्री ने कहा कि सरकार किसानों के हित में लगातार काम कर रही है। वर्तमान में कृषि विकास की दर 17 प्रतिशत से अधिक है। खरीफ 2013-14 में 90.44 लाख हेक्टेयर में बुवाई हुई थी, आज यह क्षेत्र आच्छादन 105 लाख हेक्टेयर है। बीज, खाद और सिंचाई की उपलब्धता होने से गांवों से पलायन कर चुके किसान वापस खेती कर रहे हैं। गन्ना किसानों को चीनी मिलें एडवांस भुगतान कर रही हैं। उन्होंने बताया कि सपा शासन में खाद के लिए लाइनें लगती थीं।

सरकार के दौरान सपा को याद नहीं आई पुरानी पेंशन

अमृत विचार, लखनऊ : विधान परिषद में सपा सदस्य डॉ. मानसिंह यादव ने बुढ़ापे की लाठी बताते हुए पुरानी पेंशन बहाली को लेकर प्रश्न उठाया गया। राज्य सरकार की ओर से जसवंत सिंह सैनी ने कहा कि पहले भी कई बार मुद्दा उठ चुका है, सरकार जवाब दे चुकी है, 50652 करोड़ का बजट सरकारी खाते में अंश जाना शुरू हो चुका है। हालांकि उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा कि सपा की 2002 से 2017 तक दे बार सरकार रही, पर उनको उस समय इसकी याद नहीं आई। सपा के नेता विरोधी दल लाल बिहारी यादव ने प्रश्न काल में शिक्षण संस्थानों को व्यावसायिक विद्युत बिल लिए जाने का मुद्दा उठाया। जवाब में ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने इसे सुधारने और मामले में आयोग के समक्ष पक्ष रखने का भरोसा दिलाया। साथ ही विपक्षी सदस्यों से कहा कि आप भी आयोग से मांग करें।

सम्मन बनाम प्रतिवादी
बअदालत एस.डी.एम महोदय, अमरिया
मु०नं०टी.202512560503841
अंतर्गत धारा 164 बी.एन.एस.एस.
आराजीग्राम खिरका परगना पीलीभीत
तहसील अमरिया जिला-पीलीभीत
गुन्चा भाटिया आदि
बनाम प्रणव प्रणव भसीन आदि
1. अशोक भसीन पुत्र स्व० चानन शाह भसीन निवासी-15 रामकृष्ण मार्ग, फैजाबाद रोड, न्यू हैदराबाद, थाना महानगर, लखनऊ। वाजे होकि आपके खिलाफ एक नालिश दफा 164 बी.एन.एस.एस. दायर किया है।
अतः आप दिनांक 29 माह 12 सन् 2025 बावक्त 10 बजे दिन असालतन या विकालतन या अन्य कोई शख्स जो वाकिफ हाल मुकदमा हो उक्त दिनांक पर अपनी जवाबदेही पेश करो या आपको लाजिम है कि उसी रोज अपने जुमला गवाहों को व नीज दस्तावेज जिनकी शहादत पर आप ताईद अपनी जवाबदेही इत्तदकाल करना चाहते हो, पेश करो। अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो उसकी समात आपकी गैर हाजिरी में आपके मसमूह फैसला होगा। दिनांक 22 माह 12 सन् 2025 मेरे दस्तखत व मोहर अदालत से जारी किया। न्यायालय उपजिलाधिकारी, अमरिया, पीलीभीत।

भारत सरकार परमाणु ऊर्जा विभाग
भापअ केंद्र प्रशिक्षण विद्यालय
ओसीईएस / डीजीएफएस–2026 भर्ती हेतु आमंत्रण
भारत सरकार के श्रेणी 'क' के पदों में वैज्ञानिक अधिकारी के पद पर आमेलन हेतु अभियांत्रिकी स्नातकों एवं विज्ञान स्नातकोत्तरों से भापअ केंद्र के प्रशिक्षण विद्यालयों के ओसीईएस / डीजीएफएस–2026 कार्यक्रमों हेतु प्रवेश के लिए आवेदन आमंत्रित हैं। आवेदन करने हेतु इच्छुक अभ्यर्थी दिनांक 22 दिसंबर 2025 से 21 जनवरी 2026 के बीच वेबसाइट https://www.barcocesexam.in पर दिए गए अनुदेशों का अनुसरण करते हुए ऑनलाइन आवेदन पत्र भरें ।
पऊवि इस प्रकार के कार्यबल के लिए प्रयत्नशील है जिसमें लैंगिक संतुलन बना रहे और इसलिए महिला अभ्यर्थियों को आवेदन करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।
CBC 48103/12/0006/2526

अमृत विचार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

न्यूज ब्रीफ

अटल जयंती पर होंगे सांस्कृतिक कार्यक्रम

अमृत विचार, लखनऊ : भारत रत्न एवं पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती 25 दिसंबर तथा अटल जन्मजयंती शताब्दी वर्ष के अवसर पर प्रदेश में सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होंगे। संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि शताब्दी वर्ष के अंतर्गत गोमती रिवर फ्रंट (लखनऊ), बटेश्वर (आगरा), बलरामपुर, सीतापुर तथा नव-निर्मित राष्ट्रीय प्रेरणा स्थल के उद्घाटन अवसर पर एक साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इन कार्यक्रमों में कवि सम्मेलन, लोक गायन, सूफी संगीत, कठपुतली शो, मैजिक शो, बम रसिया, धोबिया नृत्य, मयूर नृत्य सहित विविध लोक एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियां होंगी।

किसान सम्मान दिवस मनाएगी सरकार

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश सरकार किसानों के हितों के लिए जीवन समर्पित करने वाले पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की 123वीं जयंती 'किसान सम्मान दिवस' के रूप में मंगलवार को मनाएगी। मुख्य आयोजन विधान भवन प्रांगण में होगा, जिसमें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बतौर मुख्य अतिथि शामिल होंगे। कृषि निदेशक डॉ. पंकज त्रिपाठी ने बताया कि कार्यक्रम में 'मुख्यमंत्री कृषक उपहार योजना' के तहत मुख्यमंत्री 25 किसानों को ट्रैक्टर की चाबी सौंपेंगे। इसके साथ ही किसानों को सम्मानित किया जाएगा।

यूपी में जापानी इंडस्ट्रियल सिटी की तैयारी

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश में प्रस्तावित जापानी इंडस्ट्रियल सिटी को मूर्त रूप देने की दिशा में यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) के उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को राजस्थान के नीमराना स्थित जापानी इंडस्ट्रियल पार्क का दौरा करके अध्ययन किया। यह औद्योगिक पार्क राजस्थान स्टेट इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट एंड इन्वेस्टमेंट कॉरपोरेशन (रीको) द्वारा विकसित किया गया है और इसे देश का सबसे सफल जापानी औद्योगिक क्लस्टर माना जाता है। दौरे के दौरान रीको अधिकारियों ने नीमराना जापानी इंडस्ट्रियल पार्क के विकास की पूरी यात्रा, योजना प्रक्रिया और संचालन ढांचे पर विस्तृत प्रस्तुति दी।

सदन के पटल पर रखे गए अध्यादेश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: विधानसभा के शीतकालीन सत्र में सोमवार को प्रश्नकाल के बाद अनुपूरक बजट पेश किया गया। इसके बाद सरकार की ओर से जारी अध्यादेशों, अधिसूचनाओं, वार्षिक प्रतिवेदनों और प्रक्रिया संबंधी सूचनाओं को सदन के पटल पर रखा गया।

सरकार की ओर से वित्त मंत्री ने उप्र पेंशन की हकदारी तथा विधिमान्यकरण अध्यादेश 2025, उच्च शिक्षा मंत्री ने उप्र निजी विश्वविद्यालय (तृतीय संशोधन) अध्यादेश 2025, उप्र निजी विश्वविद्यालय (चतुर्थ संशोधन) अध्यादेश 2025, उप्र निजी विश्वविद्यालय (पंचम संशोधन) अध्यादेश 2025 और उप्र शिक्षा सेवा चयन आयोग (संशोधन) अध्यादेश 2025 सदन पटल पर रखा। औद्योगिक विकास मंत्री ने उत्तर प्रदेश सुगम व्यापार (प्रावधानों का संशोधन) अध्यादेश, वहीं श्रम मंत्री ने उत्तर प्रदेश दुकान और वाणिज्य अधिष्ठान (संशोधन) अध्यादेश, 2025 को सदन के समक्ष प्रस्तुत किया।

इसके अतिरिक्त नगर विकास मंत्री द्वारा उत्तर प्रदेश नगर निगम (संशोधन) अध्यादेश, 2025 को सदन पटल पर रखा गया। राज्य कर विभाग से संबंधित उत्तर प्रदेश माल और सेवा कर अधिनियम, 2017 की धारा-166 के अंतर्गत जारी कई अधिसूचनाओं को सदन में रखा गया। इनमें सितंबर और अक्टूबर 2025 के दौरान जारी अधिसूचनाएं शामिल हैं, जिनका संबंध कर प्रक्रियाओं और प्रशासनिक व्यवस्थाओं से है। सदन में खाद्य एवं रसद विभाग की ओर से उत्तर प्रदेश राज्य खाद्य आयोग की वार्षिक रिपोर्ट 2024-25, जल शक्ति विभाग द्वारा निगमों की वार्षिक रिपोर्ट तथा ऊर्जा विभाग से संबंधित विद्युत नियामक आयोग की सूचनाएं भी सदन के पटल पर रखी गईं।

सीबीआई ने कब्जे में ली आईटी सिटी की भूमि

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- एलडीए ने सीबीआई को पत्र लिखकर योजना में शामिल गाटों की जानकारी मांगी

अमृत विचार : भ्रष्टाचार से जुड़े मामलों पर सीबीआई ने सुलतानपुर रोड अंतर्गत जमीनें जांच करने के लिए कब्जे में ली हैं। इसमें एलडीए की प्रस्तावित आईटी सिटी योजना की कुछ जमीन शामिल है। विवादित से बचने के लिए एलडीए ने सीबीआई को पत्र लिखकर योजना में शामिल गाटों की जानकारी मांगी है। जहां फिलहाल परिवर्तन करके कार्य नहीं कराए जाएंगे।

एलडीए जनवरी में अपनी 2858 एकड़ की आईटी सिटी 10 सेक्टर में विकसित करने की तैयारी में है। काफी हद तक किसानों से जमीन लेकर बोर्ड लगा दिए हैं और साइट आफिस व अन्य कार्य कराए जा रहे हैं। पूर्व में क्षेत्र के आसपास बिल्डरों और विकासकर्ताओं ने जमीन की खरीद-फरोख्त करके फर्जीवाड़ा किया है। जिसकी सीबीआई जांच करेगी। इसमें आईटी सिटी योजना की करीब पांच बीघा जमीन भी शामिल है। ऐसे में सीबीआई ने एलडीए को पत्र भेजकर यह जानकारी दी है ताकि जमीन पर योजना के कार्य न कराए जाएं। वहीं, एलडीए ने भी विवाद से बचने के लिए सीबीआई को पत्र लिखकर जांच के दायरे में आई जमीन के गाटों की जानकारी मांगी है। जिसे छोड़ते हुए अन्य जगह पर योजना संबंधित कार्य किए जाएंगे।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता,
प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, लखनऊ

सं0– 8353 / ई–टेण्डर / 2025–26 | दिनांकः–22.12.2025

अति–अल्पकालिक निविदा सूचना

राज्यपाल महोदय, उ0प्र0 की ओर से अधिशासी अभियन्ता, प्रान्तीय खण्ड, उ0प्र0 लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रतिशत दर पर उत्तर प्रदेश लोक निर्माण विभाग में मार्ग कार्य हेतु श्रेणी ''ए'' ''बी'' ''सी'' एवं साइनेज कार्य हेतु ''ए'' में रजिस्टर्ड ठेकेदारों से निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदादाता को सलाह दी जाती है कि वह न्यूनतम अर्हता के सम्बन्ध में निविदादाता निर्देश पुस्तिका में वर्णित ठेका प्राप्त करने नियमों से अवगत हो लें।

क्र0 सं0	जनपद	कार्य का नाम	आंकलित धनराशि (रू0 लाख में)	धरोहर धनराशि (रू0 लाख में)	निविदा शुल्क प्रपत्र का मूल्य + स्टेशनरी + जी.एस.टी.	कार्य पूर्ण करने की अवधि (वर्षा ऋतु सहित)	कार्य सम्पादन हेतु अधिशासी अभि0 का पता	अधीक्षण अभियन्ता का पता	मुख्य अभि0 का पता
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1	लखनऊ	जनपद लखनऊ में सहायक अभियन्ता (प्रथम) के अधीन विभिन्न मार्गो पर रोड़ साइनेज का कार्य।	26.50	2.65	रू0 300.00 + 500.00 स्टेशनरी चार्जेज + जी0एस0टी0 @ 18% = रू0 944.00	02 माह	प्रान्तीय खण्ड, लो0.नि.वि, लखनऊ	लखनऊ वृत्त, लो.नि.वि. लखनऊ	मुख्य अभि0 (म0क्षे0) लो.नि.वि. लखनऊ
2	लखनऊ	जनपद लखनऊ में सहायक अभियन्ता (प्रथम) के अधीन विभिन्न मार्गो पर रंगाई पुताई व मरम्मत का कार्य।	31.40	3.14	रू0 300.00 + 500.00 स्टेशनरी चार्जेज + जी0एस0टी0 @ 18% = रू0 944.00	02 माह	प्रान्तीय खण्ड, लो0.नि.वि, लखनऊ	लखनऊ वृत्त, लो.नि.वि. लखनऊ	मुख्य अभि0 (म0क्षे0) लो.नि.वि. लखनऊ
3	लखनऊ	जनपद लखनऊ में सहायक अभियन्ता (द्वितीय) के अधीन विभिन्न मार्गो पर रोड़ साइनेज का कार्य।	22.00	2.20	रू0 300.00 + 500.00 स्टेशनरी चार्जेज + जी0एस0टी0 @ 18% = रू0 944.00	02 माह	प्रान्तीय खण्ड, लो0.नि.वि, लखनऊ	लखनऊ वृत्त, लो.नि.वि. लखनऊ	मुख्य अभि0 (म0क्षे0) लो.नि.वि. लखनऊ
4	लखनऊ	जनपद लखनऊ में सहायक अभियन्ता (द्वितीय) के अधीन विभिन्न मार्गो पर रंगाई पुताई व मरम्मत का कार्य।	26.75	2.68	रू0 300.00 + 500.00 स्टेशनरी चार्जेज + जी0एस0टी0 @ 18% = रू0 944.00	02 माह	प्रान्तीय खण्ड, लो0.नि.वि, लखनऊ	लखनऊ वृत्त, लो.नि.वि. लखनऊ	मुख्य अभि0 (म0क्षे0) लो.नि.वि. लखनऊ
5	लखनऊ	जनपद लखनऊ में सहायक अभियन्ता (तृतीय) के अधीन विभिन्न मार्गो पर रोड़ साइनेज का कार्य।	25.80	2.58	रू0 300.00 + 500.00 स्टेशनरी चार्जेज + जी0एस0टी0 @ 18% = रू0 944.00	02 माह	प्रान्तीय खण्ड, लो0.नि.वि, लखनऊ	लखनऊ वृत्त, लो.नि.वि. लखनऊ	मुख्य अभि0 (म0क्षे0) लो.नि.वि. लखनऊ
6	लखनऊ	जनपद लखनऊ में सहायक अभियन्ता (तृतीय) के अधीन विभिन्न मार्गो पर रंगाई पुताई व मरम्मत का कार्य।	30.90	3.09	रू0 300.00 + 500.00 स्टेशनरी चार्जेज + जी0एस0टी0 @ 18% = रू0 944.00	02 माह	प्रान्तीय खण्ड, लो0.नि.वि, लखनऊ	लखनऊ वृत्त, लो.नि.वि. लखनऊ	मुख्य अभि0 (म0क्षे0) लो.नि.वि. लखनऊ
7	लखनऊ	जनपद लखनऊ में सहायक अभियन्ता (चतुर्थ) के अधीन विभिन्न मार्गो पर रोड़ साइनेज का कार्य।	28.00	2.80	रू0 300.00 + 500.00 स्टेशनरी चार्जेज + जी0एस0टी0 @ 18% = रू0 944.00	02 माह	प्रान्तीय खण्ड, लो0.नि.वि, लखनऊ	लखनऊ वृत्त, लो.नि.वि. लखनऊ	मुख्य अभि0 (म0क्षे0) लो.नि.वि. लखनऊ
8	लखनऊ	जनपद लखनऊ में सहायक अभियन्ता (चतुर्थ) के अधीन विभिन्न मार्गो पर रंगाई पुताई व मरम्मत का कार्य।	31.00	3.10	रू0 300.00 + 500.00 स्टेशनरी चार्जेज + जी0एस0टी0 @ 18% = रू0 944.00	02 माह	प्रान्तीय खण्ड, लो0.नि.वि, लखनऊ	लखनऊ वृत्त, लो.नि.वि. लखनऊ	मुख्य अभि0 (म0क्षे0) लो.नि.वि. लखनऊ
9	लखनऊ	जनपद लखनऊ में सहायक अभियन्ता (पंचम) के अधीन विभिन्न मार्गो पर रोड़ साइनेज का कार्य।	24.90	2.49	रू0 300.00 + 500.00 स्टेशनरी चार्जेज + जी0एस0टी0 @ 18% = रू0 944.00	02 माह	प्रान्तीय खण्ड, लो0.नि.वि, लखनऊ	लखनऊ वृत्त, लो.नि.वि. लखनऊ	मुख्य अभि0 (म0क्षे0) लो.नि.वि. लखनऊ
10	लखनऊ	जनपद लखनऊ में सहायक अभियन्ता (पंचम) के अधीन विभिन्न मार्गो पर रंगाई पुताई व मरम्मत का कार्य।	28.40	2.84	रू0 300.00 + 500.00 स्टेशनरी चार्जेज + जी0एस0टी0 @ 18% = रू0 944.00	02 माह	प्रान्तीय खण्ड, लो0.नि.वि, लखनऊ	लखनऊ वृत्त, लो.नि.वि. लखनऊ	मुख्य अभि0 (म0क्षे0) लो.नि.वि. लखनऊ

➢ बिल ऑफ क्वान्टिटी में लगाई गयी दरें जी0एस0टी0 को छोड़ते हुये लगाई गयी है।
निविदा आनलाइन दिनांक 23.12.2025 की अपरान्ह 12:00 बजे से दिनांक 29.12.2025 की अपरान्ह 12:00 बजे तक डाउनलोड की जा सकती है एवं दिनांक 29.12.2025 की अपरान्ह 12:00 बजे तक अपलोड की जा सकती है। उक्त निविदा की तकनीकी बिड दिनांक 29.12.2025 को अपरान्ह 12:30 बजे खोली जायेगीं। शासनादेश सं0– 1 / 2018 / 3070 / 78–2–2018 / 42 आई0टी0 / 2017 (22) दि0 03.01.2018 में निहित व्यवस्थानुसार निविदा की तकनीकी एवं वित्तीय बिड खोले जाने के उपरान्त निविदादाता द्वारा मूल अभिलेख व्यक्तिगत रूप से विभाग / कार्यालय में प्रस्तुत किये जाने है। निविदादाता द्वारा मूल मूल अभिलेख प्रस्तुत न किये जाने की दशा में शासनादेश में निहित प्राविधानों के अनुरूप कार्यवाही की जायेगी।
निविदाओं का तकनीकी मूल्यांकन प्रहरी सॉफ्टवेयर के माध्यम से किया जाना है, जिसकी विस्तृत जानकारी बिड डाक्यूमेन्ट के साथ संलग्न निविदा सूचना में उपलब्ध है।
निविदादाता सम्बन्धी शेष सभी शर्तें http//etender.up.nic.in पर देखी जा सकती है।

UP-242885 दिनांक 22.12.2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

(सत्येन्द्र नाथ)
अधिशासी अभियन्ता
प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, लखनऊ

वर्गीकृत विज्ञापन हेतु अमृत विचार अखबार के कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना
मेरे सेना के अभिलेखों में मेरा नाम SHALINI DEVI व जन्मतिथि 13–02–2002 अंकित है जो कि गलत है जबकि आधार कार्ड व अन्य अभिलेखों में SHALINI PAL व जन्मतिथि 13–2–2004 अंकित है जो कि सच व सही है। सेना के अभिलेखों में भी मेरा नाम SHALINI PAL व जन्मतिथि 13–2–2004 अंकित किया जाना अति आवश्यक है। **शालिनी पाल (SHALINI PAL) पुत्री जगपाल सिंह निवासी बट्वाह थाना बिधूना जनपद औरैया।**

सूचना
मैने अपना नाम MANOJ KUMAR VERMA से बदलकर MANOJ KUMAR रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। S/0-RAM KISAN ADD-100, GALI NO-7 HARI VRANDAVAN CITY, DIST-MUZAFFAR NAGAR-251001(U.P.)

सूचना
मैं **नैन्सी कुमारी थारू पुत्री श्री कामता प्रसाद थारू निवासिनी– 1278, अलीनगर सुनहरा, मानस नगर, कृष्णा नगर, लखनऊ, उत्तर प्रदेश, 226023**, मैने शैक्षिक सत्र वर्ष 2023–24 में हाईस्कूल की परीक्षा उत्तीर्ण की है। शैक्षिक सत्र सन् 2024 से अबतक प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करती रही गैप समय में मैने किसी भी सरकारी या गैर सरकारी संस्थान में प्रवेश नहीं लिया है। मेरे द्वारा दिया गया विवरण पूर्णरूप से सत्य व सही है।

सूचना
मैने अपना नाम RAJJAN LAL SONKER से बदलकर RAJJAN LAL रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। S/0-FATTEH LAL ADD-15, DAYAL FORT VISHNUPURI THIRD, ALIGANJ, VIKAS NAGAR DIST-LUCKNOW - 226022 (U.P.)

सूचना
मैने अपना नाम SUNIT KUMAR SONKER से बदलकर SUNIT KUMAR SONKAR रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। S/0-RAJJAN LAL ADD-15, DAYAL FORT VISHNUPURI THIRD, ALIGANJ, VIKAS NAGAR, POST-VIKAS NAGAR DIST-LUCKNOW-226022(U.P.)

सूचना
मैंने अपना नाम HASHMI KHATOON SAYYAD JABBAR ALI से बदल कर HASHMI KHATOON रख लिया है। अब मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाए। W/O:JABBAR ALI R/O:10, RAIPUR ALLU NAGAR DIGURIA IIM MUBARAKPUR LUCKNOW UTTAR PRADESH 226013

सूचना
मैं **रमन लाल जैन पुत्र उमाशंकर निवासी मोहल्ला पूर्वी टोला पैतेपुर देहात तहसील महमूदाबाद जिला सीतापुर**, मेरे आधार कार्ड में मेरा नाम रमन लाल जैन अंकित है जबकि पासपोर्ट पर रमन जैन दर्ज है दोनों नाम सही है और दोनों नाम एक ही व्यक्ति के है।

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं शपथनी **जमीला पत्नी तनवीर अहमद, निवासी ग्राम नेवादा पोस्ट व थाना सादुल्लाह नगर तहसील उतरौला जनपद बलरामपुर (उ.प्र.)** की हूँ। मेरे आधार कार्ड एवं अन्य अभिलेखों में मेरा नाम JAMILA अंकित है, जो सही है। त्रुटिवश मेरे पति तनवीर अहमद के पासपोर्ट संख्या–G0729014 में मेरा नाम JAMILA KHATOON अंकित हो गया था। JAMILA एवं JAMILA KHATOON दोनों नाम मेरे ही हैं। अतः मेरे पति के पासपोर्ट में मेरा सही नाम JAMILA अभिलेखित किया जाए।

सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैने किसान विकास पत्र पंजीकरण संख्या 12759 उप डाकघर कौड़िया बाजार गोंडा से बिट्टू रानी के नाम से खरीदा था जबकि आधार कार्ड व बैंक खाता मे मेरा नाम लता अंकित है। यह दोनों नाम मेरे ही है तथा मुझे अब दोनों नामों से जाना पहचाना जाए। **– श्रीमती लता उर्फ बिट्टूरानी पत्नी शिवकुमार निवासिनी ग्राम–चौबेपुरवा, पोस्ट–रामापुर, परगना–गोंडा, तहसील– कर्नलगंज, जिला–गोंडा (उप्र)**

सूचना
यह घोषित किया जाता है कि मूल बिक्री अभिलेख परवेज अहमद बहैसियत मुख्तारआक मो0 जहूर बही संख्या–4 जिल्द संख्या 888 के पृष्ठ संख्या–73 के 84 तक क्रमांक 737 पर दिनांक 27.07.2018 को क्रेता पार्वती सिंह पत्नी बद्री नारायण सिंह निवासिनी ग्राम बरनाटीकर तहसील गौरीगंज जिला अमेठी के नाम की गई थी। बाद में मंजूलता पुत्री रामलखन शुक्ला के नाम किया गया है। पार्वती सिंह के रजिस्ट्री दस्तावेज फोटोकापी कराते समय कहीं पर गुम हो गए हैं। पूरी खोजबीन के बाद भी दस्तावेज प्राप्त नहीं हुआ है। उक्त दस्तावेज का कोई भी उपयोग अनधिकृत माना जाएगा तथा दुरुपयोग की स्थिति में आवश्यक कानूनी कार्यवाही हेतु यह घोषणा प्रस्तुत की जा रही है।

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि Tirath Ram एवं Teerath Ram दोनों नाम एक ही व्यक्ति के हैं, जिनमें सही नाम Tirath Ram है। नाम में अंतर मात्र वर्तनी की त्रुटि है। आधार, पैन व मतदाता पहचान पत्र में नाम Tirath Ram तथा बैंक पासबुक में Teerath Ram अंकित है। **पिता का नाम सदई, निवासी फकीर पूरी, गिरिजापुरी, जनपद बहराइच है। यह सूचना अभिलेख/ बैंक में नाम एकरूपता हेतु प्रकाशित की जा रही है।**

सूचना
सूचित हो मैं जीत रस्तोगी पुत्र स्व0 आकाश दीप रस्तोगी निवासी म0नं0–एच–4 / 114, आम्रपाली योजना, हरदोई रोड, लखनऊ का हूं। शपथी अपनी मां श्रीमती शैफाली रस्तोगी व बहन ऐश्वर्या रस्तोगी से अपने समस्त सम्बन्ध समाप्त कर रहा है। शपथी अपनी मां व बहन से किसी प्रकार का सामाजिक व वैधानिक सम्बन्ध अब नहीं रहा है, वे अपने कृत्य के स्वयं जिम्मेदार होंगे। शपथी की मां व बहन के द्वारा किसी से भी किसी प्रकार के लेन–देन अथवा उनके किसी प्रकार के कृत्यों से शपथी का कोई वास्ता व सरोकार नहीं रहेगा।
—शपथी

सूचना
मैं अपने बालिग पुत्र मो. अदनान को उसके गलत आचरण व प्रेमविवाह अपनी मर्जी से करने के कारण अपनी चल अचल संपत्ति व घर एवं अपने कारोबार से बेदखल करता हूं, वह अपने अच्छे बुरे व पैसो का लेने देन के स्वयं जिम्मेदार होगे। भविष्य में मेरे पुत्र मो. अदनान व उसकी पत्नी जैनब फातमा के माध्यम घरेलू हिंसा, दहेज उत्तपीड़न होता हे तो मेरे व मेरे परिवार का कोई लेना–देना एवं सरोकार नहीं होगा। **इरशाद अहमद पुत्र स्वर्गीय नूर मोहम्मद निवासी- न्यू चुंगी पांच ब्लॉक बी, 150 फीट रोड, जाजमऊ कानपुर नगर।**

न्यूज ब्रीफ

कलश यात्रा में आए युवक की बाइक चोरी

बाराबंकी : अमृत विचार : गायत्री शक्तिपीठ परिसर से एक मोटर साइकिल चोरी हो गई। पीड़ित कलश यात्रा में शामिल होने आया था। घटना की रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। सफदरगंज थाना क्षेत्र के ग्राम लातीरपुर मजरे सेमरी निवासी राजेंद्र प्रसाद 26 नवंबर को गायत्री शक्तिपीठ में आयोजित 251 कुंडीय महायज्ञ की कलश यात्रा में शामिल होने आया था। उसने अपनी बाइक मंदिर परिसर के गेट के पास, खड़ी की थी। जब वह मंदिर परिसर से बाहर आया तो बाइक गायब थी।

युवा खिलाड़ियों को मिलेगा अवसर

रामनगर, बाराबंकी, अमृत विचार : उप जिलाधिकारी रामनगर के निर्देश पर 29 और 30 दिसंबर को यूनियन इंटर कॉलेज रामनगर में विधायक खेल स्पर्धा आयोजित की जाएगी। जूनियर, सब-जूनियर और सीनियर आयुवर्ग के बालक-बालिकाओं के लिए एथलेटिक्स, कुश्ती, कबड्डी, वॉलीबॉल (29 दिसंबर) और भारोत्तोलन (30 दिसंबर) की प्रतियोगिताएं होंगी। ब्लॉक रामनगर, सूरतगंज और सिरौलीगौसपुर के निवासी इसमें भाग ले सकते हैं।

बेटे ने माता-पिता पर किया हमला

सूरतगंज, बाराबंकी, अमृत विचार : मोहम्मदपुर खाला थाना क्षेत्र में जमीन बंटवारे में हिस्सा मांग रहे पुत्र ने इंकार करने पर माता पिता पर धारदार हथियार से हमला कर दिया।। पीड़ित माता पिता ने पुलिस से शिकायत की है। सिकोहना में के युनूस ने कोतवाली में दी तहरीर में बताया कि रविवार सुबह लगभग 10 बजे उनका पुत्र मो. सगीर उनसे जमीन में जबरदस्ती हिस्सा मांग रहा था। मना करने पर उसने डंडों व बांका से हमला कर दिया। हमले में युनूस की पत्नी बानो के दाहिने हिस्से में गंभीर चोट आई, जिससे खून बहने लगा। पुलिस का कहना है कि तहरीर के आधार पर मामले की जांच की जा रही है।

दिव्य ज्योति कलश यात्रा का स्वागत

सूरतगंज, बाराबंकी, अमृत विचार : शांतिकुंज हरिद्वार से निकली दिव्य ज्योति कलश यात्रा सोमवार को सूरतगंज के उमरी विशुनपुर पहुंची, जहां ग्रामीणों ने इसका भव्य स्वागत किया। यात्रा दौरान ग्रामवासियों ने आरती उतारी और मां शारदा विद्या मंदिर में छात्रों को प्रेरक संदेश दिया।

मेला संपन्न

हैदरगढ़, बाराबंकी, अमृत विचार : बहुता धाम में शनि देव मंदिर परिसर में दो दिवसीय जय पांचो वीर बाबा मेला आयोजित किया गया। मेले का आयोजन मेला कमेटी अध्यक्ष राम किशोर अवस्थी की देखरेख में हुआ। स्थानीय कलाकारों ने रामलीला का मंचन किया। जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि रामभीख त्रिवेदी और युवा नेता रोहित मिश्रा का मंच संचालक रामू मिश्रा ने माल्यार्पण कर स्वागत किया। रोहित मिश्रा ने मेला अध्यक्ष और टीम को ऐसे कार्यक्रम लगातार करने की शुभकामनाएं दी।

ट्रेन की चपेट में आने से बेटी की मौत, बाल-बाल बची मां

हादसा

नवाबगंज, उन्नाव

अमृत विचार : अजगैन रेलवे स्टेशन पर ट्रैक पार करते समय सोमवार दोपहर मां-बेटी ट्रेन की चपेट में आ गईं। जिसमें बेटी की मौके पर मौत हो गई। वहीं मां बाल-बाल बच गई।

मौरावां थानाक्षेत्र के बरेथा गांव निवासी कामिनी उर्फ सुभाषिनी (40) पत्नी स्व. दिनेश सोमवार को सोहरामऊ थानाक्षेत्र के भजनखेड़ा गांव निवासी अपनी मां किशन देवी (70) जो इस समय नवाबगंज के कांशीराम कालोनी में रहती है। उन्हें दवा दिलाने लखनऊ जा रही थी। अजगैन रेलवे स्टेशन से दोपहर एक बजे वाली मेमू ट्रेन पकड़नी थी। इसके लिए वह प्लेटफार्म दो पर जाने के लिए मां के साथ रेलवे ट्रैक पार कर रही थी। तभी कानपुर से लखनऊ जा रही शताब्दी एक्सप्रेस की चपेट में आ गई। इससे उसकी मौके पर मौत हो गई। मृतका के पति की करीब चार साल पहले मौत हो गई थी। उसके दो बेटे धीरज (18) व कृष्णा (16) हैं। जो पंजाब में नौकरी करते हैं। जीआरपी दरोगा मनोज यादव ने बताया कि शव पीएम के लिए भेजा गया है।

पीएम मोदी की रैली में शामिल होंगे हजारों लोग

बाराबंकी, अमृत विचार : भारत रत्न व पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जन्म शताब्दी समारोह में 25 दिसंबर को पीएम नरेंद्र मोदी लखनऊ में शामिल होंगे। इस अवसर पर मोदी राष्ट्र प्रेरणा स्थल का लोकार्पण करेंगे। सोमवार को भाजपा कार्यालय पर रैली के मद्देनजर तैयारी बैठक आयोजित हुई। रैली में जिले के हजारों लोग शामिल होंगे।

भाजपा के प्रदेश महामंत्री व क्षेत्रीय प्रभारी संजय राय ने बताया कि पीएम मोदी राष्ट्र प्रेरणा स्थल के लोकार्पण के लिए 25 दिसंबर को लखनऊ आ रहे हैं। पीएम एक विशाल रैली को भी संबोधित करेंगे। इसमें जनपद से भी हजारों की संख्या में कार्यकर्ता एवं समर्थक शामिल होंगे।

अंधेरे में परिवार, बिल आया 48 हजार

संवाददाता, डलमऊ (रायबरेली)

- **ग्रामीण के नाम पर नहीं है बिजली कनेक्शन, बिजली विभाग ने घर पर चस्पा किया नोटिस**

अमृत विचार। बिजली विभाग की उदासीनता एक बुजुर्ग बेटे को झेलनी पड़ रही है। विभाग द्वारा नोटिस चस्पा किए जाने के बाद परिवार सदमे में है। पिता से लेकर बेटे तक घर में बिजली की रोशनी नहीं देखी। ना ही कभी बिजली का कनेक्शन लिया। इसके बावजूद बिजली विभाग ने घर पहुंच कर 48 हजार की बकाया बिल का नोटिस चस्पा कर दिया।

क्षेत्र के नरहरपुर निवासी बसंत पाल ने बताया कि पिता सुखी लाल की मृत्यु 15 वर्ष पहले हो चुकी है। उनके नाम कोई बिजली कनेक्शन नहीं था। ना ही घर में अभी तक हम लोगों ने बिजली की रोशनी देखी। इसके बावजूद 48000 का बिल कहां से आ गया यह सोचकर हम परेशान हैं। बिना बिजली कनेक्शन के बकाया बिल का नोटिस चस्पा करना विभाग की उदासीनता को उजागर करता है। पीड़ित ने बताया कि सम्पूर्ण समाधान दिवस में इसकी शिकायत कर चुना हूं। अभी तक कुछ नहीं हुआ है। इस संबंध में अवर अभियंता अजय कुमार ने बताया कि मामले की अभी तक जानकारी नहीं है। यदि शिकायत मिलती है तो कनेक्शन को पीडी कराकर समाधान कराया जाएगा।

विद्युत बकाया बिल के विद्युत उपभोक्ता उठाएं छूट का लाभ : दयाशंकर, लालगंज: बिजली विभाग के द्वारा गरीब और मध्यम वर्ग के लोगों के लिए बिजली बिल के बकाए में भारी छूट की योजना प्रदेश सरकार के द्वारा लागू की गई है। यह जानकारी देते हुए विद्युत वितरण खंड लालगंज के अधिशासी अभियंता दयाशंकर यादव ने बताया कि सर चार्ज में संपूर्ण छूट और मूलधन में भी 25 परसेंट छूट का लाभ लेने के लिए अब मात्र 9 दिन शेष है। उन्होंने विद्युत उपभोक्ताओं से योजना का लाभ उठाने की अपील की है।

उन्होंने कहा कि पहले चरण 31 दिसंबर तक के ही शेष दिनों में आकर बकाया विद्युत बिल जमा करके अधिक से अधिक फायदा प्राप्त कर सकते हैं। उल्लेखनीय है कि लालगंज विद्युत वितरण खंड तहत् 11 पावर हाउस है। करीब 51910 उपभोक्ता बकायेदार हैं जो इस योजना से लाभान्वित हो सकते हैं। अब तक प्रथम चरण में 6712 लोगों ने रजिस्ट्रेशन कराया है और 2781 लोगों ने संपूर्ण भुगतान कर दिया है। प्रथम चरण में लालगंज विद्युत वितरण खंड ने सात करोड़ दस लाख रुपए बकाया बिजली बिल जमा कर लिया है। अवर अभियंता बृजेश मौर्य ने बताया कि बिजली विभाग के द्वारा बिजली छूट में माफी योजना का लगातार प्रचार प्रसार भी किया जा रहा है। गांव-गांव कैंप लगाकर लोगों को सुविधा प्रदान की जा रही है।

अधिवक्ताओं ने घेरा एसपी कार्यालय

सफदरगंज कोतवाल पर कोतवाली में वकील से अभद्रता और लॉकअप में बंद करने का आरोप

फूटा गुस्सा

- **एसपी ने सीओ सदर को सौंपी मामले की जांच**

कार्यालय संवाददाता, बाराबंकी

अमृत विचार : सफदरगंज कोतवाली में एक अधिवक्ता के साथ कथित अभद्र व्यवहार और उसे लॉकअप में बंद किए जाने की घटना से नाराज अधिवक्ताओं ने सोमवार को कार्य बहिष्कार किया। इसके बाद सैकड़ों अधिवक्ताओं ने विरोध प्रदर्शन करते हुए एसपी कार्यालय का घेराव किया और कोतवाल के निलंबन की मांग की। एसपी ने कार्रवाई का दिलासा दिया है।

रविवार को पारिवारिक विवाद के एक मामले में अधिवक्ता चन्द्रेश कुमार को सफदरगंज थाने बुलाया गया था। आरोप है कि थाने पहुंचने पर कोतवाल अमर चौरसिया ने अधिवक्ता से अभद्र व्यवहार किया और थप्पड़ मारते हुए लॉकअप में बंद कर दिया। मामला जानकारी में आने पर जिला बार अध्यक्ष नरेन्द्र वर्मा और महामंत्री रामराज ने कोतवाल से फोन पर बात की तब जाकर वकील को थाने से छोड़ा गया। घटना से आक्रोशित अधिवक्ताओं ने सोमवार को जिला बार अध्यक्ष नरेन्द्र वर्मा के नेतृत्व में न्यायालय का कार्य ठप रखा। इसके बाद अधिवक्ताओं ने सिविल कोर्ट परिसर से जुलूस निकाला और कोतवाल को निलंबित करो तथा अधिवक्ता एकता जिंदाबाद के नारे लगाते हुए हाईवे होते हुए कलेक्ट्रेट पहुंचे। वहां से जुलूस एसपी कार्यालय पहुंचा, जहां एसपी कक्ष के सामने जोरदार नारेबाजी की गई। अधिवक्ताओं की भीड़ को देखते हुए पुलिस प्रशासन में हड़कंप मच गया और कई वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे। करीब एक घंटे तक चले प्रदर्शन के बाद अपर पुलिस अधीक्षक द्वारा मामले में कार्रवाई का आश्वासन दिए जाने पर अधिवक्ताओं ने प्रदर्शन समाप्त किया। इस मौके पर जिला बार अध्यक्ष नरेन्द्र वर्मा सहित कौशल किशोर त्रिपाठी, आरपी गौतम, सुनीत अवस्थी, रमेश चंद्र वर्मा, नवीन रस्तोगी, सुमेर सिंह, गुड्डू शुक्ला, रवि वर्मा, अमित गौतम समेत सैकड़ों अधिवक्ता मौजूद रहे।

एसपी कार्यालय में प्रदर्शन करते अधिवक्ता। ● अमृत विचार

नियमानुसार होगी कार्रवाई : एसपी

पुलिस अधीक्षक अर्पित विजयवर्गीय ने वकीलों के समक्ष कहा कि थाना पुलिस की कार्रवाई कहीं-न-कहीं गलत हुई है। इस मामले में नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। प्रकरण उनके संज्ञान में नहीं था। मामले की जांच सीओ सदर को सौंपी गई है।

वकील बदोसरांय थाने का गैंगस्टर

सोमवार को जिस अधिवक्ता चंद्रेश वर्मा से अभद्रता आदि का आरोप लगाते हुए विरोध प्रदर्शन किया गया, वह बदोसरांय थाने का घोषित गैंगस्टर है। उस पर वर्ष 2022 में वकील त्रिपुरारी नाथ मिश्रा की हत्या का मुकदमा दर्ज है। एक अन्य आरोपी इसका सगा भाई भी है। वकील चंद्रेश के खिलाफ सफदरगंज थाने में तीन व बदोसरांय थाने में दो मुकदमे पहले से दर्ज हैं। यही नहीं हाल ही में इसकी पत्नी ने भी चंद्रेश वर्मा के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था।

यूट्यूब से सीखा एटीएम काटना, तीन गिरफ्तार

पुलिस की गिरफ्त में शातिर। ● अमृत विचार

बाराबंकी, अमृत विचार : जैदपुर पुलिस ने गैस कटर से एटीएम मशीनों को काटकर चोरी करने वाले तीन शातिर अंतरजनपदीय चोरों को गिरफ्तार किया है। इन सभी ने यूट्यूब से एटीएम काटने का तरीका सीखा था। इनके कब्जे से गैस कटर मशीन, एलपीजी व ऑक्सीजन सिलेंडर, तमंचा, कारतूस, चोरी के औजार, मोबाइल फोन, एटीएम कार्ड और फर्जी नंबर प्लेट लगी कार बरामद की गई है।

एएसपी (दक्षिणी) रितेश कुमार सिंह ने बताया कि जैदपुर पुलिस ने सोमवार को अहमदपुर गौशाला तिराहे के पास से राहुल गौड, राज कनौजिया और मोहित चौधरी सभी निवासी खानपुर मसौधा, थाना पूराकलंदर, अयोध्या को गिरफ्तार किया। पूछताछ में अभियुक्तों ने बताया कि मछली पालन में घाटा होने के बाद उन्होंने यूट्यूब से गैस कटर चलाने और एटीएम काटने के तरीके सीखे। इसके बाद विभिन्न स्थानों से औजार खरीदकर क्रेटा कार का नंबर बदलते हुए एटीएम चोरी की घटनाओं को अंजाम दिया। अभियुक्तों ने सुल्तानपुर और अयोध्या जनपद के विभिन्न थाना क्षेत्रों में एटीएम मशीनों को गैस कटर से क्षतिग्रस्त कर चोरी के प्रयास की घटनाएं स्वीकार की हैं, जिनमें पहले से मुकदमे दर्ज हैं।

बीए का पेपर देकर घर लौटी छात्रा ने दी जान

अतरौली, हरदोई, अमृत विचार। सोमवार को अतरौली गांव में बीए का देकर घर पहुंची एक युवती का कमरे में कुंडी के सहारे दुपट्टे से शव लटकता मिला। गांव में सनसनी फ़ैल गयी। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने घटना की जांच पड़ताल किया। युवती की मां पिंकी सिंह ने बताया कि उसकी छोटी पुत्री हिमांशी सोमवार को 11:30 बजे अतरौली के शहजादे सिंह पीजी कालेज से बीए की परीक्षा देकर वापस घर आयी थी। दोपहर 1 बजे हिमांशी के मोबाइल पर एक सहेली का फोन आया। फोन मां ने उठाया और हिमांशी से बात करने को कहा। हिमांशी ने बात करने से मना कर दिया। मां पिंकी का कहना है कि इतना कहकर मैं घर के बाहर चली गयी। पांच मिनट बाद घर के अन्दर गई तो देखा कि हिमांशी का शव दुपट्टे के सहारे लटक रहा था।

हिस्ट्रीशीटर सिराज का शव पहुंचा गांव, फोर्स तैनात

सुलतानपुर, अमृत विचारः एक लाख रुपये के इनामी और हिस्ट्रीशीटर बदमाश सिराज अहमद का शव सोमवार को कोतवाली नगर क्षेत्र के लोलेपुर गांव स्थित उसके आवास पर लाया गया। शव पहुंचते ही पूरे इलाके में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई गांव को पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया। कोतवाली नगर, कोतवाली देहात, लंभुआ समेत कई थानों की पुलिस के साथ सादे कपड़ों में पुलिसकर्मी भी मौके पर मौजूद रहे।

सिराज के परिजनों के अलावा आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में महिला-पुरुष मौके पर पहुंचे है। किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए पुलिस पूरी तरह सतर्क है। गांव में आने-जाने वालों पर नजर रखी जा रही है और अंतिम संस्कार तक पुलिस की तैनाती बनाए रखने के निर्देश दिए गए हैं।

गोंडा में नदी में डूबने से मां और बेटी की मौत

संवाददाता नवाबगंज, गोंडा

- **नदी पार करते समय हुआ हादसा खेत में देवर को खाना देने जा रही थी**

अमृत विचार: नवाबगंज थाना क्षेत्र के तुलसीपुर माझा ग्राम पंचायत से सटी टेढ़ी नदी ने एक हंसते-खेलते परिवार को हमेशा के लिए उजाड़ दिया। नदी पार करते समय हुए दर्दनाक हादसे में मां और उसकी मासूम बेटी की डूबकर मौत हो गई, जबकि दूसरी बेटी जिंदगी और मौत से जूझ रही है। इस हृदय विदारक घटना के बाद पूरे इलाके में कोहराम मच गया।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने शवों का पंचनामा भरकर उसे पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। बाद ले के बाद गांव में मातमी सन्नाटा पसर गया है। तुलसीपुर माझा गांव निवासी सुनीता देवी (40) सोमवार को अपनी दोनों बेटियों अंशु (8) और शुभी (10) के साथ खेत में काम कर रहे देवर सुरेंद्र कुमार को खाना देने जा रही थीं। खेत तक पहुंचने के लिए उन्हें टेढ़ी नदी पार करनी पड़ती है। जैसे ही तीनों नदी पार कर रही थीं, अचानक सुनीता देवी का पैर फिसल गया। संतुलन बिगड़ते ही मां अपनी दोनों बेटियों समेत नदी में गिर पड़ी। पल भर में तीनों गहरे पानी में डूबने लगीं। मां और बेटियों की चीख-पुकार सुनकर आसपास मौजूद ग्रामीण दौड़े। ग्रामीणों ने जान जोखिम में डालकर कड़ी मशक्कत के बाद तीनों को नदी से बाहर निकाला और तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नवाबगंज पहुंचाया। लेकिन वहां पहुंचते ही चिकित्सकों ने सुनीता देवी और 8 वर्षीय अंशु को मृत घोषित कर दिया। 10 वर्षीय शुभी की हालत गंभीर बताई जा रही है और उसका इलाज जारी है।

घटना की सूचना मिलते ही एसडीएम तरबगंज विश्वामित्र सिंह और नवाबगंज थानाध्यक्ष अभय सिंह सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे। अधिकारियों ने परिजनों से घटना की जानकारी ली और चिकित्सकों को घायल बच्ची के बेहतर इलाज के निर्देश दिए। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पंचनामा भरने की कार्रवाई की और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। नवाबगंज थाना पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। एसडीएम तरबगंज विश्वामित्र सिंह ने बताया कि टेढ़ी नदी में डूबने से मां और बेटी की मौत हुई है, जबकि एक बच्ची घायल है।

पेड़ से लटका मिला किशोर का शव

मसौली, बाराबंकी, अमृत विचार : थाना क्षेत्र में सोमवार को एक किशोर का शव पेड़ से लटका मिला। डड़ियामऊ निवासी बाबू के अनुसार उनका पुत्र मुजीबुर्रहमान सोमवार की सुबह घर से निकला था लेकिन घर नहीं आया। उसकी आसपास तलाश भी की गई लेकिन कोई जानकारी नही मिली। दोपहर करीब 3 बजे बजे कुछ लड़कों की निगाह शव पर पड़ी। खबर गांव मे आग की तरह फ़ैल गयी। शव की पहचान मुजीबुर्रहमान के रूप में हुई। मसौली पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

कार्यक्रम | एंसी ग्रुप ने आयोजित किया वार्षिक उत्सव एक्सप्रेशंस 2025

पिंक ब्रिगेड महिला सशक्तिकरण की मिसाल :दयाशंकर

कार्यालय संवाददाता, बाराबंकी

अमृत विचार : एंसी ग्रुप के वार्षिक उत्सव एक्सप्रेशंस 2025 आयोजित किया। कैनवास ऑफ ड्रीम्स थीम पर आधारित इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने नृत्य, संगीत प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का शुभारंभ एंसी मदर्स द्वारा प्रस्तुत सरस्वती वंदना से हुआ।

इस अवसर पर प्रदेश सरकार के परिवहन मंत्री दया शंकर सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने विद्यालय की अनूठी पहल पिंक ब्रिगेड की सदस्यों को सम्मानित किया और इसे महिला सशक्तिकरण का जीवंत उदाहरण बताया। मुख्य अतिथि ने विद्यालय की स्कूल बसों में महिला कंडक्टरों की नियुक्ति को सराहनीय कदम बताया। एंसी ग्रुप के चेयरमैन डॉ. आशीष यादव व डायरेक्टर डॉ. नेहा सिंह ने नैतिक मूल्यों पर जोर दिया। इस मौके पर द एंसी स्कूल की प्रधानाचार्या निवेदिता चतुर्वेदी, किड्जी की प्रधानाचार्या अंशू भट्ट एवं सेंट्रल हेड शिवांगिनी मौजूद थीं।

पिंक ब्रिगेड की सदस्यों को सम्मानित करते मंत्री दयाशंकर सिंह। ● अमृत विचार

वीरों के सम्मान में कार्यक्रम प्रस्तुत करते बच्चे। ● अमृत विचार

सिटी डायरी

डीएम को ज्ञापन सौंपते पूर्व सांसद डॉ. पीएल पुनिया। अमृत विचार

गांधी की विरासत कमजोर कर रही सरकार : पुनिया

बाराबंकी, अमृत विचार : कांग्रेस जिलाध्यक्ष मो. मोहसिन की अध्यक्षता व पूर्व सांसद डॉ. पीएल पुनिया के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने डीएम शशांक त्रिपाठी को ज्ञापन सौंपा। पीएल पुनिया ने कहा कि वर्तमान सरकार मनरेगा जैसे राष्ट्रीय कार्यक्रमों को कमजोर कर रही है और महात्मा गांधी की विचारधारा एवं श्रम की गरिमा को मिटाने पर लगी हुई है। ज्ञापन देने वालों में पूर्व सांसद पी.एल. पुनिया के साथ जिला कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष अमरनाथ मिश्रा, उत्तर प्रदेश कांग्रेस के पूर्व सचिव शिव शंकर शुक्ला, नगर अध्यक्ष राजेन्द्र वर्मा आदि थे।

कार्यक्रम में सम्मानित बच्चे। अमृत विचार

आंगनबाड़ी केंद्र बच्चों की पहली पाठशाला

देवा, बाराबंकी, अमृत विचार : जीनियस गर्ल्स ग्लोबल स्कूल में ब्लॉक स्तरीय हमारा आंगन, हमारे बच्चे महोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। प्राथमिक विद्यालय माधवपुर के बच्चों ने स्वागत गीत और वंदना प्रस्तुत की। विशेष अतिथि खंड विकास अधिकारी नेहा शर्मा और बाल विकास परियोजना अधिकारी उपेन्द्र कुमार उपाध्याय ने अपने संदेश में आंगनबाड़ी केंद्रों को बच्चों की पहली पाठशाला बताया। खंड शिक्षा अधिकारी ने कहा कि पूर्व-प्राथमिक शिक्षा बच्चों के शैक्षिक जीवन की मजबूत नींव रखती है। बाल विकास परियोजना अधिकारी ने पोषण के साथ मानसिक और सामाजिक विकास के महत्व पर भी प्रकाश डाला।

कलश यात्रा में शामिल श्रद्धालु। अमृत विचार

कलश यात्रा का आयोजन

बनीकोडर, बाराबंकी, अमृत विचार : सिल्हौर गांव में जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि जितेंद्र सिंह रिंकू के यहां सोमवार से शुरू हुई सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा के पहले दिन कलश यात्रा निकाली गई। कथास्थल से शुरू हुई यात्रा आदि गंगा-गोमती के घाट पहुंची, जहां कलश में जल भरकर पुन: कथास्थल लौटाया गया। हरिद्वार से आए कथा व्यास विद्या सागर जोशी महाराज के मुखारविंद से श्रद्धालु सात दिनों तक कथा का श्रवण करेंगे। यात्रा में प्रधान टिकरा माधवराज सिंह, शिव मगन पांडेय, अनिल द्विवेदी, राजू सिंह समेत क्षेत्र के कई श्रद्धालु उपस्थित रहे।

आंबेडकर पार्क में समर्थकों के साथ उपवास सत्याग्रह करते सांसद राकेश राठौर।

सीतापुर में सांसद ने किया उपवास

सीतापुर, अमृत विचार : सांसद राकेश राठौर ने आंबेडकर पार्क में मनरेगा से महात्मा गांधी का नाम हटाने और संसदीय समिति की सिफारिशों को दबाने के खिलाफ उपवास सत्याग्रह किया। वहीं ब्लॉक मुख्यालयों पर कांग्रेसियों ने प्रदर्शन किया। सांसद राकेश राठौर ने कहा कि भाजपा नीति केंद्र सरकार मनरेगा को धीरे - धीरे खत्म करने की नीति पर काम कर रही है, गांधी का नाम हटाना उसी साजिश का हिस्सा है।

अमृत विचार

लखनऊ, मंगलवार, 23 दिसंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

बांग्लादेश में हिन्दुओं की हत्या के विरोध में प्रदर्शन

शोहरतगढ़, सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। भाजपा कार्यकर्ताओं ने बांग्लादेश में हिन्दुओं की हत्या और उत्पीड़न के विरोध में प्रदर्शन किया। बांग्लादेश के कार्यवाहक प्रधानमंत्री मो. यूनुस खान का सांकेतिक पुतला बनाकर मुर्दाबाद के नारों के साथ गड़ाकुल तिरंगा तिराहे से निकालकर पुलिस पिकेट चौराहे पर पुतला जलाया। इस दौरान मुख्य रूप से उपस्थित लोगों में भाजपा मण्डल अध्यक्ष शिवशक्ति शर्मा, मण्डल उपाध्यक्ष राजकुमार मोदनवाल, मण्डल महामंत्री राम विनोद यादव, मण्डल मंत्री रामकुमार त्रिपाठी, सभासद प्रतिनिधि बबलू गौड़, सतीश चन्द्र वर्मा, मनोज गुप्ता, पंचगुलाम भारती, नन्दलाल वर्मा, विरेन्द्र गुप्ता आदि लोग उपस्थित रहे।

गोरखपुर-झूसी माघ मेला आरक्षित विशेष गाड़ी का संचालन

गोरखपुर, अमृत विचार। रेलवे प्रशासन द्वारा प्रयागराज में लगने वाले माघ मेला के अवसर पर श्रद्धालु यात्रियों की होने वाली अतिरिक्त भीड़ को ध्यान में रखते हुये 05002/05001 गोरखपुर-झूसी-गोरखपुर माघ मेला आरक्षित विशेष गाड़ी का संचलन गोरखपुर से 01, 03, 13, 15, 16, 18, 21, 23, 30 जनवरी, 01, 13 एवं 15 फरवरी, 2026 को तथा झूसी से 02, 04, 14, 16, 17, 19, 22, 24, 31 जनवरी, 02, 14 एवं 16 फरवरी, 2026 को किया जायेगा। इस गाड़ी में जेनरेटर सह लगेजयान का 01, एल.एस.एल.आर.डी. के 01, शयनयान श्रेणी के 06 तथा वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी के 07 सहित कुल 15 कोच लगाये जायेंगे।

डीएम ने समीक्षा बैठक कर दिए निर्देश

कुशीनगर, अमृत विचार : सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी महेन्द्र सिंह तंवर एवं पुलिस अधीक्षक कुशीनगर केशव कुमार द्वारा संयुक्त रूप से एक समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में जिले के अभियोजन अधिकारियों, पुलिस अधिकारियों एवं संबंधित विभागों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक के दौरान अभियोजन/ई-प्रॉसीक्यूशन पोर्टल पर अपलोड की गई फीडिंग की गुणवत्ता, पूर्णता एवं समयबद्धता पर गहन चर्चा हुई।

गैंगस्टर्स एक्ट में डीएम की भूमिका हटाने पर हाईकोर्ट सख्त

कहा, पुलिस कमिश्नरेट व्यवस्था वाले जनपदों में जिला मजिस्ट्रेट की संदर्भित भूमिका ठोस तथ्यों पर आधारित नहीं

विधि संवाददाता,प्रयागराज

अमृत विचार। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने पुलिस कमिश्नरेट व्यवस्था में गैंगस्टर्स एक्ट के तहत जिला मजिस्ट्रेट (डीएम) को अनिवार्य संयुक्त बैठक से बाहर रखने पर सख्त रुख अपनाते हुए राज्य सरकार से ठोस और अनुभवजन्य आंकड़ों पर आधारित जवाब तलब किया है। कोर्ट ने कहा कि डीएम की भूमिका हटाने का औचित्य फिलहाल सैद्धांतिक तर्कों पर आधारित है, न कि ठोस तथ्यों पर।

उक्त टिप्पणी न्यायमूर्ति विनोद दिवाकर की एकलपीठ ने राजेंद्र त्यागी व अन्य की याचिका पर सुनवाई करते हुए की।

कोर्ट ने स्पष्ट किया कि डीएम की अनिवार्य भागीदारी से छूट को सही ठहरने के लिए दंप्रसं की धाराओं 107, 117, 133, 144 और 145 का हवाला देकर यूपी गैंगस्टर्स एवं असामाजिक क्रियाकलाप (निवारण) नियमावली, 2021 के नियम 5(3)(a) से छूट को सही नहीं ठहराया जा सकता। कोर्ट के समक्ष गृह विभाग ने दंप्रसं की धारा 20(2) के तहत जारी अधिसूचना का हवाला देते हुए बताया कि कमिश्नरेट जिलों में डीएम और एसएसपी की शक्तियां पुलिस आयुक्त (सीपी) व उप पुलिस आयुक्त (डीसीपी) को दी गई हैं। हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया कि उसकी वास्तविक चिंता पुलिस शक्तियों के दुरुपयोग और कठोर कानूनों के चयनात्मक प्रयोग को लेकर है। कोर्ट ने टिप्पणी की कि गैंगस्टर्स एक्ट का इस्तेमाल अक्सर छोटे

और सड़क-स्तर के अपराधियों पर होता है। जबकि नशा तस्करी, वित्तीय घोटाले, भूमि माफिया, बेनामी कंपनियों के जरिए ठेके हथियाने वाले संगठित गिरोह और उन्हें संरक्षण देने वाले सफेदपोश अपराधी प्रभावी कार्रवाई से बचे रहते हैं। अतः कोर्ट ने सरकार को निर्देश दिया कि वह सचिव स्तर के अधिकारी के शपथपत्र के माध्यम से बताए कि कमिश्नरेट प्रणाली लागू होने के बाद अपराध दर में कमी के क्या ठोस आंकड़े, तुलनात्मक अध्ययन या विश्लेषण उपलब्ध हैं। डीएम की भूमिका हटाने से क्या उद्देश्य हासिल हुए और जिन पुलिस अधिकारियों को पूर्व में डीएम के दायित्व सौंपे गए, उन्हें क्या प्रशिक्षण दिया गया। साथ ही डीजी (प्रोसिक्यूशन) को पिछले दस वर्षों में गैंगस्टर्स एक्ट के मामलों का जिला-वार विवरण, मुकदमों की संख्या, चार्जशीट, दोषसिद्धि और बरी होने के आंकड़े, अलग शपथपत्र में प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। याची की ओर से तर्क दिया गया कि उन्हें गैंगस्टर्स एक्ट में झूठा फंसाया गया है। जिन दो मामलों को आधार बनाया गया, वे मूलतः दीवानी प्रकृति के हैं। एक 2021 में बिजनौर और दूसरा 2022 में गाजियाबाद में दर्ज हैं। जिनमें न तो हिंसा, दबाव या भयादोहन का आरोप है और न ही यह दर्शाया गया कि याची किसी गिरोह के रूप में कार्य कर रहा है। साथ ही याची के अधिवक्ता ने कोर्ट को बताया कि गैंग चार्ट को न तो डीएम की मंजूरी मिली और न ही डीएम व एसपी की संयुक्त बैठक हुई। जो नियम 5(3)(ए) का उल्लंघन है। अतः मामले की अगली सुनवाई 8 जनवरी 2026 को होगी।

सरकारी प्राधिकरणों की लापरवाही से मुकदमों की आ रही बाढ़

विधि संवाददाता, प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सरकारी प्राधिकरणों की लापरवाही पर कड़ी टिप्पणी करते हुए कहा कि कानून की स्थिति से अनभिज्ञता के कारण अनावश्यक मुकदमों की बाढ़ आ रही है। जिससे न केवल अदालतों का रोस्टर बाधित होता है, बल्कि आम नागरिकों को भी बेवजह मुकदमेबाजी झेलनी पड़ती है। उक्त टिप्पणी न्यायमूर्ति मंजू रानी चौहान की एकलपीठ ने मुरादाबाद निवासी सुमित कुमार सिंह की याचिका पर सुनवाई करते हुए की। कोर्ट ने कहा कि यह स्थिति न्यायिक समय की गंभीर बर्बादी है। मामले के अनुसार अल्प शिक्षित याची ने अपनी ही संविदात्मक अनुकंपा नियुक्ति को चुनौती दी। सेवा के दौरान याची के पिता की मृत्यु के बाद उसकी माता के अनुरोध पर पुत्र के बालिग होने पर अनुकंपा नियुक्ति देने की बात कही गई थी। वर्ष 2007 में याची को यूपी रोडवेज में 'डाइंग-इन-हार्नेस' कोटे के तहत कंडक्टर नियुक्त किया गया, लेकिन यह नियुक्ति संविदात्मक थी। कोर्ट ने पाया कि याची अपनी नियुक्ति की प्रकृति और उससे जुड़े कानूनी प्रावधानों से अनजान था और इसी कारण वर्षों सेवा देने के बाद उसने अपनी ही नियुक्ति को चुनौती दी। वहीं निगम ने लंबे समय तक कार्य करने के आधार पर याचिका का विरोध किया। हाईकोर्ट ने कहा कि राज्य और उसके उपक्रमों से संविधान के अनुच्छेद 14 के तहत निष्पक्षता और तर्कसंगत आचरण की अपेक्षा की जाती है, विशेषकर तब जब मामला कानून से अनभिज्ञ व्यक्तियों से जुड़ा हो। सुप्रीम कोर्ट के अर्बन इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट, बीकानेर बनाम मोहन लाल फैसले का हवाला देते हुए कोर्ट ने कहा कि राज्य का दायित्व अनावश्यक मुकदमेबाजी को समाप्त करना है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि जब निगम स्वयं कानून की स्थिति से अवगत था, तो ऐसी नियुक्ति देना उसकी लापरवाही थी, जिसका खामियाजा याची को नहीं भुगतना चाहिए। इन टिप्पणियों के साथ कोर्ट ने निगम को मामले पर पुनर्विचार कर कानून के अनुरूप आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। मामले की अगली सुनवाई आगामी 7 जनवरी 2026 को सुनिश्चित की गई है।

ठंड में घुटने और कमर दर्द के मरीजों की अस्पतालों में भीड़

संवाददाता, सिद्धार्थनगर

अमृत विचार। सर्द मौसम की शुरुआत के साथ ही घुटने और कमर दर्द की शिकायतों में लगातार इजाफा हो रहा है। जिला अस्पतालों, निजी क्लीनिकों और फिजियोथेरेपी केंद्रों में ऐसे मरीजों की संख्या बढ़ी है, जिन्हें चलने-फिरने, उठने-बैठने और लंबे समय तक खड़े रहने में परेशानी हो रही है। बुजुर्गों के साथ-साथ युवा वर्ग में भी यह समस्या तेजी से सामने आ रही है।

माधव प्रसाद त्रिपाठी मेडिकल कॉलेज में कार्यरत फिजियोथेरेपिस्ट डॉ. सुभाष यादव के अनुसार ठंड में मांसपेशियां और जोड़ अकड़ जाते हैं, जिससे रक्त संचार धीमा पड़ता है और पुराने दर्द उभर आते हैं। गठिया, ऑस्टियोआर्थराइटिस, स्लिप डिस्क और मांसपेशियों में खिंचाव से पीड़ित मरीजों को इस मौसम में अधिक दिक्कत होती है। लंबे समय तक एक ही मुद्रा में बैठना, शारीरिक गतिविधि की कमी और गलत तरीके से वजन उठाना भी दर्द को बढ़ाने वाले प्रमुख कारण हैं। फिजियोथेरेपिस्ट का कहना है कि ठंड में शरीर को गर्म रखना बेहद जरूरी है। सुबह-शाम हल्का स्ट्रेचिंग, घुटने और कमर के लिए विशेष एक्सरसाइज, गरम पानी से सिंकाई और डॉक्टर की सलाह से फिजियोथेरेपी उपचार दर्द से राहत दिला सकते हैं। इसके अलावा, भारी काम अचानक करने से बचें और लंबे समय तक झुककर काम न करें। उन्होंने यह भी सलाह दी कि संतुलित आहार, पर्याप्त पानी, कैल्शियम व विटामिन-डी की पूर्ति तथा रोजाना हल्की धूप लेना फायदेमंद रहता है। दर्द बढ़ने पर खुद से दवा लेने के बजाय विशेषज्ञ से परामर्श करना जरूरी है। विशेषज्ञों का मानना है कि समय रहते सावधानी और सही उपचार अपनाने से घुटने व कमर दर्द पर काफी हद तक काबू पाया जा सकता है।

गेस्ट हाउस पर छापा युवक-युवतियां पकड़े

कुशीनगर, अमृत विचार: कुशीनगर में बड़े पैमाने पर देह व्यापार का धंधा फल फूल रहा है। सोमवार को कसया के देवरिया रोड स्थित एक होटल पर पुलिस और प्रशासन ने संयुक्त रूप से छापेमारी की।कार्रवाई के दौरान लगभग आधा दर्जन युवक-युवतियों को पुलिस ने हिरासत मे लेकर थाने भेजी। छापेमारी लगभग एक घंटे तक चलती रही। युवक-युवतियों से कसया थाने में पूछताछ की जा रही है। लोगों का आरोप है कि भगवान बुद्ध की पवित्र भूमि कुशीनगर की पहचान अब अनैतिक गतिविधियों के केंद्र के रूप में बन रही है।हर बार पुलिस अभियान चलाती है जिसका असर कुछ दिनों तक रहता है लेकिन फिर वही काम होटलों और गेस्ट हाउसों में शुरू हो जाता है। यह कारोबार थमने का नाम नहीं ले रहा है।बिगड़ते माहौल को देखते हुए चिंताएं बढ़ गई हैं। मामले में कसया थाना प्रभारी अभिनव मिश्रा ने बताया कि पकड़े गए लोगों से पूछताछ जारी है, आगे की कार्रवाई की जाएगी।

उप्र, उड़ीसा, केवीएस, जेएनवी, महाराष्ट्र तमिलनाडु व केरल प्री-क्वार्टर फाइनल में

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार: स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के तत्वावधान में चल रही राष्ट्रीय विद्यालयीय अंडर-17 खो-खो प्रतियोगिता के तीसरे दिन लीग मुकाबलों में शानदार खेल प्रदर्शन कर मेजबान उत्तर प्रदेश सहित महाराष्ट्र, केरल, तमिलनाडु, उड़ीसा, केंद्रीय विद्यालय संगठन, जवाहर नवोदय विद्यालय टीमों ने प्री-क्वार्टर फाइनल दौर में स्थान सुनिश्चित कर लिया। उप्र कबड्डी संघ के अध्यक्ष विकास सिंह, को-ऑपरेटिव बैंक के अध्यक्ष धर्मेंद्र प्रताप सिंह टिल्लू, जिपंस इंद्रभान सिंह, साकेत के पूर्व प्राचार्य अभय सिंह ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उत्साहवर्धन किया।

डॉ. आंबेडकर राज्य विद्यालयीय क्रीड़ा संस्थान स्टेडियम व राजकीय इंटर कॉलेज मैदान पर हो रही राष्ट्रीय खो-खो प्रतियोगिता में सोमवार को लीग मुकाबले खेले गए। बालक वर्ग मुकाबले में राजस्थान ने आंध्र प्रदेश को 10 -5 से पराजित किया। तेलंगाना ने सीबीएसई को 10-7 हराया। महाराष्ट्र ने दादर नगर हवेली को 18 -2 से पराजित किया। आंध्र प्रदेश ने नवोदय विद्यालय संगठन टीम पर 17-11 से जीत दर्ज की। कर्नाटक ने सीबीएसई को 14 -2 से आसानी से पराजित किया। मेजबान उत्तर प्रदेश टीम ने चंडीगढ को 11-2 से आसानी से पराजित किया। तेलंगाना ने संघर्षपूर्ण मुकाबले में उत्तराखंड को 9-8 से पराजित किया। कर्नाटक ने उत्तराखंड पर 11-2 से आसान जीत दर्ज की। अरुणाचल प्रदेश ने असम को संघर्षपूर्ण मुकाबले में 19-16 से पराजित किया। केंद्रीय दिल्ली संगठन टीम ने जम्मू कश्मीर को 15-7 से हराया। महाराष्ट्र ने आसाम को 18-6 से और गुजरात ने विद्या भारती को 19-3 से पराजित किया। बालिका वर्ग के लीग मुकाबलों में तेलंगाना ने चंडीगढ को, केरल ने मध्य प्रदेश को, आंध्र प्रदेश ने बिहार को, तमिलनाडु ने सीबीएसई को, तेलंगाना ने उत्तराखंड को, गुजरात ने जम्मू-कश्मीर को, हिमाचल ने चंडीगढ़ को, हरियाणा ने झारखंड को, पंजाब ने उत्तराखंड को और तमिलनाडु ने छत्तीसगढ़ को पराजित किया। इस मौके पर आयोजन सचिव संयुक्त शिक्षा निदेशक योगेन्द्र कुमार सिंह, मंडलीय क्रीड़ा समिति के सचिव धर्मेन्द्र सिंह, जिला सचिव अभिषेक सिंह मौजूद रहे।

राष्ट्रीय विद्यालयीय खो-खो लीग मुकाबले में प्रतिद्वंदी को चेज करती खिलाड़ी।

- **राष्ट्रीय विद्यालयीय अंडर-17 खो-खो प्रतियोगिता में तीसरे दिन हुए रोमांचक मुकाबले**

आयुक्त ने किया सांसद खेल महोत्सव का शुभारंभ

संवाददाता, सिद्धार्थनगर

अमृत विचार। सांसद खेल महोत्सव 2025 का आयोजन जिला स्पोर्टस स्टेडियम में किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि आयुक्त बस्ती मंडल अखिलेश सिंह, विशिष्ट अतिथि जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन, पुलिस अधीक्षक डॉ0 अभिषेक महाजन एवं सांसद डुमरियागंज जगदम्बिका पाल, सांसद प्रतिनिधि एसपी अग्रवाल, अध्यक्ष नगर पालिका परिषद गोविन्द माधव मौजूद रहे।

कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय उसका बाजार की छात्राओं द्वारा सरस्वती वंदना एवं शिव तांडव स्तुति की प्रस्तुति दी। केन्द्रीय विद्यालय के बच्चों द्वारा स्वागत गीत की प्रस्तुत किया। इसके पश्चात सांसद द्वारा मुख्य अतिथि आयुक्त बस्ती मंडल बस्ती, सांसद प्रतिनिधि द्वारा जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक को बुके देकर स्वागत किया गया। पूर्व माध्यमिक विद्यालय बर्डपुर के बच्चों द्वारा योग का प्रस्तुतिकरण किया गया। मुख्य अतिथि ने ध्वजारोहण कर सांसद खेल महोत्सव के शुभारम्भ की घोषणा की तथा गुब्बारा उड़ाया। इसके बाद मार्च पास्ट की सलामी ली गई और मशाल प्रज्ज्वलित की।

आयुक्त ने कहा कि सांसद खेल महोत्सव खेल कूद की प्रतिभाओं को मंत्र प्रदान करने के लिए आयोजित किया जा रहा है। कहा कि पहले खेलकूद के लिए कम अवसर मिलता था, खेल मैदान व संसाधनों की कमी रहती थी।

खेल को बढ़ावा देने के लिए आज ग्रामीण क्षेत्रों में खेल मैदान बनाया जा रहा है और खेल सामग्री उपलब्ध कराया जा रहा है जिससे ग्रामीण क्षेत्र के खिलाड़ी अपनी प्रतिभा निखार सके। कहा कि सरकार व प्रशासन द्वारा खेल में पूरा सहयोग प्रदान किया जायेगा। सांसद द्वारा सांसद खेल महोत्सव से 10 लाख का फंड विभिन्न खेलों के लिए बनाया जा रहा है।

सांसद खेल महोत्सव का उद्घाटन करते आयुक्त बस्ती मंडल अखिलेश सिंह। अमृत विचार

बच्चों को किया गया पुरस्कृत

मुख्य अतिथि आयुक्त बस्ती मंडल बस्ती अखिलेश सिंह, विशिष्ट अतिथि जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन, पुलिस अधीक्षक डॉ0 अभिषेक महाजन एवं सांसद डुमरियागंज जगदम्बिका पाल द्वारा बेहतर कार्यक्रम की प्रस्तुति करने वाले बच्चों को नगद पुरस्कार देकर उनका उत्साहवर्धन किया गया। इसके पश्चात खो-खो बालिका वर्ग एवं ताइक्वांडों के खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर प्रतियोगिता शुरू कराया गया।

खेल का जीवन में बहुत महत्व : डीएम

जिलाधिकारी ने कहा कि जनपद में ब्लाक स्तर एवं तहसील स्तर पर खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। खेल का जीवन में बहुत महत्वपूर्ण योगदान होता है। खेल से मानसिक व शारिरिक स्वास्थ्य ठीक रहता है। प्रतिदिन 02 घंटे खेल को अपने जीवन में शामिल करना चाहिए। आज जनपद स्तर पर आयोजित खेल महोत्सव में खिलाड़ियों द्वारा बढचढ़ कर हिस्सा ले रहे हैं। सभी खिलाड़ी अपने प्रतिभाओं का प्रदर्शन कर अपने जनपद व प्रदेश का नाम रोशन करें।

क्षय रोगियों को प्रदान की गई पोषण पोटली

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत सामाजिक कार्यकर्ता देवेश मणि त्रिपाठी ने सोमवार को बर्डपुर पहुंच कर स्वंय द्वारा अंगीकृत 126 क्षय रोगियों को पोषण पोटली प्रदान किया। सामाजिक कार्यकर्ता देवेश मणि त्रिपाठी द्वारा वर्ष 2025 में जिले के विभिन्न विकास खण्डों से अब तक करीब 8 सौ क्षय रोगियों को गोद लिया गया है, जिन्हें प्रति दो माह पर देवेश मणि द्वारा निजी रूप से पोषण पोटली प्रदान किया जाता है। इसी क्रम में सोमवार को बर्डपुर के अधीन उपचारित 126 क्षय रोगियों को पोषण पोटली प्रदान किया गया। इसके अतिरिक्त आवश्यकता वाले रोगियों को लिवर टॉनिक भी दिया गया। सामाजिक कार्यकर्ता देवेश मणि त्रिपाठी ने रोगियों से अपील की कि यदि उनके घर में किसी भी अन्य व्यक्ति को टीबी का कोई लक्षण हो तो तत्काल निकटतम अस्पताल पर मुफ़्त जांच करायें। इस मौके पर सीएमओ, जिला क्षय रोग अधिकारी, जिला कार्यक्रम समन्वयक पंकज त्रिपाठी मौजूद रहे।

क्लीनिक में गलत इलाज से गर्भ में पल रहे बच्चे की मौत, मामले की जांच शुरू

संवाददाता, सिद्धार्थनगर,

अमृत विचार। जनपद के विकास खण्ड बर्डपुर क्षेत्र में स्थित श्री साई फार्मा क्लीनिक पर इलाज में गम्भीर लापरवाही बरतने का मामला सामने आया है। जहां गर्भवती महिला की इलाज के दौरान मौत हो गई। आरोप है कि इसके बाद भी डॉक्टर ने गलत तरीके से ऑपरेशन किया और महिला की हालत बिगड़ने पर उसे रेफर किया गया।

यह पूरा मामला ग्राम पंचायत बजहां, टोला भरथापुर निवासी आशीष गोस्वामी ने मुख्यमंत्री जनसुनवाई पोर्टल पर दर्ज कराते हुए सामने लाया है। पीड़ित के मुताबिक 30 अक्टूबर 2025 को उनकी गर्भवती पत्नी को आशा कार्यकर्ता के साथ श्री साई फार्मा क्लीनिक बर्डपुर में भर्ती कराया गया था। इलाज के दौरान गर्भ में पल रहे शिशु की मौत हो गई, जिसके बाद मृत शिशु की निकासी के नाम पर गलत ऑपरेशन किये जाने का आरोप लगाया गया है। पीड़ित का यह भी कहना है कि हालत बिगड़ने पर क्लीनिक के मुख्य चिकित्सक डॉ. अमन जायसवाल ने जिला मुख्यालय नौगढ़ भेजने के नाम पर महिला को भटकाया और अंततः गोरखपुर के बीआरडी मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराकर कथित रूप से मौके से फरार हो गये।

मामला सीएमओ कार्यालय तक पहुंचने के बाद मुख्य चिकित्साधिकारी ने जांच के लिए तीन सदस्यीय टीम का गठन किया है। इस टीम में डॉ. संजय गुप्ता, डॉ. आशीष अग्रहरि और बर्डपुर सीएचसी अधीक्षक डॉ. सुबोध चन्द्रा को शामिल किया गया है। वहीं जांच के दौरान टीम ने पाया कि बताये गये पते पर अस्पताल का बोर्ड तो लगा है, लेकिन वहां केवल मेडिकल स्टोर संचालित हो रहा है। इस पूरे मामले पर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. रजत कुमार चौरसिया का कहना है कि जांच रिपोर्ट के आधार पर दोषियों के खिलाफ नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जायेगी।

योजना का नाम बदलने के विरोध में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने किया प्रदर्शन

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। केन्द्र की भाजपा सरकार द्वारा लोकसभा में मनरेगा से सम्बन्धित बिल पेश किये जाने और महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारन्टी अधिनियम (मनरेगा) का नाम बदलने की साजिश के विरोध में सोमवार को कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस जिलाध्यक्ष काजी सुहेल अहमद की अगुवाई में जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। कांग्रेस कार्यकर्ता दिन में 1230 बजे राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी का चित्र हाथ में लेकर जिला कांग्रेस कार्यालय से सरकार विरोधी नारे लगाते हुए कलेक्ट्रेट पहुंचे और वहां पहुंचकर शान्तिपूर्ण लेकिन आक्रमक तेवर में विरोध जताया। इस अवसर पर कांग्रेस जिलाध्यक्ष काजी सुहेल अहमद ने कहा कि लोकसभा में पेश किया गया मनरेगा सम्बन्धी बिल मजदूरों के अधिकारों को कमजोर करने और इस जनकल्याणकारी योजना को धीरे-धीरे समाप्त करने की साजिश है।

तैयारी

विशेष कोरियन धातु से तैयार 12 फिट ऊंची व 1.2 टन वजनी प्रतिमा का 24 को होगा अनावरण

कोरिया पार्क में लगी राजकुमारी सूरी रत्ना 'रानी-हो' की प्रतिमा

अयोध्या कार्यालय।

अमृत विचार: कोरिया और अयोध्या के पुराने संबंधों को नई पहचान देने के लिए सरयू तट पर स्थित कोरिया मेमोरियल पार्क में 12 फिट ऊंची और 1.2 टन वजनी राजकुमारी सूरी रत्ना ''रानी-हो'' की प्रतिमा स्थापित की जा रही है। विशेष कोरियन धातु से तैयार प्रतिमा सोमवार दोपहर अयोध्या पहुंच गई है। इसका 24 दिसंबर को अनावरण किया जाएगा। इसके लिए दक्षिण कोरिया से भी डेलिगेशन पहुंच रहा है।

अयोध्या में बना रानी-हो पार्क भारत और कोरिया के प्राचीन रिश्तों को दर्शाता है। अयोध्या की राजकुमारी सूरी रत्ना दो हजार साल पहले समुद्री मार्ग से दक्षिण कोरिया के ग्योंगसांग प्रांत गई थी। इसके बाद वहां करक वंश के राजा किम सुरो से विवाह कर लिया और रानी-हो के नाम से प्रसिद्ध हुई। उनके वंशज आज भी हर साल सरयू तट स्थित स्मृति स्थल पर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित करने आते है।

पार्क का संचालन करने वाली कंपनी के एमडी राहुल शर्मा और पार्क की चीफ को-ऑर्डिनेटर वंदना शर्मा ने बताया कि इस मार्क में रानी-हो की 12 फिट ऊंची प्रतिमा लगाई जा रही है। इस मूर्ति को कोरिया में तैयार कर समुद्र जहाज के रास्ते से भारत लगाया गया था। सड़क मार्ग से आज सोमवार यह प्रतिमा पार्क में पहुंच गई है। बताया कि इसके साथ कोरिया के अन्य महापुरुषों और देवताओं की मूर्तियां भी शामिल है। उन्होंने बताया कि 24 दिसंबर को मूर्ति का अनावरण करने के लिए कोरिया का भी एक डेलिगेशन अयोध्या पहुंच रहा है। कार्यक्रम में अयोध्या के महापौर गिरीशपति त्रिपाठी, मंडल आयुक्त राजेश कुमार भी शामिल होंगे।

कोरिया पार्क में स्थापित होने वाली रानी हो की प्रतिमा। अमृत विचार

18 करोड़ रुपये की लागत से बना 2000 वर्ग मीटर में पार्क

सरयू तट पर 2000 वर्ग मीटर में फैला क्वीन हो मेमोरियल पार्क का निर्माण 18 करोड़ की लागत से सितंबर 2019 में शुरू हुआ था। नवंबर 2021 में इसका कार्य पूर्ण हो गया। जिसमे मेडिटेशन हॉल, क्वीन पवेलियन, किंग पवेलियन, वाटर टैंक, फुट ओवर ब्रिज, सब स्टेशन, ट्यूबवेल, पाथ-वे, शौचालय, फाउंटेन, लैंडस्केपिंग,स्कल्चर, गार्ड रूम, म्यूरल, ऑडियो-विडियो सिस्टम, बाउंड्रीवॉल, पार्किंग व तालाब का निर्माण किया गया है। इसका उद्घाटन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 4 मार्च 2024 को किया था। वर्तमान में इसके संचालन के लिए एग्रीमेंट के तहत एक निजी कंपनी को सौंपा गया है।

कल से लोगों के लिए खुल जाएगा पार्क

रामनगरी में पर्यटकों के लिए 24 दिसंबर से भारत और दक्षिण कोरिया के बीच संबंधों पर स्थापित रानी हो पार्क को खोल दिया जाएगा। जिसके पहले चरण में 24, 25 और 26 दिसंबर तक इंडो कोरियन क्रिसमस मेले का भी आयोजन होगा। जिसमे विभिन्न स्कूलों के बच्चों को प्रतिभाग करने का मौका मिलेगा। कार्यक्रम के आयोजक राहुल शर्मा ने बताया कि मेला के दौरान अयोध्या वासियों को जोड़ने और शहर में नवनिर्मित पार्क की स्थापत्य कला व एक-दूसरे की संस्कृति से परिचित कराया जाएगा। इसके लिए स्कूल के छात्र-छात्राओं को नृत्य -संगीत, पेंटिंग व रंगोली के आयोजन में भाग लेने का अवसर मिलेगा। इसमें विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कृत कर दुबई और गोवा का टूर भी दिया जायेगा। इसके साथ तुलसी दिवस पर विद्वत गोष्ठी का भी आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस मेले में कोरियन विलेज, कोरियन स्टोर व कोरियन फूड स्टार भी लगाए जाएंगे, जो कि टूरिज्म को बढ़ावा देने की दृष्टिगत निर्धारित किए गए हैं।

महेश योगी का हनुमानगढ़ी से कोई संबंध नहीं : संजय दास

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार : सिद्धपीठ हनुमानगढ़ी और चारों पट्टी के नागा संतों ने डॉ. महेश दास उर्फ महेश योगी को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा है कि उनका हनुमानगढ़ी से कोई संबंध नहीं है, वह सिर्फ यहां किराएदार हैं। बसंतिया पट्टी के महंत रामचरण दास महाराज के विरुद्ध अनर्गल आरोप लगाने से बाज आएं। ऐसा न करने पर हनुमानगढ़ी अखाड़ा उनके विरुद्ध सख्त कार्रवाई करेगा। यह चेतावनी धर्मसम्राट श्रीमहंत ज्ञान दास महाराज के उत्तराधिकारी एवं संकटमोचन सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय दास ने सोमवार को हनुमानगढ़ी परिसर स्थित अपने आश्रम में आयोजित प्रेसवार्ता में दी। कहा कि स्वयं को महामंडलेश्वर बताने वाले महेश योगी का हनुमानगढ़ी से कोई संबंध नहीं है। वह केवल किरायेदार के रूप में यहां रह रहा है। कहा कि उनके द्वारा सोशल मीडिया पर हनुमानगढ़ी अखाड़ा और बसंतिया पट्टी के महंत रामचरण दास महाराज पर लगाए जा रहे आरोप पूरी तरह निराधार और निंदनीय हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि भविष्य में इस तरह का कोई भी अनर्गल बयान दिया गया तो उन्हें हनुमानगढ़ी से बाहर कर दिया जाएगा। बताया कि कुछ दिन उनके कमरे में आग लगने की घटना हुई थी, जिसका आरोप वह बसंतिया पट्टी के श्रीमहंत एवं संतों पर लगा रहा है, जबकि यह पूरी तरह गलत है।

वर्ल्ड ब्रीफ

मणिपुर : पूरे राज्य में पेट्रोल पंपों को बंद करने की चेतावनी

इंफाल। मणिपुर पेट्रोलियम डीलर्स फ्रेटरनिटी (एमपीडीएफ) ने चेतावनी दी है कि अगर प्रशासन ने चरमपंथी तत्वों से मिल रही धमकियों और गैरकानूनी मांगों से सुरक्षा नहीं दी तो पूरे राज्य में 28 दिसंबर को पेट्रोल पंप बंद कर दिए जाएंगे। इस घोषणा के बाद पेट्रोल पंपों पर वाहनों की भीड़ बढ़ गई और उन पर लंबी लाइनें देखी गईं। इससे पहले 13 दिसंबर को धमकी मिलने के विरोध में तेल डिपो बंद कर दिए गए थे। एमपीडीएफ ने कहा कि 10 दिसंबर को राज्यपाल को एक ज्ञापन सौंपे जाने के बावजूद राज्य अधिकारियों से कोई ठोस जवाब नहीं मिला है। वितरकों ने आरोप लगाया कि हथियारबंद लोगों ने बम से उड़ाने की धमकी दी और पैसे की मांग की। यहां तक कि एक तेल डिपो के अंदर बम भी रखा गया था। ऐसी धमकियां और गैरकानूनी मांगें लगातार जारी हैं, जिससे जान-माल को गंभीर खतरा है।

दिल्ली: हिंदी न सीखने पर भाजपा पार्षद ने अफ्रीकन को धमकाया

नई दिल्ली। भाजपा पार्षद रेनू चौधरी का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है, जिसमें वह हिंदी न सीखने को लेकर एक अफ्रीकी नागरिक को धमकी देती नजर आ रही हैं। पूर्वी दिल्ली के पटपड़गंज के वार्ड नंबर 196 का प्रतिनिधित्व करने वाली चौधरी वीडियो में एमसीडी पार्क में बच्चों को फुटबॉल सिखाने वाले एक कोच से पूछते हुए सुनाई दे रही हैं कि उन्होंने अभी तक हिंदी क्यों नहीं सीखी और उन्हें चेतावनी देती हैं कि अगर एक महीने के भीतर यह नहीं सीखी तो उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा, चूंकि वह भारत में पैसे कमाता है, इसलिए उसे हिंदी भाषा सीख लेनी चाहिए। अपने बयान का बचाव करते हुए चौधरी ने कहा कि आठ महीने पहले उन्होंने कोच से हिंदी सीखने के लिए कहा था, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया।

गोवा अग्निकांड के आरोपियों की हिरासत 26 दिसंबर तक बढ़ी

पणजी। गोवा की एक अदालत ने सोमवार को उत्तरी गोवा के बिर्च बाय रोमियो लेन नाइट क्लब के मालिक सौरभ और गौरव लूथरा की पुलिस हिरासत की अवधि 26 दिसंबर तक बढ़ा दी। न्यायिक मजिस्ट्रेट ने नाइट क्लब के तीसरे साझेदार अजय गुप्ता को भी 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। लूथरा बंधुओं को 16 दिसंबर को थाईलैंड से निर्वासित किए जाने के बाद दिल्ली से गोवा लाया गया था। गोवा पुलिस के अनुसार पूछताछ के दौरान लूथरा बंधुओं ने बार-बार पीठ, छाती और पैरों में दर्द जैसी स्वास्थ्य समस्याओं की शिकायत की। ये शिकायतें पूछताछ में देरी करने और हिरासत का समय बर्बाद करने का जानबूझकर किया गया प्रयास है।

तत्काल सुनवाई के लिए मामलों को जांच कर सूचीबद्ध करेगी अदालत

अवकाश में तत्काल हस्तक्षेप वाले मामलों पर विचार के लिए विशेष पीठ : सीजेआई

नई दिल्ली, एजेंसी

सीजेआई सूर्यकांत ने सोमवार को वकीलों से मामलों की तत्काल सुनवाई के लिए उच्चतम न्यायालय की रजिस्ट्री से संपर्क करने को कहा, जो कारणों की जांच करेगी और तदनुसार मामले को सूचीबद्ध करेगी। सीजेआई के साथ विशेष अवकाशकालीन पीठ में न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची भी शामिल थे।

इस दौरान सीजेआई ने तीन टिप्पणियां कीं। पीठ ने जैसे ही मामलों की सुनवाई शुरू की तो वकीलों ने तत्काल सुनवाई वाले मामलों का उल्लेख करना शुरू कर दिया। सीजेआई ने कहा, जिक्र करने के बजाय रजिस्ट्री को कारण बताएं। कारणों की पड़ताल की जाएगी और यदि वे अत्यावश्यक पाए जाते हैं तो उन्हें संभवतः 26 दिसंबर या 29 दिसंबर के लिए सूचीबद्ध किया जाएगा। पीठ ने कहा कि अवकाश अवधि के दौरान तत्काल न्यायिक हस्तक्षेप की आवश्यकता वाले महत्वपूर्ण मामलों पर समय पर विचार के लिए विशेष पीठ बैठी। शुक्रवार को प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा था कि वह 22 दिसंबर को अत्यावश्यक मामलों की सुनवाई के लिए तैयार हैं। यह सुप्रीम कोर्ट की क्रिसमस और नए साल की छुट्टियों का पहला दिन है।

प्रधानमंत्री मोदी को अजमेर शरीफ दरगाह पर चादर चढ़ाने से रोकने के लिए याचिका दाखिल

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को अजमेर शरीफ दरगाह पर चादर चढ़ाने से रोकने के निर्देश देने का अनुरोध किया गया है। यह मामला सीजेआई सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की अवकाशकालीन पीठ के समक्ष आया। पीठ ने कहा कि आज सूचीबद्ध नहीं। सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता जितेंद्र सिंह की ओर से पेश अधिवक्ता बरुन सिन्हा को रजिस्ट्री से संपर्क करने को कहा। याचिका में कहा गया है कि ऐतिहासिक अभिलेखों से पता चलता है कि मोइनुद्दीन चिश्ती उन विदेशी आक्रमणों से जुड़े थे जिन्होंने दिल्ली और अजमेर पर विजय प्राप्त की और स्थानीय आबादी का बड़े पैमाने पर दमन और धर्मांतरण किया जो भारत की संप्रभुता, गरिमा और सभ्यतागत मूल्यों के बिल्कुल विपरीत थे।

अरावली संबंधी आदेश की समीक्षा के लिए याचिका

नई दिल्ली। पर्यावरण कार्यकर्ता हितेंद्र गांधी ने अरावली पर्वतमाला के भीतर संरक्षित क्षेत्रों की पहचान करने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले '100 मीटर परीक्षण' की समीक्षा करने की मांग करते हुए सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की। गांधी ने सीजेआई सूर्यकांत को संबोधित एक विस्तृत प्रतिवेदन में कहा कि यह नियम अरावली के पारिस्थितिक रूप से महत्वपूर्ण उन हिस्सों को बाहर कर देता है जो पर्यावरणीय रूप से अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने तर्क दिया कि यह मानदंड पारिस्थितिक रूप से त्रुटिपूर्ण और कानूनी रूप से मनमाना है।

याचिका के केंद्र में वह '100 मीटर का नियम' है, जो उन्हीं पहाड़ियों को संरक्षित अरावली पहाड़ियां मानता है, जो आसपास के मैदानी इलाकों

- **'100 मीटर परीक्षण' का मानदंड पारिस्थितिक रूप से गलत, साथ ही कानूनी मनमानी भी : याचिका**

से 100 मीटर से अधिक ऊंची हैं। गांधी ने तर्क दिया है कि यह दृष्टिकोण 'भूगर्भीय निरंतरता' और 'पारिस्थितिक कार्य' की उपेक्षा करता है, क्योंकि निचली चोटियां, छोटी पहाड़ियां और उबड़-खाबड़ इलाके भूजल पुनर्भरण, सतही जल प्रवाह के प्रबंधन और जैव विविधता संरक्षण के लिए अभिन्न अंग हैं। पर्यावरण विशेषज्ञों का मानना रहा है कि अरावली केवल प्रमुख चोटियों तक सीमित नहीं है, विशेष रूप से हरियाणा और राजस्थान के कुछ हिस्सों में जहां पर्वतमाला का अधिकांश हिस्सा निचली चोटियों और चट्टानी पहाड़ों के रूप में मौजूद है।

दिल्ली-एनसीआर में और गंभीर होगा प्रदूषण

दुनिया की सबसे पुरानी पर्वत प्रणालियों में से एक अरावली पर्वतमाला गुजरात, राजस्थान, हरियाणा और दिल्ली तक फैली हुई है। यह मरुस्थलीकरण को रोकने, जलवायु को विनियमित करने और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में भूजल पुनर्भरण की सुविधा प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। खनन, निर्माण और 'रियल एस्टेट' विकास के कारण पिछले तीन दशकों से इस क्षेत्र को निरंतर दबाव का सामना करना पड़ा है। गांधी ने चेतावनी दी कि ''रिज'' से जुड़े क्षेत्रों के निष्कासन से दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में धूल बढ़ने से वायु प्रदूषण और अधिक गंभीर हो सकता है। इस मुद्दे का हरियाणा के अरावली बेल्ट में चल रही और प्रस्तावित विकास परियोजनाओं पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ेगा।

वीबी-जी राम जी अधिनियम पर भाजपा और कांग्रेस के बीच रार

- **सोनिया बोलीं- मनरेगा पर सरकार ने चलाया बुलडोजर, भाजपा ने इसे राजनीतिक कल्पना की उड़ान दिया**

नई दिल्ली, एजेंसी

भाजपा ने सोमवार को कांग्रेस नेता सोनिया गांधी के वीबी-जी-राम जी अधिनियम को लेकर किए दावों को राजनीतिक कल्पना की उड़ान करार दिया और आरोप लगाया कि कानून के खिलाफ उनके तर्क गलत व्याख्याओं, चुनिंदा स्मृति और झूठ पर आधारित हैं। मनरेगा की जगह लेने वाले विकसित भारत गारंटी रोजगार एवं आजीविका मिशन-ग्रामीण (वीबी-जी राम जी) विधेयक रविवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की मंजूरी मिलने के साथ अधिनियम बन गया। संसद ने अपने शीतकालीन सत्र के दौरान विधेयक पारित किया।

कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी ने आरोप लगाया था कि मोदी सरकार ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) पर बुलडोजर चला दिया है और करोड़ों किसानों, श्रमिकों एवं भूमिहीन ग्रामीण वर्ग के गरीबों के हितों पर हमला किया है। उन्होंने सभी से एकजुट होकर उन अधिकारों की रक्षा करने का आह्वान किया गया जो सभी की सुरक्षा करते हैं। द हिंदू के एक संपादकीय में, सोनिया गांधी ने कहा कि मनरेगा की मौत एक सामूहिक विफलता है।

भाजपा के आईटी विभाग के प्रमुख अमित मालवीय ने एक्स पर कहा कि मनरेगा पर सोनिया गांधी का हालिया लेख कानून या आंकड़ों के साथ गंभीर जुड़ाव के बजाय राजनीतिक कल्पना की उड़ान जैसा है। यह स्पष्ट है कि उन्होंने वीबी-जी राम जी अधिनियम नहीं पढ़ा है, क्योंकि उनके तर्क गलत व्याख्याओं, चयनात्मक स्मृति और सरासर झूठ पर आधारित हैं।

मनरेगा खत्म होना सामूहिक विफलता : सोनिया

कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी ने सोमवार को मोदी सरकार पर मनरेगा को डेथ बाई थाउजेंड कट्स स्ट्रैटजी (हजार छोटे-छोटे घाव देकर खत्म करने की रणनीति) से खत्म करने का आरोप लगाया और कहा कि महात्मा गांधी के सर्वोदय के दृष्टिकोण को साकार करने वाली योजना का अंत होना हम सबकी नैतिक विफलता है तथा इसके भयावह असर होंगे। सोनिया ने अंग्रेजी दैनिक समाचार पत्र में लिखे लेख में कहा कि अपने अधिकारों की रक्षा करने के लिए मिलकर संघर्ष करना जरूरी हो गया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने रविवार को विकसित भारत -जी राम जी'' विधेयक को मंजूरी दे दी। साथ ही यह अब अधिनियम बन गया है और इस संबंध में अधिसूचना भारत के राजपत्र में प्रकाशित की गई है। बीते गुरुवार को यह विधेयक संसद से पारित किया गया था। सोनिया गांधी ने लिखा कि कुछ दिन में मोदी सरकार ने चर्चा, परामर्श या संसदीय प्रक्रियाओं तथा केंद्र-राज्य संबंधों के प्रति सम्मान के बिना मनरेगा को खत्म करने की दिशा में कदम बढ़ाने का प्रयास किया है। योजना से महात्मा गांधी का नाम हटाना तो बानगी भर है। मनरेगा की वह पूरी संरचना, जो उसके प्रभाव के लिए आवश्यक थी, नष्ट कर दी गई है। उन्होंने यह दावा भी किया कि राज्यों की वित्तीय स्थिति, जो पहले से ही गंभीर दबाव और संकट में है, अब और अधिक तबाह हो जाएगी।

10 वर्षों में की रेल किराए में 107% वृद्धि : कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने रेल किराये में हुए बदलावों को लेकर सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि केंद्र सरकार ने समय-समय पर किराया बढ़ाकर लोगों का ट्रेन से सफर करना मुश्किल कर दिया है। कांग्रेस प्रवक्ता डॉ. अजय कुमार ने सोमवार को यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा कि 'रील मंत्री' अश्विनी वैष्णव 2024 में सरकार बनने के बाद से दो बार रेल का किराया बढ़ा चुके हैं। सरकार का कहना है कि एक या दो पैसा प्रति किलोमीटर के हिसाब से किराया बढ़ाया गया है, लेकिन आम जनता के ऊपर 100-200 रुपये तक का भार पड़ता है। उन्होंने कहा पिछले 10 वर्षों में रेलवे का किराया 107 प्रतिशत तक बढ़ चुका है और मोदी सरकार ने लोगों का ट्रेन से सफर करना भी मुश्किल कर दिया है।

ईडी की याचिका पर हाईकोर्ट ने सोनिया, राहुल से मांगा जवाब

नई दिल्ली, एजेंसी

नेशनल हेराल्ड केस

- **नोटिस जारी किया, मामले पर 12 मार्च को होगी सुनवाई**

दिल्ली हाईकोर्ट ने सोमवार को कांग्रेस नेताओं सोनिया गांधी, राहुल गांधी और अन्य से ईडी की उस याचिका पर जवाब देने को कहा, जिसमें नेशनल हेराल्ड मामले में उनके खिलाफ दायर आरोपपत्र पर संज्ञान लेने से इन्कार करने वाले निचली अदालत के आदेश को चुनौती दी गई है। न्यायमूर्ति रविंदर डुडेजा ने गांधी परिवार और अन्य लोगों को मुख्य याचिका के साथ ईडी के उस आवेदन पर भी नोटिस जारी किया, जिसमें 16 दिसंबर के निचली अदालत के आदेश पर रोक लगाने का अनुरोध किया गया है।

निचली अदालत ने कहा था कि इस मामले में एजेंसी की शिकायत का संज्ञान लेना कानूनी रूप से अस्वीकार्य है क्योंकि यह प्राथमिकी पर आधारित नहीं है। उच्च न्यायालय ने मामले की अगली सुनवाई के लिए 12 मार्च 2026 की तारीख तय की। इस मामले में सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने ईडी का प्रतिनिधित्व किया, जबकि वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी और आर एस चीमा ने गांधी परिवार की ओर से पैरवी की। निचली अदालत ने आदेश में कहा कि धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) की अनुसूची में उल्लिखित अपराध के लिए प्राथमिकी के अभाव में धन शोधन के अपराध से संबंधित जांच और उसके परिणामस्वरूप अभियोग शिकायत (आरोपपत्र के समकक्ष) मान्य नहीं है। अदालत ने कहा कि एजेंसी की जांच निजी शिकायत पर शुरू हुई थी, न कि प्राथमिकी पर।

पनडुब्बी रोधी पोत अंजदीप नौसेना के हवाले

नई दिल्ली। पनडुब्बी रोधी पोत 'अंजदीप' को सोमवार को चेन्नई में भारतीय नौसेना को सौंप दिया गया। गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स (जीआरएसई) कोलकाता द्वारा स्वदेशी रूप से डिजाइन और निर्मित आठ एएसडब्ल्यू एसडब्ल्यूसी (पनडुब्बी रोधी उथले पानी का जहाज) में से यह तीसरा पोत है।

अत्याधुनिक प्रणालियों से लैस 77 मीटर लंबा युद्धपोत

लगभग 77 मीटर लंबाई वाला यह जहाज भारतीय नौसेना का सबसे बड़े वाटरजेट पोत है और अत्याधुनिक हल्के टॉरपीडो, स्वदेशी रूप से निर्मित पनडुब्बी रोधी रॉकेट और सोनार से सुसज्जित हैं। यह पानी के नीचे के खतरों का प्रभावी ढंग से पता लगाने और उनसे निपटने में सक्षम है।

निर्माण में 80 प्रतिशत स्वदेशी सामग्री का इस्तेमाल

अंजदीप की आपूर्ति भारतीय नौसेना के स्वदेशी जहाज निर्माण में महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इसमें 80 प्रतिशत स्वदेशी सामग्री इस्तेमाल की गई है। यह जहाज घरेलू रक्षा विनिर्माण पारिस्थिकी तंत्र के विकास और आयात पर निर्भरता कम करने का प्रमाण है।

पुलवामा में आतंकियों का सहयोगी गिरफ्तार

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर के पुलवामा जिले में सुरक्षा बलों ने सोमवार को आतंकवादियों के एक सहयोगी को गिरफ्तार किया। उससे एक पिस्टल और कारतूस भी बरामद किए गए हैं।

एक अधिकारी ने बताया कि पुलिस, सीआरपीएफ और सेना के एक संयुक्त दल ने पुलवामा के अवंतीपोरा के वुयान इलाके में घेराबंदी और तलाशी के दौरान जावेद अहमद हाजम को गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान हाजम के पास से एक पिस्तौल और पांच कारतूस समेत हथियार और गोला-बारूद बरामद किए गए।

राजस्थान: 15 गांवों में बहुओं-बेटियों पर कैमरे वाले फोन के इस्तेमाल पर पाबंदी

जोधपुर, एजेंसी

- **जालोर जिले की ग्राम पंचायत गाजीपुर में चौधरी समुदाय की ओर से लिया फैसला चर्चा में**

राजस्थान में जालोर जिले की एक ग्राम पंचायत ने 15 गांवों की बहुओं और बेटियों के कैमरा वाले मोबाइल फोन के इस्तेमाल करने पर पाबंदी लगा दी है। इसके अलावा, सार्वजनिक समारोहों या पड़ोसी के घर मोबाइल फोन ले जाना भी प्रतिबंधित होगा। उन्हें केवल कीपैड वाले फोन का उपयोग करने की अनुमति होगी। यह पाबंदी 26 जनवरी से लागू होगी।

यह निर्णय जालोर जिले के गाजीपुर गांव में रविवार को चौधरी समुदाय की एक बैठक के दौरान लिया गया, जिसकी अध्यक्षता 14 पट्टियों (उप-मंडलों) के अध्यक्ष सुजनाराम चौधरी ने की। चौधरी ने बताया कि पंच हिम्मतराम ने इस फैसले की घोषणा की। हिम्मतराम के अनुसार, पंच सदस्यों और समुदाय के सदस्यों के बीच चर्चा के बाद यह निर्णय लिया गया कि बहुएं और बेटियां केवल कीपैड वाले फोन का उपयोग करेंगी।

चौधरी ने बताया कि स्कूल जाने वाली लड़कियां, जिन्हें पढ़ाई के लिए मोबाइल फोन की जरूरत है, उनका उपयोग केवल घर पर ही कर सकती हैं। उन्होंने कहा कि स्कूली लड़कियों को शादियों, सामाजिक कार्यक्रमों या यहां तक कि पड़ोसी के घर भी मोबाइल फोन ले जाने की अनुमति नहीं होगी।पंचायत के फैसले के विरोध के जवाब में चौधरी ने स्पष्ट किया कि यह कदम इसलिए उठाया गया है कि बच्चे अक्सर घरों में महिलाओं के मोबाइल फोन का इस्तेमाल करते हैं, जिससे उनकी आंखों की रोशनी पर बुरा असर पड़ सकता है। उन्होंने बताया कि कुछ महिलाएं बच्चों का ध्यान भटकाने के लिए उन्हें मोबाइल फोन दे देती हैं।

निर्वाचन आयोग ने पश्चिम बंगाल में एसआईआर प्रक्रिया में भारी त्रुटियां कीं: ममता

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने निर्वाचन आयोग पर तीखा हमला करते हुए सोमवार को आरोप लगाया कि राज्य में मतदाता सूचियों की अब तक की गई एसआईआर प्रक्रिया के बाद प्रकाशित मसौदा सूचियों में 'भारी त्रुटियां' हैं।

ममता बनर्जी ने यहां नेताजी इनडोर स्टेडियम में तृणमूल कांग्रेस के बूथ स्तरीय कार्यकर्ताओं की बैठक को संबोधित करते हुए इस कवायद को शुरू से आखिर तक त्रुटियों वाली करार दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि निर्वाचन आयोग राज्य सरकार को सूचित किए बिना पर्यवेक्षकों की नियुक्ति कर रहा है और भाजपा के हितों को आगे बढ़ाने के लिए काम कर रहा है। उन्होंने दावा किया, निर्वाचन आयोग केवल भाजपा के निर्देशों पर काम कर रहा है।

- **आयोग पर सिर्फ भाजपा के निर्देशों पर काम करने का आरोप**

ममता ने कहा कि राज्य में एसआईआर प्रक्रिया के गणना के चरण में मतदाताओं की मैपिंग में भारी त्रुटियां हुई हैं। हजारों सही मतदाताओं के नाम मसौदा सूचियों से हटा दिए गए हैं। उन्होंने कहा, हमें नहीं पता कि इतने सारे असली मतदाताओं की समस्याओं को इतने कम समय में कैसे हल किया जा सकता है। पश्चिम बंगाल में गणना के चरण के बाद प्रकाशित मसौदा मतदाता सूचियों में से 58,20,899 नाम हटाए गए हैं और राज्य में मतदाताओं की संख्या घटकर 7.08 करोड़ रह गई है।

सुलतानपुर में खड़े ट्रक में घुसी कार, तीन की मौत

जिला संवाददाता, सुलतानपुर

अमृत विचार: घने कोहरे के बीच सोमवार सुबह करीब 8:20 बजे पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर जयसिंहपुर थाना क्षेत्र के दरपीपुर के पास लखनऊ से आजमगढ़ जा रही तेज रफ्तार कार खड़े ट्रक में पीछे से जा घुसी। हादसे में कार सवार तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि एक ही परिवार के सात सदस्य गंभीर रूप से घायल हो गए।

दुर्घटना में कार चालक सिकंदर (27), शंभूलाल (55) निवासीगण तेवखार, सरायमीर आजमगढ़ तथा सुरेंद्र (30) निवासी गुड़ियावा आजमगढ़ की मौत हो गई। हादसे में सुरेंद्र की पत्नी खुशबू (27), पुत्री सनाया (06), शंभूलाल की पत्नी मीना देवी (35), पुत्र कोहिनूर (16), बड़ी पुत्री उजाला (24), छोटी पुत्री कुमारी रोशनी (15) और सबसे छोटा पुत्र अंश (12) गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायलों को सीएचसी दोस्तपुर से प्राथमिक उपचार के बाद अंबेडकरनगर जिला अस्पताल रेफर किया गया। सूचना पर पहुंचे यूपीडा के सहायक सुरक्षा अधिकारी त्रिलोकी नाथ पांडेय ने बताया कि सिकंदर व सुरेंद्र की मौत घटनास्थल पर ही हो गई थी।

पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर दुर्घटनाग्रस्त कार।

- **सुलतानपुर में पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर भीषण हादसा, सात घायल**

दिल्ली आकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिले नीतीश कुमार और सम्राट चौधरी

नई दिल्ली। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। यह मुलाकात राज्य के विधानसभा चुनाव में राजग की शानदार जीत के बाद कुमार के पूर्वी राज्य की कमान फिर संभालने के लगभग एक महीने बाद हुई। प्रधानमंत्री से मुलाकात के दौरान कुमार के साथ बिहार के उपमुख्यमंत्री और भाजपा नेता सम्राट चौधरी और जदयू नेता व केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह भी मौजूद थे।

- **गृहमंत्री से भी की मुलाकात, राज्य के विकास के मुद्दों पर चर्चा**

प्रधानमंत्री कार्यालय ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, केंद्रीय मंत्री ललन सिंह ने आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। बैठक के बाद चौधरी ने कहा कि बिहार में राजग को मिले भारी जनादेश के बाद, मुख्यमंत्री, उन्होंने और सिंह ने विश्व के सबसे लोकप्रिय नेता प्रधानमंत्री मोदी के साथ शिष्टाचार भेंट की।

इससे पहले बिहार के मुख्यमंत्री ने गृह मंत्री अमित शाह से भी मुलाकात की थी। नीतीश दो दिवसीय दौरे पर रविवार को राष्ट्रीय राजधानी पहुंचे थे। शाह के आवास पर हुई बैठक के दौरान नेताओं ने राज्य के विकास से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। नीतीश की राजग नेताओं के साथ होने वाली बातचीत में राज्य मंत्रिमंडल के विस्तार का मुद्दा प्रमुखता से उठने की संभावना है।

बीएलओ का प्रदर्शन, एसआईआर में अत्यधिक दबाव का आरोप

कोलकाता, एजेंसी

- **सीईओ कार्यालय के सामने पुलिस से हुई झड़प, सुरक्षा बल तैनात**

तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के प्रति झुकाव रखने वाली बीएलओ अधिकार रक्षा समिति से संबद्ध 400 प्रदर्शनकारियों ने बूथ स्तर के अधिकारियों (बीएलओ) पर काम के दबाव को लेकर सोमवार को मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) कार्यालय के सामने प्रदर्शन किया तथा पुलिस से उनकी झड़प भी हुई।

प्रदर्शनकारियों ने पुलिस अवरोधक पर चढ़ने और सीईओ कार्यालय के मुख्य द्वार की ओर बढ़ने की कोशिश की। भारी संख्या में पुलिस बल तैनात रहा। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के दौरान प. बंगाल में बीएलओ पर कथित तौर पर काम का दबाव बढ़ने और दिशानिर्देशों में बार-बार होने वाले बदलावों को लेकर प्रदर्शनकारी सीईओ मनोज अग्रवाल को शिकायतें देना चाहते थे। पुलिसकर्मियों ने प्रदर्शनकारियों को आगे बढ़ने से रोका, जिसके चलते झड़प हुई और कुछ प्रदर्शनकारियों को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। भीड़ को नियंत्रित करने की कोशिश में पुलिस का एक अधिकारी घायल हो गया, जबकि प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि एक महिला प्रदर्शनकारी से पुलिस ने मारपीट की।

अदालत ने पूर्व विधायक विजय मिश्रा, अन्य के खिलाफ ईडी के आरोपपत्र का लिया संज्ञान

नई दिल्ली। लखनऊ में विशेष अदालत ने ईडी द्वारा उत्तर प्रदेश के पूर्व विधायक दंपति विजय मिश्रा और रामलाली मिश्रा तथा तीन अन्य के खिलाफ आय के ज्ञात स्रोतों से अधिक संपत्ति जुटाने के आरोप में दायर अभियोजन शिकायत का संज्ञान लिया। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी।

इस साल 31 जुलाई को दायर अभियोजन शिकायत (आरोपपत्र) में धन शोधन रोधी एजेंसी ने मिश्रा दंपति के बेटे विष्णु मिश्रा, उनके द्वारा स्थापित कंपनी वीएसपी स्टारर रियल्टी प्राइवेट लिमिटेड और उनके सहयोगी भोलानाथ राजपति शुक्ला का नाम भी शामिल किया है। ईडी ने कहा कि विशेष अदालत ने 18 नवंबर को आरोपों का संज्ञान लिया। ईडी ने उत्तर प्रदेश पुलिस द्वारा दर्ज किए गए एक मामले के आधार पर जांच शुरू की, जिसमें मिश्रा दंपति पर अपने कार्यकाल के दौरान 36.07 करोड़ रुपये की आय से ज्यादा संपत्ति जमा करने का आरोप लगाया गया है।

संकट | पिछले साल की तुलना में हालात इस बार ज्यादा खराब, 20 दिन रेड जोन में रही राष्ट्रीय राजधानी

दिल्ली : दिसंबर में एक भी दिन एक्यूआई 200 से नीचे नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी

राष्ट्रीय राजधानी में इस महीने लगभग 20 दिन वायु प्रदूषण का स्तर 'रेड जोन' में बना रहा और लोगों को खतरनाक वायु प्रदूषण से कोई राहत नहीं मिली। आंकड़ों के अनुसार दिसंबर में अब तक एक भी दिन ऐसा नहीं रहा जब वायु गुणवत्ता सूचकांक 'मध्यम' श्रेणी में दर्ज किया गया हो ।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों के अनुसार, पिछले साल दिसंबर में आठ दिन ऐसे थे जब एक्यूआई का स्तर 200 से नीचे रहा। पिछले दिसंबर में भी सूचकांक 200 से ऊपर रहने के साथ आठ दिन ऐसे दर्ज किए गए जब वायु गुणवत्ता 'खराब' रही, और छह दिन ऐसे थे जब सूचकांक 'गंभीर' रहा, जब स्तर 400 के पार पहुंच गया। पिछले साल एक से सात दिसंबर के बीच, दिल्ली की वायु गुणवत्ता काफी हद तक ''मध्यम'' से 'खराब' श्रेणी में रही, सिवाय एक दिन के जब यह 300 से ऊपर 'बहुत खराब' श्रेणी में पहुंच गई, और फिर अगले दिन 'मध्यम' श्रेणी में आ गई। हालांकि, इस दिसंबर में वायु गुणवत्ता लगातार खतरे के निशाने पर बनी रही, जिसमें एक से आठ दिसंबर तक सूचकांक 300 से ऊपर रहा।

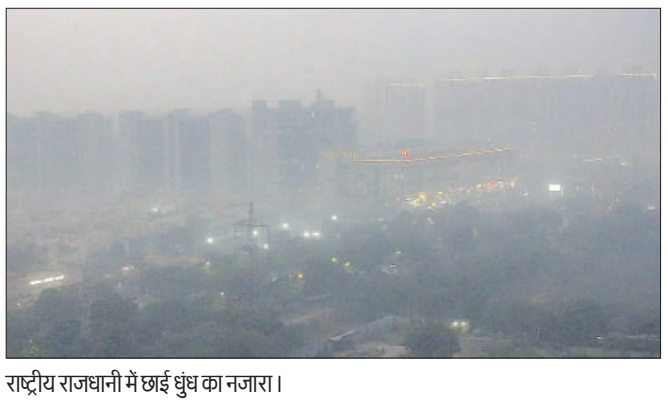

राष्ट्रीय राजधानी में छाई धुंध का नजारा।

आंकड़ों से पता चलता है कि दिल्ली को लगातार दो दिन तक राहत मिली जब प्रदूषण का स्तर 'खराब' श्रेणी में आ गया, लेकिन 11 दिसंबर को यह फिर से खतरे के निशाने पर पहुंच गया और तब से वहीं बना हुआ है। उन दो दिनों को छोड़कर, दिल्ली की वायु गुणवत्ता लगभग पूरे महीने 'बहुत खराब' रही है, जिसमें एक्यूआई का स्तर 300 से ऊपर बना रहा। सीपीसीबी के आंकड़ों के अनुसार, सोमवार शाम चार बजे दिल्ली का 24 घंटे का औसत एक्यूआई 373 दर्ज किया गया, जो 'बहुत खराब' श्रेणी में आता है।

अमृत विचार

मंगलवार, 23 दिसंबर 2025

किसी को सिर्फ अपने धर्म का सम्मान और दूसरों के धर्म की निंदा नहीं करनी चाहिए।
–सम्राट अशोक

ठोस कूटनीति की जरूरत

बांग्लादेश में आम चुनाव से पहले जिस तरह तेज हुई हिंसा में हिंदू समुदाय, उनकी संपत्तियों व मंदिरों को निशाना बनाया जा रहा है, निरपराध हिंदू युवक को ईशनिंदा के झूटे बहाने से मारा गया, वह घोर चिंता का विषय है। ऐसे में मोहन भागवत का 'बांग्लादेश में हिंदू एकजुट हों' वाला बयान भावनात्मक रूप से प्रेरक भले लगे, पर जब वहां के हिंदू अल्पसंख्यक सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक रूप से बेहद कमजोर हैं, तो केवल एकजुटता का आह्वान उन्हें कितना सुरक्षित कर पाएगा? बांग्लादेश में हिंदुओं की आबादी अब कुल जनसंख्या का सात प्रतिशत से थोड़ा ही अधिक रह गई है। लोकतंत्र संख्या का खेल है; ऐसे में सवा करोड़ से कम लोगों की आवाज़ सत्ता-संरचना तक कैसे पहुंचेगी?

गोपालगंज, मौलवी बाजार और ठाकुरगांव जैसे कुछ जिलों में हिंदुओं की हिस्सेदारी किंचित उल्लेखनीय है, लेकिन राष्ट्रीय स्तर पर वे बिखरे हुए हैं। इस बिखराव और अल्पसंख्यक स्थिति में 'एकजुटता' का अर्थ नैतिक बल से आगे नहीं बढ़ पाता, क्योंकि उनके पास न धन है, न पद, न प्रशासन और न सुरक्षा तंत्र में पर्याप्त प्रतिनिधित्व। एकजुटता के उपदेश से इतर प्रताड़ित हिंदुओं को कैसे प्रतिकार करना है, इस पर ठोस मार्गदर्शन आवश्यक है, केवल चिंता और नैतिक समर्थन से जमीनी हालात कैसे बदलेंगे? पिछले 16 महीनों में हिंदुओं को निशाना बनाने की शताधिक घटनाएं हुई हैं, पर अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं की चुप्पी जारी है। क्या इस मौन को तोड़ने के लिए पर्याप्त कूटनीतिक दबाव बनाया गया? विश्व हिंदू परिषद जैसे संगठनों के आह्वान से कुछ असर शायद ही पड़े। शेख हसीना की भारत में मौजूदगी को बहाना बनाकर भारत-विरोधी माहौल बनाया जा रहा है, लेकिन मूल कारण सत्ता-संघर्ष, कट्टरता और दंडहीनता की संस्कृति है। भारत के लिए यह केवल भावनात्मक या धार्मिक मुद्दा नहीं, बल्कि विदेश नीति और क्षेत्रीय स्थिरता का प्रश्न है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता द्वारा हिंदू युवक दीपू चंद्र दास की हत्या के दोषियों को न्याय के कटघरे में लाने और अल्पसंख्यकों की सुरक्षा की अपील ही पर्याप्त नहीं। यह भी सच है कि कट्टरपंथी इस्लामिस्ट समूह और भारत-विरोधी ताकतें इस हिंसा से लाभ उठा रही हैं। ऐसे में भारत को बांग्लादेश पर यह स्पष्ट दबाव बनाना होगा कि अल्पसंख्यकों विशेषकर हिंदुओं की जान-माल की सुरक्षा उसकी संवैधानिक जिम्मेदारी है। बांग्लादेश में हिंदू आबादी का निरंतर सिकुड़ना भारत और वैश्विक समुदाय दोनों के लिए चिंता का विषय होना चाहिए। द्विपक्षीय वार्ताओं, व्यापारिक और कनेक्टिविटी समझौतों में मानवाधिकार की शर्तों को जोड़ना होगा।

तात्कालिक तौर पर भारत को अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर मुद्दा उठाना, संयुक्त राष्ट्र और मानवाधिकार संस्थाओं को सक्रिय करना और पीड़ितों के लिए तत्काल राहत व कानूनी सहायता सुनिश्चित करनी चाहिए। दीर्घकालिक उपायों के तहत हमें अल्पसंख्यक सुरक्षा को बांग्लादेश के साथ रिश्तों की अनिवार्य शर्त बनाना होगा। बांग्लादेशी हिंदुओं की सुरक्षा बयानों और आधे-अधूरे उपायों से नहीं, बल्कि संगठित अंतर्राष्ट्रीय दबाव, सुसंगत कूटनीति और ठोस कार्रवाई से ही सुनिश्चित हो सकती है और यही समय की मांग है।

प्रसंगवश

एक उत्सव दिव्यांगजनों की रचनात्मकता का

नेताजी सुभाषचंद्र बोस की इंडिया गेट पर जहां आदमकद मूर्ति स्थापित है, उसके आसपास बीते दिनों रोज हजारों लोग पहुंच रहे थे। ये सब नेताजी की मूर्ति को नमन करने के बाद दिव्यांगजनों की प्रतिभा, रचनात्मकता और उद्यमिता को देखकर मंत्रमुग्ध हो रहे थे। मौका था दिव्य कला मेला-2025 का। अब इस तरह के मेले देश के सभी राज्यों में आयोजित हो रहे हैं। इस मेले में आए दिव्यांग कलाकारों और उद्यमियों के स्टॉल लगे, जहां वे हस्तशिल्प, चित्रकला, ज्वेलरी, खाद्य उत्पाद और अन्य हस्त निर्मित वस्तुओं का प्रदर्शन कर रहे थे। यह मेला दिव्यांगों की क्षमताओं को मुख्यधारा में लाने का एक महत्वपूर्ण प्रयास है। ऐसे मेलों का आयोजन न केवल दिव्यांगजनों को आर्थिक अवसर प्रदान करता है, बल्कि समाज में समावेशिता की भावना को मजबूत करता है।

दिव्य कला मेला जैसे आयोजनों के लाभ बहुआयामी हैं। सबसे पहले, ये आर्थिक सशक्तिकरण के सशक्त माध्यम हैं। भारत में करोड़ों दिव्यांगजन हैं, जिनमें से कई ग्रामीण क्षेत्रों से आते हैं और रोजगार के अवसरों से वंचित रहते हैं। ऐसे मेलों में स्टॉल लगाने का अवसर मिलने से वे अपने उत्पादों को सीधे उपभोक्ताओं तक पहुंचा सकते हैं। उदाहरण के लिए, इस वर्ष के मेले में 28वें संस्करण में सैकड़ों दिव्यांग उद्यमी भाग लेने आए, जो अपने हस्तशिल्प को बेचकर आय अर्जित कर रहे हैं।

विवेक शुक्ला
पूर्व सूचना अधिकारी, यूएई एंबेसी

यह न केवल उनकी आर्थिक स्वतंत्रता बढ़ाता है, बल्कि उन्हें बाजार की समझ भी देता है। सरकार द्वारा प्रदान की जाने वाली सहायता, जैसे यात्रा भत्ता और स्टॉल की सुविधा, इन व्यक्तियों को बिना किसी अतिरिक्त बोझ के भाग लेने की अनुमति देती है। इन्हें रहने के लिए प्रतिदिन 2200 रुपये मिले। परिणामस्वरूप, कई दिव्यांगजन छोटे व्यवसाय स्थापित कर आत्मनिर्भर बनते हैं, जो गरीबी उन्मूलन में योगदान देता है।

दूसरा प्रमुख लाभ सामाजिक समावेशिता का है। समाज में दिव्यांगजनों के प्रति अक्सर पूर्वाग्रह और दया की भावना रहती है, लेकिन ऐसे मेलों से यह धारणा बदलती है। मेले में एक 'एक्सेसिबिलिटी सिमुलेशन जोन' जैसी सुविधाएं हैं, जहां सामान्य लोग दिव्यांगता की चुनौतियों का अनुभव कर सकते हैं। इससे सहानुभूति और समझ बढ़ती है, जो एक समावेशी समाज की नींव रखती है। दिल्ली जैसे महानगर में इंडिया गेट पर आयोजित होने से यह मेला बहुत बड़ी संख्या में पर्यटकों और स्थानीय निवासियों को आकर्षित करता रहा, जो दिव्यांग कलाकारों की प्रतिभा को देखकर प्रेरित हुए। इससे दिव्यांगजन मुख्यधारा में शामिल महसूस करते हैं और उनकी आत्मविश्वास बढ़ता है।

दिव्य कला मेला में प्रदर्शित उत्पाद भारतीय संस्कृति की विविधता को भी दर्शाते हैं। राजस्थानी हस्तकला से लेकर पूर्वोत्तर के बांस उत्पाद तक। यह न केवल सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करता है, बल्कि दिव्यांग कलाकारों को अपनी कला को वैश्विक स्तर पर ले जाने का मौका देता है। मेले में सांस्कृतिक कार्यक्रम, नृत्य और संगीत प्रदर्शन होते रहे, जो दिव्यांगजनों की बहुमुखी प्रतिभा को उजागर करते हैं। इससे युवा पीढ़ी प्रेरित होती है और दिव्यांग बच्चे अपने सपनों को साकार करने के लिए उत्साहित होते हैं। पर्यावरणीय दृष्टि से भी ये मेला लाभदायक हैं, क्योंकि कई उत्पाद पर्यावरण-अनुकूल सामग्रियों से बने होते हैं, जो सतत विकास को बढ़ावा देते हैं। कुल मिलाकर, ऐसे मेलों से समाज का सामूहिक विकास होता है, जहां हर व्यक्ति की क्षमता का सम्मान किया जाता है।

जापान में बढ़ती ब्याज दरें व रिजर्व बैंक की रणनीति

रजत मेहरोत्रा
वित्तीय एवं आर्थिक विशेषज्ञ

दुनिया की वित्तीय व्यवस्था में जापान का स्थान हमेशा 'सस्ते पैसे' के सबसे बड़े स्रोत की तरह रहा है। दशकों तक जापान में ब्याज दरें लगभग शून्य रहीं, जिससे वैश्विक निवेशकों को येन में बहुत कम लागत पर उधार लेकर अमेरिका, यूरोप और भारत जैसे देशों में ऊंचे रिटर्न वाली संपत्तियों में निवेश करने का अवसर मिला। इसे 'येन कैरी ट्रेड' कहा जाता है, लेकिन अब यह व्यवस्था पलट रही है। दिसंबर 2025 में बैंक ऑफ जापान ने नीति दर बढ़ाकर 0.75% कर दी। यह लगभग 30 वर्षों के उच्च स्तर के करीब माना जा रहा है। इसी के साथ जापान के 10-वर्षीय सरकारी बॉन्ड (JGB) की यील्ड 2% के ऊपर निकल गई और एक बिंदु पर 2.005% तक दर्ज हुई। यह बदलाव सिर्फ जापान की घरेलू महंगाई या नीति का विषय नहीं, बल्कि वैश्विक पूंजी प्रवाह, बॉन्ड यील्ड, मुद्रा बाजार और उभरते देशों की वित्तीय स्थिरता के लिए बड़ा संकेत है।

दुनिया के लिए चिंता की पहली वजह यही है कि जापान का 'लो-रेट युग' खत्म होने की ओर बढ़ रहा है। जब जापान में रिटर्न बढ़ता है, तो जापानी निवेशक, जो वर्षों से विदेशी बॉन्ड और इक्विटी के बड़े खरीदार रहे हैं, अपनी पूंजी देश में वापस लाने लगते हैं या कम से कम नई विदेशी खरीद घटा देते हैं। इसका असर अमेरिका व यूरोप के बॉन्ड बाजार तक पहुंचता है। मांग घटेगी तो यील्ड बढ़ सकती है और यील्ड बढ़ेगी तो वैश्विक उधारी महंगी होगी। पहले से बड़े कर्ज बोझ से जूझ रही सरकारों और कंपनियों के लिए यह दबाव बहुत संवेदनशील है। इसके अलावा, कई हेज फंड और संस्थागत निवेशक जापानी येन में उधार लेकर वैश्विक बाजारों में जोखिम वाली संपत्तियों (शेयर, हाई-यील्ड बॉन्ड, इमर्जिंग मार्केट एसेट्स) में निवेश करते थे। ब्याज दर बढ़ते ही कैरी ट्रेड का फायदा कम होता है और अचानक 'पोजिशन अनवाइंडिंग' होती है, जिससे दुनियाभर के शेयर बाजारों में उतार-चढ़ाव तेज हो सकता है।

जापान का 'लो-रेट युग' खत्म होने की ओर बढ़ रहा है। जब जापान में रिटर्न बढ़ता है, तो जापानी निवेशक अपनी पूंजी देश में वापस लाने लगते हैं या कम से कम नई विदेशी खरीद घटा देते हैं।

दूसरी बड़ी चिंता मुद्रा बाजार से आती है। दिलचस्प बात यह है कि दर बढ़ाने के बाद भी येन में कमजोरी देखी गई और डॉलर के मुकाबले येन करीब 157.38 तक चला गया। वित्त मंत्रालय ने संकेत दिए कि यदि मुद्रा में 'अत्यधिक, एकतरफा' चाल हुई तो कार्रवाई हो सकती है और बाजार में यह चर्चा भी रही कि 160 के आसपास की स्थिति पर सख्ती संभव है। मुद्रा की यह अस्थिरता भारत जैसे देशों के लिए इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि वैश्विक निवेशक जब जोखिम से बचते हैं, तो उभरते बाजारों से पूंजी निकालकर डॉलर जैसी सुरक्षित मुद्रा की ओर जाते हैं। ऐसे में रुपया दबाव में आता है और रुपये पर दबाव आते ही आयात महंगा होने लगता है।

अब प्रभाव भारत पर कैसे आएगा? पहला असर विदेशी पोर्टफोलियो निवेश के माध्यम से दिखता है। 2025 में भारतीय इक्विटी बाजारों से विदेशी संस्थागत निवेशकों ने कुल मिलाकर लगभग 1.58 लाख करोड़ की निकासी की रिपोर्टें सामने आईं। जब जापान में रिटर्न बढ़ता है और ग्लोबल जोखिम भावना बदलती है, तो इस तरह के आउटफ्लो का दबाव दोबारा तेज हो सकता है, खासकर तब जब वैश्विक फंड 'सेफ' एसेट्स की ओर शिफ्ट करते हैं। इससे भारतीय शेयर बाजार में अस्थिरता बढ़ेगी और जिन कंपनियों में विदेशी हिस्सेदारी ज्यादा है, उनके शेयरों पर ज्यादा दबाव देखा जा सकता है। बाजार अस्थिर होने पर कंपनियों के लिए नई पूंजी जुटाना भी महंगा पड़ता है। आईपीओ, क्यूआईपी या बॉन्ड इश्यू सब पर प्रभाव पड़ता है।

दूसरा असर उधारी लागत और बॉन्ड यील्ड के रास्ते आता है। वैश्विक यील्ड ऊपर जाने का मतलब यह है कि भारत की कंपनियां जब विदेशी मुद्रा में बॉन्ड जारी करती हैं या विदेश से कर्ज लेती हैं, तो उनकी लागत बढ़ सकती है। इंफ्रास्ट्रक्चर, रियल एस्टेट, पॉवर, टेलिकॉम, एविएशन जैसे पूंजी-गहन क्षेत्रों के लिए यह झटका ज्यादा तेज हो सकता है। तीसरा असर रुपये और आयात लागत के जरिए आता है। भारत की अर्थव्यवस्था आयात-निर्भर है। विशेषकर ऊर्जा, इलेक्ट्रॉनिक्स और कई इंडस्ट्रियल इनपुट में। उदाहरण के तौर पर, वित्त वर्ष 2025-26 (अप्रैल–अक्टूबर) में भारत का कच्चे तेल का आयात बिल लगभग 71.2 अरब डॉलर रहा। यदि रुपये में कमजोरी आती है, तो कच्चे तेल, गैस, मशीनरी, कॉपर, हाई-एंड कंपोनेंट्स जैसी चीजें और महंगी होंगी और यही लागत अंततः कंपनियों के मार्जिन और उपभोक्ता कीमतों में दिखेगी।

भारतीय उपभोक्ताओं पर असर दो स्तरों पर आएगा। पहला, आयात महंगा होने से इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटो पार्ट्स, कुछ दवाओं के कच्चे माल और कुछ उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं की कीमतें ऊपर जा सकती हैं। दूसरा, बाजार अस्थिर होने पर आम निवेशक के पोर्टफोलियो (म्यूचुअल फंड, शेयर) की वैल्यू में तेज उतार-चढ़ाव होगा, जिससे 'वेल्थ इफेक्ट' घटता है और उपभोग व्यवहार सतर्क हो जाता है। यदि वैश्विक उधारी लागत बढ़ती है, तो घरेलू बैंक भी जोखिम का मूल्यांकन सख्त कर सकते हैं, जिससे कुछ लोन सेगमेंट में स्प्रेड बढ़ने की संभावना रहती है।

ऐसे माहौल में आरबीआई की नीति भूमिका निर्णायक हो जाती है। दिसंबर 2025 में आरबीआई ने रेपो रेट 25 बेसिस पॉइंट घटाकर 5.25% कर दिया और 2025 के दौरान कुल मिलाकर 125 bps की कटौती का संकेत मिला। यह हाल के वर्षों में सबसे आक्रामक easing चक्रों में गिना जा रहा है। आरबीआई ने नीति रुख 'न्यूट्रल' रखा, यानी आगे के फैसले डेटा-आधारित रहेंगे। महंगाई के मोर्चे पर हालिया महीनों में नरमी भी दिखी। नवंबर 2025 की खुदरा महंगाई 0.71% बताई गई, जो लक्ष्य के मुकाबले काफी नीचे है। आरबीआई का वास्तविक 'संतुलन' यह होगा कि वह ग्रोथ-सपोर्ट भी दे और मुद्रा/वित्तीय स्थिरता भी बचाए। यानी जरूरत पड़ने पर तरलता प्रबंधन, बाजार संचालन और विदेशी मुद्रा बाजार में प्रबंधन के उपायों को सक्रिय रखे।

आमने

देश के अंदर दो नमूने हैं। एक दिल्ली और एक लखनऊ में। जब देश में कोई चर्चा होती है, तो तुरंत वो देश छोड़कर भाग जाते हैं। मुझे लगता है कि आपके 'बबुआ' के साथ भी यही हो रहा है। वह भी फिर जाएंगे इंग्लैंड के सैर-सपाटे पर और आप लोग यहां चिल्लाते रहेंगे।
–योगी आदित्य नाथ
मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश

सामने

किसी को उम्मीद नहीं थी कि दिल्ली-लखनऊ की लड़ाई यहां तक पहुंच जाएगी। संवैधानिक पदों पर बैठे लोग आपस में कुछ तो लोक-लाज रखें। भाजपाई अपनी पार्टी के अंदर की खींचातान को चौराहे पर न लाएं। कहीं कोई बुरा मान गया तो वापस जाना पड़ेगा।
–अखिलेश यादव
अध्यक्ष, समाजवादी पार्टी

बांग्लादेश: हादी की हत्या में साजिश का पहलू

डॉ. विकास शुक्ला
लेखक

बांग्लादेश में आम चुनाव होने हैं, लेकिन अब इस चुनाव के टलने के आसार भी हैं। इंकलाब मंच के संयोजक और चर्चित छात्र नेता शरीफ उस्मान हादी का रुख भारत विरोधी था, लेकिन वह अंतरिम सरकार के मुखिया मोहम्मद युनूस के लिए भी खतरा बन गया था। ऐसे में उसकी मौत के पीछे साजिशों की बू आ रही है। उसकी हत्या के पीछे न सिर्फ चुनाव टालने और सत्ता बचाने का खेल हो सकता है, बल्कि भारत विरोधी एजेंडे को भी आगे बढ़ाने की गहरी चाल हो सकती है।

जब भी खालिदा जिया की पार्टी सत्ता में रही, वहां भारत विरोधियों को न सिर्फ उठने का मौका मिला, बल्कि उन्हें सत्ता का संरक्षण भी मिला। पड़ोस में आतंकियों खासकर पाकिस्तान समर्थित आतंकियों ने पांव जमाए और भारत में खून-खराबा भी किया, लेकिन आवामी लीग की मुखिया शेख हसीना के सत्ता में आने के बाद भारत के प्रति वहां माहौल बदल गया था। दोनों देश मिलकर कदम से कदम मिलाते हुए आगे बढ़ रहे थे। बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था बड़ी ही तेजी से बढ़ रही थी। आतंकी ताकतें खामोश हो गईं थीं। बांग्लादेश की धरती से भारत के विरुद्ध पाकिस्तान द्वारा रची जाने वाली भारत विरोधी साजिशें पूरी तरह बंद हो गईं थीं।

चीन हो या अमेरिका चाहकर भी, वहां पांव नहीं जमा पा रहे थे, लेकिन अब इनके मंसूबे सफल हो रहे हैं, क्योंकि छात्र नेता शरीफ उस्मान हादी के नेतृत्व में बांग्लादेश में हुए आंदोलन के बाद शेख हसीना को सत्ता छोड़कर भागना पड़ा और भारत में शरण लेनी पड़ी। यूनुस सत्ता से चिपके रहना चाहते हैं। बीएनपी नेताओं और आंदोलन कर शेख हसीना को सत्ता से हटाने वाले छात्र नेताओं के भारी दबाव के बाद बड़ी मुश्किल से वे चुनाव कराने को तैयार हुए। घोषणा के बाद भी वे कोशिशें कर रहे थे कि चुनाव टल जाए। हादी लगातार उनकी सरकार पर दबाव बना रहा था। सत्ता से हटाने की धमकियां दे रहा था। यूं कहें तो हादी उनके लिए सबसे बड़ा खतरा बन गया था। अब उसकी हत्या के बाद बांग्लादेश जल रहा है, तो यह कयास लगाए जा रहे हैं कि चुनाव टल जाएंगे। युसूफ का सत्ता में बने रहने का सपना भी साकार होता दिख रहा है। हादी की हत्या के पीछे पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई का हाथ भी हो सकता है, क्योंकि भारत विरोधी भावनाओं को भड़कने से उसे काफी लाभ होगा।

आईएसआई अपनी साजिश में फिलहार कामयाब हो चुका है, क्योंकि वहां जो भी आंदोलन होते हैं, उनमें भारत विरोधी नारे लगते हैं। कट्टरपंथी ताकतें, जो शुरू से पाकिस्तान समर्थित और भारत विरोधी रहीं हैं, वहां की सत्ता पर काबिज होना चाहती हैं, इसलिए भी हिंदुओं और भारत के विरुद्ध आग उगलने में कोई कसर नहीं छोड़ रही हैं। मोहम्मद युनूस तो पूरी तरह से पाकिस्तान के हाथ में खेल रहे हैं। यही वजह है कि भारत के चिकननेक को काटने की धमकी दी जा रही है।

सिलीगुड़ी कॉरिडोर को ही चिकननेक कहते हैं। यह कॉरिडोर 20-22 किलोमीटर चौड़ा है। इसके एक तरफ नेपाल- भूटान और दूसरी तरफ बांग्लादेश है, जो भारत की सुरक्षा के लिए बेहद संवेदनशील और महत्वपूर्ण है। इस कॉरिडोर से ही असम, अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, त्रिपुरा और सिक्किम तक आवागमन होता है। अगर यह कट जाए, तो पूर्वोत्तर भारत बाकी देश से कट जाएगा। इसे ही काटने की धमकी बार-बार बांग्लादेश की धरती से दी जा रही है, हालांकि भारत ने वहां पर सैन्य तैनाती बढ़ा दी है।

बांग्लादेश के हुक्मरानों को भी पता है कि उनके भी अपने दो चिकन नेक क्षेत्र हैं, जो भारत के चिकन नेक कॉरिडोर से कहीं ज्यादा संवेदनशील हैं। उनका पहला चिकननेक लगभग 80 किलोमीटर लंबा नॉर्थ बांग्लादेश कॉरिडोर है। यह दक्षिण दिनाजपुर से लेकर दक्षिण पश्चिम गारो हिल्स तक फैला हुआ है। पिछले दिनों असम के मुख्यमंत्री ने बांग्लादेश के नेताओं को चेताया था कि इस चिकननेक में किसी भी तरह की रुकावट से पूरे रंगपुर डिवीजन को बांग्लादेश के बाकी हिस्सों से पूरी तरह अलग किया जा सकता है। साथ ही उन्होंने उनके दूसरे चिकननेक की बात की थी, जो 28 किलोमीटर लंबा चित्तागोंग कॉरिडोर है। यह कॉरिडोर दक्षिण त्रिपुरा से बंगाल की खाड़ी तक जाता है। यह कॉरिडोर बांग्लादेश की आर्थिक राजधानी चित्तागोंग को उनके राजनीतिक राजधानी ढाका से जोड़ने वाला एकमात्र रास्ता है। यह कॉरिडोर भारत के चिकन नेक कॉरिडोर से छोटा जरूर है, लेकिन इसकी महत्ता बहुत बड़ी है।

बांग्लादेश की सेना हो या वहां के हुक्मरान और नेता सभी को पता है कि वे सिर्फ गीदड़ भभकी दे सकते हैं। अगर उनकी सेना हमले करती है तो बांग्लादेश का नामोनिशान ही मिट जाएगा। यही वजह है कि बांग्लादेश की सेना के प्रमुख ने भारत विरोधी आंदोलन की शुरुआत होते ही स्थिति को संभालना शुरू कर दिया। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार उन्होंने तो भारतीय सेना प्रमुख से बात कर स्थिति भी स्पष्ट की।

छात्र नेता शरीफ उस्मान हादी अंतरिम सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस के लिए खतरा बन गया था। ऐसे में उसकी हत्या के पीछे साजिश हो सकती है।

सोशल फोरम

कभी कलकत्ता से लंदन तक चलती थी बस

शुएब गाजी
ब्लॉगर

1957 में शुरू हुई लंदन से कलकत्ता (अब कोलकाता) तक की यह ऐतिहासिक बस सेवा दुनिया के सबसे लंबे बस मार्गों में गिनी जाती थी। इसे Albert Travels द्वारा संचालित किया गया था। यह बस इंग्लैंड से चलकर बेल्जियम और यूरोप के कई देशों से होती हुई यूगोस्लाविया, तुर्की, ईरान, अफ़ग़ानिस्तान और पश्चिमी पाकिस्तान पार करती थी। भारत में प्रवेश के बाद यह नई दिल्ली, आगरा, इलाहाबाद और बनारस होते हुए अंततः कलकत्ता पहुंचती थी। यह मार्ग आगे चलकर 'हिप्पी रूट' के नाम से मशहूर हो गया।

लंदन से कलकत्ता पहुंचने में लगभग 50 दिन लगते थे। कुल दूरी थी करीब 32,669 किलोमीटर। यह सेवा 1976 तक जारी रही। उस समय पूरे सफ़र की क़ीमत थी 145, जिसमें भोजन, यात्रा और ठहरने की व्यवस्था शामिल थी। बस के बैकग्राउंड में खूबसूरत डोलमाबाहस मस्जिद नज़र आती थी, इसमें पढ़ने की सुविधा, हर यात्री के लिए अलग-अलग स्लीपिंग बंक और पंखों से चलने वाले हीटर मौजूद थे।

पूरी तरह सुसज्जित रसोईघर था और बाद के संस्करणों में ऊपरी डेक पर फ़ॉरवर्ड ऑब्ज़र्वेशन लाउंज भी जोड़ा गया। पार्टियों के लिए रेडियो और म्यूज़िक सिस्टम की सुविधा थी। रास्ते में यात्रियों को प्रमुख पर्यटन स्थलों पर रुकने का समय मिलता था। बनारस के गंगा घाट, आगरा का ताज महल, साल्ज़बर्ग, वियना, इस्तांबुल, काबुल और तेहरान में ख़ास शॉपिंग ब्रेक भी आयोजित किए जाते थे। यह बस सिर्फ़ एक यात्रा नहीं, बल्कि एक चलता-फिरता इतिहास थी।
–फेसबुक वाल से

सामयिकी

इस्लाम में बहस-मुबाहिसा के अर्थ और संस्कृति

कुरआन मजीद के सूरह नहर आयत नंबर 125 में खुदा के वजूद और दीन पर डिबेट करने का हुक्म है। बशर्ते शालीनता, कुशल व्यवहार, सभ्य, मर्यादित और मृदभाषी होकर अपने तर्क रखें। मुसलमानों के रसूल (मोहम्मद साहब) इस तरह की डिबेट करते थे। उनके बाद उनके सहाबी (खलीफा/इमाम) भी यहूदियों इत्यादि के साथ ऐसी डिबेट आयोजित करते थे। मुबाहिला नामक एक डिबेट काफी चर्चित रही है, धार्मिक किताबों में इसका खूब जिक्र है। चौदह सौ साल पहले खुदा के वजूद और दीन के लॉजिक पर दो पैनल्स बैठते थे, और खूब पब्लिक (ऑडियंस) इकट्ठा होती थी। ऐसी ऐतिहासिक बहसों का किताबों में जिक्र है।

चौदह सौ साल बाद आधुनिक डिजिटल युग में खुदा के अस्तित्व पर करोड़ों की ऑडियंस के बीच एक ऐसी डिबेट आजकल खूब चर्चा में है। एक मीडिया हाउस के यूट्यूब चैनल ने मशहूर गीतकार, लेखक जावेद अख्तर (जो नास्तिक हैं) और खुदा व उसके दीन पर यक़ीन रखने वाले मुफ्ती शमाइल नदवी (आस्तिक) के बीच एक लाइव डिबेट शो आयोजित हुआ, जिसे अब इंटरनेट के माध्यम से करोड़ों लोग देख चुके हैं। इस बहस पर सबकी अपनी अलग-अलग राय है। कोई कह रहा है कि मुफ्ती के तर्कों के आगे जावेद अख्तर धराशाई हो गए, तो कोई कह रहा है कि जावेद अख्तर के आगे मुफ्ती टिक नहीं पाए। आस्तिकों और नास्तिकों के बीच हर दौर में बहसें होती रही हैं।

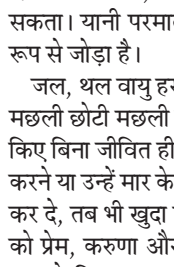

नवेद शिकोह
वरिष्ठ पत्रकार

सनातन धर्म में धार्मिक डिबेट को शास्त्रार्थ नाम दिया गया है। शास्त्रार्थ का चलन तो पौराणिक और वैदिक काल से लेकर त्रेता युग तक रहा है। अब डिजिटल युग में भी आस्तिक और नास्तिक आमने-सामने हैं। जावेद अख्तर और मुफ्ती शमाइल नदवी की शालीन बहस चर्चा में है। नास्तिक अल्लाह-ईश्वर के अस्तित्व पर सवाल उठाते रहे और आस्तिक अपनी आस्था और विश्वास पर अड़े रहे, परमात्मा के वजूद के तर्क देते रहे, लेकिन कुछ सवाल हजारों वर्षों से जवाब के इंतजार में हैं। मसलन अल्लाह-ईश्वर दयालु व कृपालु है। रहीम और रहमान (रहम करने वाला) है। उसने मनुष्य को मानवता का संदेश दिया है। दया और रहम करने का आदेश दिया है। जियो और जीने के सिद्धांत पर अमल करने की ताकीद की है। दया, करुणा, प्रेम की हिदायत दी है।

पर अल्लाह/ईश्वर, गॉड ने अपनी रचना (कुदरत) में जुल्म को अनिवार्य क्यों रखा है! हिरन और शेर जैसे हजारों ऐसे जीव-जंतु बनाए जो जुल्म और अत्याचार के बिना जी ही नहीं सकते। शेर जिंदा हिरन को मारकर, चीरफाड़ खाता है। शेर जुल्म किए बिना जी ही नहीं सकता। यानी परमात्मा/अल्लाह ने जुल्म को सिस्टम से अनिवार्य रूप से जोड़ा है।

जल, थल वायु हर जगह खुदा की कुदरत का जुल्म बरपा है। बड़ी मछली छोटी मछली को खाएगी ही, बड़ा परिंदा छोटे परिंदे पर जुल्म किए बिना जीवित ही नहीं रह सकता। पशु-पक्षी, जीव-जंतु का वध करने या उन्हें मार के खाने के जुल्म को यदि इंसानों का कानून बंद भी कर दे, तब भी खुदा की कुदरत ये जुल्म जारी रहेगी। तो क्या इंसानों को प्रेम, करुणा और जियो और जीने दो का सिद्धांत सिखाने वाले खुदा के निज़ाम का वजूद ही जुल्म के ताने-बाने से बना है! हो सकता है, इन सवालों के जवाब हों पर इन सवालों के जवाब आजतक किसी आलिम ने नहीं दिए।

ऐसे सवालों के जवाब प्रत्येक धर्म के धार्मिक आलिमों (विद्वानों) को भविष्य में देने होगें!

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा 25/16-ए, जाप्लिंग रोड, लखनऊ-226001 (उ.प्र.) से प्रकाशित एवं प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- अनिल त्रिगुणायत***
0522-4008111 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-50986/1989 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा)।

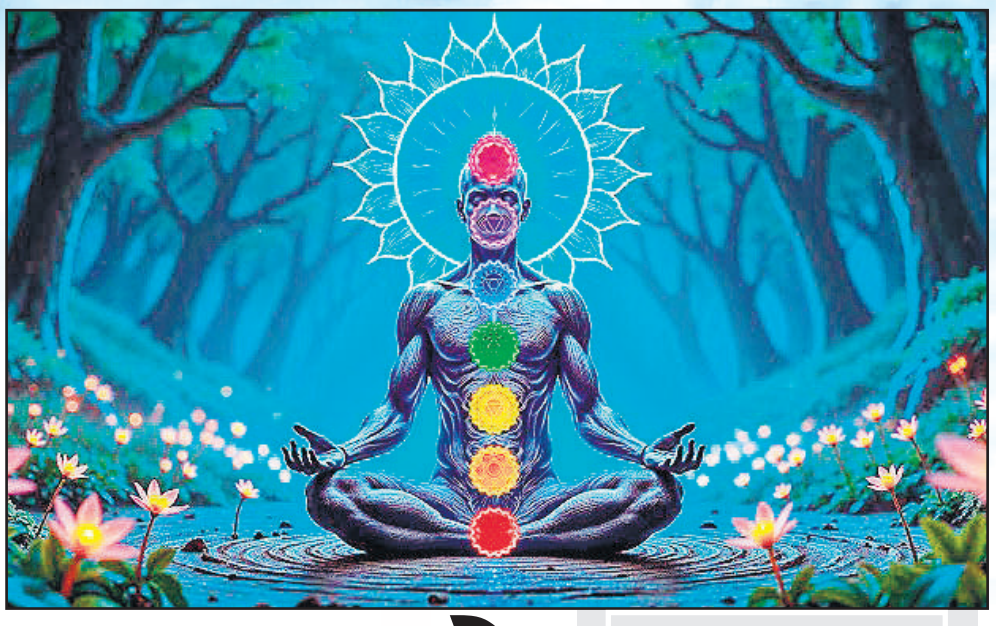

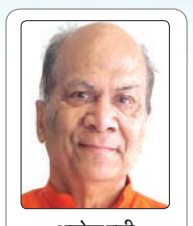

साधन को समझने से पूर्व यदि साधक साधना को समझ ले, तो साधन को समझना सरल हो जाता है। साधना शब्द को इसके मूल स्वरूप में ही समझें। इस भौतिक शरीर को अपने अनुकूल 'साधना' है। इस शरीर में स्थित इंद्रियों को, वासनाओं को साधना है, मन को साधना है। इन्हें किस क्रिया द्वारा साधना है और क्यों साधना है इस प्रश्न का उत्तर साधक को साधन निश्चित करने में सरलता प्रदान करता है। वह सारी क्रियाएं, जिनसे मनसा, वाचा, कर्मणा को साधना है, साधन है। इस साधन का अन्वेषण करने में ही साधकों का अधिकतर जीवन व्यतीत हो जाता है।

अशोक सूरी
आध्यात्मिक लेखक

साधक को सबसे पहले लक्ष्य निश्चित करना होगा। अब लक्ष्य मोक्ष की प्राप्ति है अथवा सिद्धियों की प्राप्ति या भगवद् प्राप्ति? विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण क्यों करता है-ज्ञान के लिए जिज्ञासा के लिए या केवल डिग्री प्राप्त करने के लिए केवल डिग्री धारण करने से ज्ञान नहीं मिल सकता। बहुतों के पास ज्ञान है, डिग्री के बिना भी। मोक्ष डिग्री है, भगवद् प्राप्ति ज्ञान है। अध्यात्मिक सुख भगवद् प्राप्ति में मिलेगा। इस शरीर को भगवद् प्राप्ति के लिए तत्पर करना ही साधना की पहली सीढ़ी है। भगवान सच्चिदानंद स्वरूप हैं। अतः साधना पथ का गुरु भी सत्, चित्त एवं आनंद स्वरूप ही होना चाहिए।

साधना : साधक से साध्य तक की यात्रा

साधना सिद्धियां प्राप्त करने का साधन नहीं

साधना के लिए वैराग्य धारण करने की आवश्यकता नहीं है। वैराग्य से तप हो सकता है, भजन भी हो सकता है। तप भी एक साधन है, परंतु आज के इस कठिन काल में यह एक बहुत ही कठिन साधन है। वैराग्य में विरह का प्रभाव होता है। वैराग्य में विरह का आधिक्य होता है और प्रेम का अभाव होता है। परंतु भगवद् प्राप्ति के लिए तो प्रेम से भरा हुआ भावुक ह्रदय होना चाहिए। एक बात और समझनी होगी कि कहीं आपकी साधन का लक्ष्य और संपूर्णता सिद्धि तो नहीं है। यदि ऐसा है, तो समझ लें कि हम गलत मार्ग पर चल रहे हैं। साधना सिद्धियां प्राप्त करने का साधन कदापि नहीं है। सिद्धि धोखा है। सिद्धियां तो साधना पथ पर ईश्वर द्वारा फेंके गए अवरोध अथवा टुकड़े हैं। साधना भक्ति से होती है, ज्ञान से नहीं। भक्ति भी निर्मल, प्रेममयी बिना प्रतिकार की इच्छा और स्वार्थ के। ज्ञान से अभिमान तो हो सकता है, भक्ति नहीं। ज्ञान से अभिमान का दोष दूर होता है, परंतु ज्ञान से भक्ति नहीं की जा सकती है। बुद्धि और ज्ञान तो भौतिक सुखों के साधन ढूंढने में लग जाते हैं। साधना में सबसे बड़ा अवरोध है- अभिमान एवं आसक्ति और कुछ हद तक आलस्य भी। आलस्य को तो थोड़ा साधना करके मिटाया जा सकता है, परंतु अभिमान और आसक्ति को हटाना कठिन है और यह साधना पथ की एक क्रिया है। जिस प्रकार सैनिक बिना शस्त्र के अधूरा है, उसी प्रकार साधना बिना साधन के अधूरी है। साधन गुरु बताते हैं, परंतु ध्यान रखें कि साधन भी गुरु ही हैं। गुरु परमात्मा से मिलने का मार्ग बताते हैं, तो साधन भी परमात्मा से मिलने का मार्ग ही है। साधन सीढ़ी है, उस परमेश्वर से मिलने की। जिस प्रकार गुरु का स्थान गोविंद से बड़ा है, उसी प्रकार साधन को भी परमात्मा से बढ़कर मानना चाहिए।

राम बुलावा भेजिया, दिया कबीरा रोय।
जो सुख यहां सत्संग में सो बैकुंठ न होय।।

अपने साधन पर अभिमान न करें

ऐसी सभी क्रियाएं जो भगवद् प्रेम को बढ़ाएं, साधन है। "एहि कलिकाल न साधन दूजा, जोग, यज्ञ, जप, तप, व्रत, पूजा।" यह सभी साधन हैं, परंतु इनमें से पूजा के अतिरिक्त इस युग में अन्य अत्यंत कठिन हैं। पूजा भक्ति का ही दूसरा रूप है। ऐसी सभी क्रियाएं, जो ठाकुर को प्रसन्न करने के लिए की जाती हैं, भक्ति हैं और एक साधन है। भक्ति के लिए सर्वप्रथम श्रद्धा का होना अति आवश्यक है। बिना श्रद्धा के की गई भक्ति से प्रेम उत्पन्न नहीं होगा, जो कि साधक के लिए अत्यंत आवश्यक है। सभी साधन मार्ग ईश्वर के द्वार पार ही मिलते हैं। अपने साधन पर अभिमान न करें। साधन चुन लें और उस पर चल पड़ें, परेशान न हों। रास्ता अपने आप मिलता चला जाएगा। साधना में ज्ञान का अथवा बुद्धि का कोई स्थान नहीं है। केवल प्रेम से भरा हुआ ह्रदय चाहिए। यहां यह समझ लें कि यह लक्ष्य की प्राप्ति नहीं है- यह प्रारंभ है। यहां से साधना प्रारंभ होगी। ईश्वर का स्मरण होने लगेगा। ईश्वर का स्मरण करना नहीं होगा। वह स्वयमेव ही होने लगे, तो समझ लेना चाहिए कि हम साधना पथ पर ठीक चल रहे हैं।

पौराणिक कथा

नारद की दीक्षा और ध्रुव का उत्थान

मनु और शतरूपा के दो पुत्र थे, प्रियव्रत और उत्तानपाद। राजा उत्तानपाद की दो रानियां थीं, सुनीति और सुरुचि। सुनीति से उन्हें ध्रुव और सुरुचि से उत्तम नामक पुत्र प्राप्त हुए। यद्यपि सुनीति बड़ी रानी थीं, फिर भी राजा का विशेष स्नेह सुरुचि के प्रति था। एक दिन बालक ध्रुव अपने पिता की गोद में बैठकर खेल रहा था। तभी सुरुचि वहां आ पहुंची। सौतन के पुत्र को राजा की गोद में देखकर उसके मन में ईर्ष्या की ज्वाला भड़क उठी। उसने ध्रुव को झपटकर राजा की गोद से उतार दिया और अपने पुत्र उत्तम को बैठा दिया। क्रोध में उसने ध्रुव से कहा- "राजा की गोद और सिंहासन पर बैठने का अधिकार केवल उसी को है, जो मेरी कोख से जन्मा हो। तुम इसके अधिकारी नहीं हो।" सौतेली मां के कठोर शब्दों से पांच वर्ष का ध्रुव व्यथित हो उठा। आंखों में आंसू और ह्रदय में पीड़ा लिए वह अपनी मां सुनीति के पास पहुंचा और

सारी बात सुनाई। सुनीति ने धैर्यपूर्वक कहा-"पुत्र! यदि राजा का प्रेम हमें नहीं मिला, तो क्या हुआ? भगवान को अपना सहारा बनाओ। वही तुम्हारे सच्चे रक्षक हैं।" माता के वचनों से ध्रुव के मन में वैराग्य और भक्ति का बीज अंकुरित हुआ। वह भगवान की प्राप्ति के दृढ़ संकल्प के साथ राजभवन त्यागकर निकल पड़े। मार्ग में उनकी भेंट देवर्षि नारद से हुई। नारद जी ने बालक को समझाने का प्रयास किया, किंतु ध्रुव अपने निश्चय पर अडिग रहे। उनके दृढ़ संकल्प को देखकर नारद ने उन्हें मंत्र की दीक्षा दी। उधर राजा उत्तानपाद को पुत्र के चले जाने का गहरा पश्चाताप हो रहा था। देवर्षि नारद ने उन्हें ढाढ़स बंधाया और कहा कि ध्रुव भगवान की कृपा से महान यश प्राप्त करेंगे, जिससे राजा की कीर्ति भी संसार में फैलेगी। ध्रुव यमुना तट पर पहुंचकर नारद से प्राप्त मंत्र द्वारा भगवान नारायण की कठोर तपस्या में लीन हो गए। अनेक कष्टों और बाधाओं के बावजूद उनका संकल्प डिगा नहीं। उनकी तपस्या का तेज तीनों लोकों में फैलने लगा और 'ॐ नमो भगवते वासुदेवाय' की गूंज वैकुंठ तक पहुंच गई। भगवान नारायण योगनिद्रा से जागे और बालक ध्रुव की भक्ति से प्रसन्न होकर प्रकट हुए। उन्होंने कहा- "वत्स! तुम्हारी भक्ति से मैं अत्यंत प्रसन्न हूं। तुम्हें ऐसा लोक प्रदान करता हूं, जो प्रलय में भी नष्ट नहीं होगा। वह तुम्हारे नाम से ध्रुवलोक कहलाएगा।" भगवान के वरदान से ध्रुव कालांतर में ध्रुव तारा बने- अटल, अमर और भक्ति के शाश्वत प्रतीक।

बोध कथा

अनुशासन का दीप

साल 1926 की बात है। महात्मा गांधी अपने दक्षिण भारत के प्रवास पर थे। उनके साथ उनके घनिष्ठ सहयोगी और श्रेष्ठ चिंतक काकासाहेब कालेलकर भी थे। यात्रा आगे बढ़ते-बढ़ते वे नागर कोइल पहुंचे, जो कन्याकुमारी के बहुत निकट है। पूर्व में इससे पहले की यात्रा में गांधी जी कन्याकुमारी जाकर वहां के प्राकृतिक मनोहर दृश्य देख आए थे। इस बार वे नागर कोइल के एक सरल, बहुत ही सज्जन गृहस्थ के घर ठहरे हुए थे।

गांधीजी ने उस गृहस्वामी को बुलाकर कहा, "मैं काका को कन्याकुमारी भेजना चाहता हूं, कृपया उनके लिए मोटर का प्रबंध कर दीजिए।" गृहस्वामी तुरंत व्यवस्था जुटाने में लग गए। कुछ देर बाद गांधीजी ने देखा कि काकासाहेब अभी भी वहीं बैठे हुए हैं। उन्हें आश्चर्य हुआ, फिर उन्होंने गृहस्वामी से बुलाकर पूछा कि "काका के कन्याकुमारी जाने के मोटर की व्यवस्था हो गई या अभी बाकी है?"

गांधीजी की यह पूछताछ देखकर काकासाहेब को थोड़ा कौतूहल हुआ, क्योंकि बापू तो किसी को काम सौंप देने के बाद दुबारा पूछने की आदत नहीं रखते थे। वे सहज भाव से बोले, "बापू, आप भी साथ चलेंगे न?" इस प्रश्न पर गांधी जी मुस्कुराए, फिर शांत स्वर में बोले, "नहीं काका, बार-बार जाना मेरे भाग्य में नहीं है। एक बार देख आया, वही काफी है।" बापू का उत्तर सुनकर काकासाहेब कुछ उदास से हो गए। काकसाहेब चाहते थे कि बापू भी कन्याकुमारी के मनोरम और मनोहर प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद फिर एक बार उनके साथ उठाएं।

बापू ने उनके मन की अवस्था भांप ली। क्षणभर मौन रहने के बाद वे गंभीर स्वर में बोले, "काका, हम एक विशाल आंदोलन का बोझ अपने कंधों पर लिए चल रहे हैं। हजारों स्वयंसेवक देश सेवा में जुटे हुए हैं। यदि मैं स्वयं रमणीय स्थलों के आकर्षण में पड़ जाऊं, तो वे सब भी यही अनुकरण करेंगे। मेरे लिए संयम ही श्रेयस्कर है। जब राष्ट्र की सेवा का व्रत लिया है, तो अपने व्यक्तिगत सुख-सौंदर्य के लोभ को त्याग देना ही उचित है।"

बापू की बातें सुनकर काकासाहेब के मन का गुबार क्षण भर में दूर हो गया। उन्हें समझ आया कि गांधीजी का जीवन केवल उनके लिए नहीं, बल्कि उन सभी के लिए एक आदर्श था, जो स्वतंत्रता के पथ पर चल रहे थे। एक नेता की हर छोटी-बड़ी क्रिया, हर इच्छा और हर त्याग अनगिनत अनुयायियों को दिशा देता है।

इससे हमें यह सीख मिलता है कि सच्चा नेतृत्व केवल शब्दों से नहीं, बल्कि आचरण से प्रकट होता है। लोभ और आकर्षण हर किसी के जीवन में आते हैं, परंतु जो व्यक्ति बड़े उद्देश्य के लिए स्वयं पर नियंत्रण रख पाता है, वही समाज का वास्तविक मार्गदर्शक बनता है। वास्तव में महानता बाहरी उपलब्धियों में नहीं, बल्कि भीतर के अनुशासन, त्याग और दृढ़ संकल्प में निहित है।

-नृपेन्द्र अभिषेक नृप

सनातन धर्म का वास्तविक अर्थ धर्म नहीं सत्य है

सनातन शब्द को प्राचीन वैदिक संस्कृति से जोड़कर देखा जाता है, जिसका संबंध भारत भूमि से है। वैदिक संस्कृति भारत की प्राचीन संस्कृति है और आस्था का मुख्य केंद्र भी है, इसी वैदिक संस्कृति के ज्ञान को सत्य ज्ञान कहा गया है, सत्य को ही सनातन कहा गया है 'अर्थात' वैदिक संस्कृति का वह ज्ञान जो संपूर्ण सत्य है, यह सत्य सदा के लिए है और जो सदा के लिए है वही सनातन है, इसीलिए वैदिक धर्म को ही सनातन धर्म भी कहा जाता है, सनातन शब्द का शाब्दिक अर्थ 'सदा से रहा है, सदा के लिए है और सदा ही रहेगा' अर्थात जो सदा ही है कभी न मिटने वाला वह अनंत काल से अनंत काल तक शाश्वत है, वहीं सनातन है'।

मोहन सिंह बिष्ट
समाजसेवी

विश्व की सभी संस्कृतियों में अति प्राचीन भारतीय वैदिक संस्कृति, से उद्धत विश्व का सबसे प्राचीन धर्म सनातन धर्म है, जिसे मानने वाले हिन्दू धर्मावलंबी आज भी सनातन धर्मी कहलाते हैं। सनातन शब्द का अर्थ बड़ा ही व्यापक है। पूरे विश्व में मुख्य रूप से आस्तिक और नास्तिक दो विचारधारा हैं। आस्तिक वे हैं, जिनका विश्वास ईश्वर में है, उनमें इस सृष्टि की रचना ईश्वर द्वारा किए जाने की मान्यता है तथा नास्तिक वे हैं, जिनकी मान्यता इस सृष्टि की स्थापना स्वतः से हुई वे ईश्वर को मानने से इंकार करते हैं, वहीं आस्तिक विचारधारा कई धर्मों संप्रदायों की अपनी अलग-अलग मान्यताओं और परंपराओं में विभक्त है, वे इस सृष्टि को बनाने वाले एक ईश्वर में आस्था और विश्वास समान रूप से रखते हैं, लेकिन उनकी आस्था और विश्वास एक दूसरे से भिन्न-भिन्न रहते हैं, परंतु इसके बावजूद भी पूरे विश्व के सभी धर्मों और विचारधाराओं के मूल में सनातन धर्म में उल्लिखित किसी न किसी मत अथवा विश्वास की ही प्रेरणा दिखाई देती है इसीलिए आज भी बहुसंख्य सनातन मतावलंबी सनातन को कभी न समाप्त होने वाले धर्म के रूप में अटूट आस्था रखते हैं तथा सनातन धर्म को साक्षात् ईश्वर द्वारा स्वयं स्थापित मानते हैं।

वर्तमान में जो भी विश्व में संस्कृति या सभ्यताएं हैं। उन सभी धर्मों और सभ्यताओं का इतिहास लगभग 2 से 3000 साल के भीतर का ही है, अगर इन्हें इनके ऐतिहासिक क्रम में देखा जाए, तो आज भी भारतीय प्राचीन संस्कृति और सभ्यता सबसे प्राचीन है। भारत की सनातन संस्कृति ही एक ऐसी संस्कृति है, जिसका कोई एक ग्रंथ नहीं है और कोई एक पैगंबर या ईश्वर का दूत नहीं है। इसके अलावा मुख्य कुछ ग्रंथों महाकाव्यों के अलावा सैकड़ों रचनाएं, पुस्तकें और पांडुलिपियां, जिनमें संपूर्ण सृष्टि की काल गणना से लेकर भूत, वर्तमान और भविष्य की काल गणनाएं वर्णित हैं, जिन्हें धार्मिक कर्म कांडों परंपराओं, जप तप व्रत, त्योहारों, उत्सवों कथा कहानियों स्मृतियों इत्यादि के माध्यम से जन-जन को लाभान्वित करने के उद्देश्य से प्रतिष्ठित किया गया है, जो पूर्ण रूप से सत्य है तथा उसके मूल में विज्ञान ही है सनातन संस्कृति का ज्ञान पूर्णतः विज्ञान पर आधारित विस्तृत विषय है। सनातन संस्कृति का मुख्य आधार 4 प्रमुख ग्रंथ वेद हैं, वेदों में इस संपूर्ण सृष्टि का प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष ज्ञान अतुलनीय है। सृष्टि के उदय होने से लेकर उसके विस्मरण के तक का उल्लेख है।

देश काल पारिस्थितिकीय परिवर्तन से सत्य परिवर्तित नहीं होता है, उसी प्रकार सनातन संस्कृति का ज्ञान सृष्टि के सत्य स्वरूप में है, उसका सत्य का यह रूप ही उसे सनातन किए हुए है। सत्य ही सनातन से तात्पर्य, सत्य अपने मूल भाव को नहीं छोड़ता है।

इसके अलावा अन्य सभी ग्रंथ, श्रुतियां, स्मृतियां काव्य, महाकाव्य एवं धार्मिक पुस्तके संपूर्ण सृष्टि एवं मानव सभ्यता के विभिन्न काल खंडों के प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष घटित घटनाओं का इतिहास बताते हैं और एक आदर्श मानव जीवन को प्रतिष्ठित और संरक्षित करते हैं। ये सभी पूर्णतः वैज्ञानिक और पूर्ण रूप से व्यावहारिक भी हैं। इन नियमों सिद्धांतों पर आज विभिन्न विषय के विद्वान, वैज्ञानिक अपने शोध करके उसके सत्य को सामने लाते रहते हैं, जिन्हें आज विभिन्न संचार के माध्यमों पुस्तकों, समाचार पत्रों और पत्रिकाओं में छपे लेखों और सोशल मीडिया प्लेट फार्मों के माध्यमों से हम अवगत होते रहते हैं, सनातन संस्कृति का ज्ञान सत्य ज्ञान है। सनातन संस्कृति कोई संस्कृति या धर्म नहीं,

बल्कि सत्य संस्कृति और सत्य धर्म ही है, जो सरल और शाश्वत है, जिस प्रकार सत्य को आप जिस स्थिति से परखेंगे, सत्य वास्तव में सत्य ही रहता है। देश काल पारिस्थितिकीय परिवर्तन से सत्य परिवर्तित नहीं होता है, उसी प्रकार सनातन संस्कृति का ज्ञान सृष्टि के सत्य स्वरूप में है, उसका सत्य का यह रूप ही उसे सनातन किए हुए है।

सत्य ही सनातन से तात्पर्य, सत्य अपने मूल भाव को नहीं छोड़ता है। वह जितना भी प्राचीन हो, आज सनातन को इसीलिए सभी धर्मों, संप्रदायों और परंपराओं की जननी भी कहा जाए तो कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी। यह प्राचीन काल से ही सत्य सिद्धांतों पर आधारित है और अनंत काल तक इसके सिद्धांत सत्य ही रहेंगे, क्योंकि यह किसी धर्म सभ्यता और संप्रदाय पंथ के लिए न होकर संपूर्ण मानव के कल्याण एवं उन्हें बिना भेदभाव के सुंदर और व्यवस्थित जीवन जीने के लिए है।

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	85,567 .48	26,172 .40
बढ़त	638 .12	206
प्रतिशत में	0 .75	0 .79

सोना 1,38,200 प्रति 10 ग्राम

चांदी 2,14,500 प्रति किलो

अमृत विचार

लखनऊ, मंगलवार, 23 दिसंबर 2025

www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

आर्सेलरमित्तल लगाएगी हरित ऊर्जा परियोजनाएं

नई दिल्ली। आर्सेलरमित्तल ने सोमवार को भारत में तीन नई स्वच्छ ऊर्जा परियोजनाओं की स्थापना की योजना की घोषणा की। इन पर कुल 90 करोड़ डॉलर व्यय होगा। कंपनी का उद्देश्य हरित ऊर्जा क्षमता को दोगुना करके दो गीगावाट (एक गीगावाट बराबर 1,000 मेगावाट) तक पहुंचाना है। कंपनी ने कहा कि ये परियोजनाएं महाराष्ट्र, राजस्थान और गुजरात में स्थापित होंगी, जिनकी संयुक्त क्षमता एक गीगावाट सौर और पवन ऊर्जा होगी। इनके पूरा होने पर कंपनी की कुल वैश्विक ऊर्जा क्षमता 3 .3 गीगावाट हो जाएगी।

उद्यमियों को लुभाने में जुटा अबू धाबी का हब71

अबू धाबी। अबू धाबी का हब71 एशिया, पश्चिम एशिया और पश्चिम को जोड़ने वाले केंद्र के रूप में अपनी भूमिका मजबूत करने में जुटा है। हब71 टेक इकोसिस्टम में वृद्धि और रणनीति के प्रमुख पीटर अबू हाशेम ने कहा कि स्टार्टअप मंच का मकसद अबू धाबी को शीर्ष वैश्विक प्रौद्योगिकी केंद्र बनाना है। हाल में भारत से लौटे हाशेम ने कहा कि हमारा लक्ष्य अबू धाबी की अर्थव्यवस्था को तेल-प्रधान जीडीपी से विविधीकृत बनाने में मदद करना है और अबू धाबी को वैश्विक प्रौद्योगिकी तंत्र में बदलना है। हब71 वर्ष 2019 में शुरुआत के बाद से 20 से अधिक क्षेत्रों में फैले स्टार्टअप के साथ विकसित हुआ है।

रियल्टी क्षेत्र में 10.4 अरब डॉलर का निवेश

नई दिल्ली। भारतीय रियल एस्टेट क्षेत्र में 2025 के दौरान संस्थागत निवेश 17% बढ़कर रिकॉर्ड 10 .4 अरब डॉलर पहुंचने का अनुमान है। जेएलएल ने कहा कि बेहतर प्रतिफल के लिए घरेलू और विदेशी, दोनों निवेशकों ने वाणिज्यिक और आवासीय परियोजनाओं में पूंजी लगाई है। रियल एस्टेट सलाहकार जेएलएल इंडिया ने सोमवार को बताया कि 2025 में भारतीय रियल एस्टेट में कुल संस्थागत निवेश का 52% योगदान घरेलू निवेशकों का रहा। बाकी 48% विदेशी कोषों से आया। भारतीय रियल एस्टेट क्षेत्र में संस्थागत निवेश का अनुमान 1,040 करोड़ डॉलर है, जबकि 2024 में यह 887 .8 करोड़ डॉलर था।

ट्विजा का अधिग्रहण करेगा वरुण बेवरेजेज

नई दिल्ली। बेवरेजेज ने दक्षिण अफ्रीका की कंपनी ट्विजा का अपनी अनुषंगी कंपनी द बेवरेजेज प्राइवेट लिमिटेड (बेवको) के माध्यम से पूर्ण अधिग्रहण की घोषणा की है। वरुण बेवरेजेज, पेप्सिको की भारत तथा दुनिया के कई देशों में प्रमुख बॉटलिंग पार्टनर है। ट्विजा अपने खुद के ब्रांडेड पेय पदार्थों का निर्माण एवं वितरण करती है। इसमें शराब के कोई पदार्थ नहीं है। यह केप टाउन, क्वीनस्टाउन और मिडेलबर्ग में तीन उत्पादन सुविधाओं के माध्यम से काम करती है, जिनकी संयुक्त वार्षिक उत्पादन क्षमता 10 करोड़ 'केस' है। वरुण बेवरेजेज ने शेयर बाजार को बताया कि यह अधिग्रहण उद्यम मूल्य 209 .5 करोड़ जार (द. अफ्रीका की मुद्रा) यानी 1,118 .7 करोड़ रुपये पर किया गया है जिसे नकद में भुगतान किया जाएगा।

सीबीआई की डीएफएस और बैंकों के साथ बैठक

नई दिल्ली। सीबीआई ने सोमवार को वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवा विभाग (डीएफएस) और सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के अधिकारियों के साथ बैठक की। अधिकारियों ने बताया कि साइबर अपराधियों द्वारा ठगी से हासिल रकम को ठिकाने लगाने के लिए इस्तेमाल किए जा रहे फर्जी खातों पर शिकंजा कसने और बैंक धोखाधड़ी से जुड़े अन्य मुद्दों पर चर्चा हुई। चेन्नई में हुई बैठक में सीबीआई के बैंक सुरक्षा एवं धोखाधड़ी प्रकोष्ठ के वरिष्ठ अधिकारी, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के मुख्य सतर्कता अधिकारी और वित्तीय सेवा विभाग के अधिकारी शामिल हुए।

एसीसी, ओरिएंट सीमेंट के विलय को दी मंजूरी

नई दिल्ली। अडाणी समूह की कंपनी अंबुजा सीमेंट के निदेशक मंडल ने सोमवार को अपनी अनुषंगी इकाइयों एसीसी लिमिटेड और ओरिएंट सीमेंट का कंपनी में विलय करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी। अंबुजा सीमेंट ने कहा कि इस विलय से परिचालन दक्षता बढ़ेगी, विनिर्माण एवं लॉजिस्टिक क्षमताओं का अधिकतम इस्तेमाल होगा और पूंजी का अधिक प्रभावी इस्तेमाल संभव हो सकेगा। इन सुधारों से लाभप्रदता में वृद्धि होगी, विस्तार को समर्थन मिलेगा और शेयरधारकों को बेहतर प्रतिफल मिलेगा। विलय से नेटवर्क, ब्रांडिंग और बिक्री संवर्धन से जुड़े खर्चों को तर्कसंगत बनाया जा सकेगा।

किसानों-एमएसएमई के हितों को दिया महत्व

डेयरी, सब्जियों, चीनी, तांबा, एल्युमिनियम पर न्यूजीलैंड को भारत की ओर से नहीं दी जाएगी शुल्क रियायत

भारत-न्यूजीलैंड एफटीए

- **हथियार-गोला-बारूद, रत्न एवं आभूषण पर शुल्क रियायत नहीं देना का लिया फैसला**

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत ने न्यूजीलैंड के साथ प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) में किसानों और सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यमों (एमएसएमई) के हितों को प्राथमिकता देते हुए डेयरी, पशु उत्पाद, सब्जियां, चीनी, तांबा और एल्युमिनियम जैसे कई संवेदनशील क्षेत्रों में कोई भी शुल्क रियायत नहीं देने का फैसला किया है। दोनों देशों ने सोमवार को एफटीए वार्ता पूरी होने और तीन महीनों के भीतर समझौते पर हस्ताक्षर होने की घोषणा की।

इस समझौते के अगले वर्ष लागू हो जाने की उम्मीद है। समझौते के तहत जिन उत्पादों को शुल्क रियायत सूची से बाहर रखा गया है, उनमें डेयरी उत्पाद (दूध, क्रीम, दही, पनीर), पशु उत्पाद (भेड़ के मांस को छोड़कर), सब्जी उत्पाद (प्याज, चना, मटर, मक्का), चीनी, कृत्रिम शहद तथा पशु, वनस्पति या सूक्ष्मजीव आधारित वसा एवं तेल शामिल हैं। इनके अलावा हथियार और गोला-बारूद, रत्न एवं आभूषण, तांबा और उससे बने उत्पाद और एल्युमिनियम एवं उससे संबंधित वस्तुओं पर भी भारत, न्यूजीलैंड को किसी तरह की शुल्क रियायत नहीं देगा। हालांकि, कुछ कृषि उत्पादों में भारत ने सीमित बाजार पहुंच दी है, लेकिन इसे 'शुल्क दर कोटा' (टीआरक्यू) और न्यूनतम आयात मूल्य (एमआईपी) के साथ जोड़ा गया है। इनमें मनुका शहद, सेब, कीवी फल और दवाओं में इस्तेमाल होने वाला एल्ब्यूमिन शामिल हैं। वर्तमान में न्यूजीलैंड के खास उत्पाद मनुका शहद पर 66 प्रतिशत शुल्क लगता है।

समझौते के तहत भारत इस शहद के सालाना 200 टन तक आयात पर रियायत देगा, जिसमें एमआईपी 20 अमेरिकी डॉलर प्रति किलोग्राम तय किया गया है। इस पर पांच साल में 75 प्रतिशत तक शुल्क कटौती की जाएगी। कोटा से अधिक आयात पर एमआईपी 30 डॉलर प्रति किलोग्राम होगा। सेब के मामले में मौजूदा शुल्क 50 प्रतिशत है। पहले वर्ष में 32,500 टन और छठे वर्ष तक 45,000 टन तक सेब आयात पर 25% शुल्क और 1.25 डॉलर प्रति किलोग्राम का एमआईपी लागू होगा।

हालांकि, इस कोटा से अधिक आयात पर 50 प्रतिशत शुल्क लगेगा। इसी तरह, कीवी फल पर पहले वर्ष 6,250 टन और छठे वर्ष तक 15,000 टन के लिए शून्य शुल्क के साथ 1.80 डॉलर प्रति किलोग्राम एमआईपी तय किया गया है। एल्ब्यूमिन के लिए भी सीमित कोटा के बाद सामान्य शुल्क लागू रहेगा।

भारत न्यूजीलैंड के बीच हुए एफटीए की जानकारी देते केंद्रीय उद्योग मंत्री पीयूष गोयल, साथ में वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल।

दुग्ध क्षेत्र संवेदनशील एवं महत्वपूर्ण मुद्दा

भारत ने द्विपक्षीय समझौते के तहत न्यूजीलैंड को अपने दुग्ध क्षेत्र में आयात शुल्क में कोई रियायत नहीं दी है। दोनों पक्षों ने एफटीए पर बातचीत संपन्न होने की सोमवार को घोषणा की। अधिकारी ने कहा कि दुग्ध क्षेत्र हमारे लिए लक्ष्मण रेखा है। भारत ने सभी समझौतों में बड़ी मात्रा में दुग्ध आयात के लिए दरवाजा खोलने का विरोध किया है। दुग्ध क्षेत्र लंबे समय से वार्ता में सबसे संवेदनशील एवं राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण मुद्दा रहा है। न्यूजीलैंड सबसे बड़े दुग्ध निर्यातकों में से एक है जबकि भारत लाखों छोटे दुग्ध किसानों का घर है जिनके लिए बाजार संरक्षण बेहद महत्वपूर्ण है। 2024-25 में भारत को न्यूजीलैंड के दुग्ध निर्यात का कुल मूल्य मात्र 10 .7 लाख डॉलर था। इसमें दूध व क्रीम (4 लाख डॉलर), प्राकृतिक शहद (3 .2 लाख डॉलर), मोजेरेला चीज (1.8 लाख डॉलर), मक्खन (90 हजार डॉलर) और स्किम्ड मिल्क' (80 हजार डॉलर) हैं।

न्यूजीलैंड को भारत में डेयरी उत्पादन और 100% निर्यात की अनुमति

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को कहा कि मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के तहत न्यूजीलैंड की कंपनियां भारत में डेयरी का कच्चा माल या सामग्री लाकर उसमें से उच्च गुणवत्ता वाले उत्पाद बना सकती हैं और फिर उन सभीको पूरी तरह से विदेशों में बेच सकती हैं। गोयल ने कहा कि इस व्यवस्था से भारत को न्यूजीलैंड और अन्य देशों को निर्यात बढ़ाने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि इसके लिए एक फास्टट्रैक निवेश प्रक्रिया लागू की जाएगी, जो सिर्फ निर्यात के लिए उत्पाद बनाने वाले निवेश के लिए उपयोग होगी। साथ ही गोयल ने स्पष्ट किया कि डेयरी के लिए भारत ने कभी भी आयात शुल्क में छूट नहीं दी है और भविष्य में भी नीति में कोई बदलाव नहीं होगा। प्रस्तावित एफटीए में डेयरी क्षेत्र पर एक सलाह-पत्र भी जोड़ा गया है, जिसमें दोनों पक्ष समझौते की समीक्षा के दौरान परामर्श कर सकते हैं, लेकिन इसका कोई बाध्यकारी अर्थ नहीं है। गोयल ने बताया कि न्यूजीलैंड इस बात को लेकर चिंतित था कि यदि भारत भविष्य में किसी समतुल्य देश के लिए अपना डेयरी क्षेत्र खोले, तो उसे भी समान लाभ देने पर चर्चा का अवसर मिल सके। उन्होंने कहा कि आप जानते हैं कि हमने किसी भी एफटीए में किसी के लिए भी डेयरी क्षेत्र नहीं खोला है। भारत कभी भी अपना डेयरी क्षेत्र नहीं खोलने वाला है, इसलिए उस चिंता का कोई मतलब नहीं है। यह सिर्फ एक परामर्श है, कोई प्रतिबद्धता नहीं है। डेयरी भारत के लिए हमेशा ही संवेदनशील और राजनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण क्षेत्र रहा है। इस वजह से भारत ने किसी भी देश के साथ समझौते में डेयरी क्षेत्र को शामिल नहीं किया है। वित्त वर्ष 2024-25 में न्यूजीलैंड का भारत में डेयरी निर्यात केवल 10 .7 लाख डॉलर था।

द्विपक्षीय व्यापार समझौते की मुख्य बातें

- भारत के 100% निर्यात पर शून्य शुल्क वाली बाजार पहुंच। भारत ने 70% श्रेणियों में शुल्क उदारीकरण की पेशकश की है जिसके दायरे में भारत-न्यूजीलैंड द्विपक्षीय व्यापार का 95% हिस्सा आता है।
- यह बाजार पहुंच भारत के श्रम-प्रधान क्षेत्रों जैसे वस्त्र, परिधान, चमड़ा, जूते, समुद्री उत्पाद, रत्न एवं आभूषण, हस्तशिल्प, इंजीनियरिंग सामान तथा मोटर वाहन की प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाती है।
- किसी भी विकसित देश के साथ सबसे तेजी से संपन्न हुआ यह मुक्त व्यापार समझौता, वस्त्र, दवा, चमड़ा, इंजीनियरिंग सामान एवं कृषि उत्पादों सहित सभी भारतीय निर्यातों के लिए वर्ष का शानदार समापन सुनिश्चित करता है।
- 5,000 पेशेवरों के लिए अस्थायी रोजगार प्रवेश वीजा और 1,000 कार्य एवं अवकाश वीजा का समर्पित कोटा।
- न्यूजीलैंड ने 15 वर्ष में भारत में 20 अरब डॉलर के निवेश को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता जताई है।
- उत्पादकता बढ़ाने के लिए न्यूजीलैंड द्वारा सेब, कीवी फल और शहद के लिए उत्कृष्टता केंद्रों के जरिये कृषि उत्पादकता साझेदारी की स्थापना।
- विनिर्माण क्षेत्र के लिए शुल्क मुक्त कच्चे माल : लकड़ी के लट्ठे, कोकिंग कोयला, धातुओं का अपशिष्ट एवं कबाड़ (स्क्रैप)।
- आयुष, संस्कृति, मत्स्य पालन, ऑडियो-विजुअल पर्यटन, वानिकी, बागवानी और पारंपरिक ज्ञान प्रणालियों में सहयोग पर सहमति बनी है।
- शुल्क उदारीकरण के अलावा, मुक्त व्यापार समझौते में बेहतर नियामक सहयोग के माध्यम से गैर-शुल्क बाधाओं को दूर करने के प्रावधान भी शामिल हैं।
- 2024-25 में व्यापार 1.3 अरब डॉलर तक पहुंच गया, जबकि वस्तुओं व सेवाओं का कुल व्यापार 2024 में 2 .4 अरब डॉलर रहा। इसमें केवल सेवाओं का योगदान 1 .24 अरब डॉलर था।

समझौते से व्यापार को मिलेगी गति : उद्योग

उद्योग जगत ने भारत और न्यूजीलैंड के समझौते के लिए वार्ता संपन्न होने का स्वागत करते हुए सोमवार को कहा कि प्रस्तावित समझौते से द्विपक्षीय व्यापार और निवेश को बढ़ावा मिलने और दोनों देशों की कंपनियों के लिए विकास के नए अवसर पैदा होने की उम्मीद है। यह समझौता घरेलू वस्तुओं विशेष रूप से श्रम-प्रधान क्षेत्रों से आने वाली वस्तुओं को शुल्क-मुक्त पहुंच प्रदान करेगा और इसमें 15 वर्षों में 20 अरब डॉलर के प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) की प्रतिबद्धता शामिल है। इससे पांच वर्षों में वस्तुओं और सेवाओं में द्विपक्षीय व्यापार दोगुना पांच अरब डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है।

उद्योग मंडल फिक्की के अध्यक्ष अनंत गोयनका ने कहा कि भारत-न्यूजीलैंड मुक्त व्यापार समझौते का स्वागत है। यह हिंद-प्रशांत क्षेत्र के साथ आर्थिक जुड़ाव को मजबूत बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस समझौते से द्विपक्षीय व्यापार, निवेश प्रवाह और सहयोग में वृद्धि होने की उम्मीद है, जिससे दोनों देशों की कंपनियों के लिए विकास के नए अवसर सृजित होंगे।

पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (पीएचडीसीसीआई) के सीईओ और महासचिव रंजीत मेहता ने कहा कि भारत-न्यूजीलैंड मुक्त व्यापार समझौता व्यापार उदारीकरण को प्रतिभा आवाजाही, निवेश और उत्पादकता-आधारित सहयोग के साथ जोड़ने वाला अगली पीढ़ी का समझौता है। यह समझौता नीतिगत निश्चितता प्रदान करता है और विनिर्माण के लिए कच्चे माल कर लागत को कम करता है, जिससे दीर्घकालिक मजबूती की संभावना बनती है।

8 बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर घटकर 1.8% पर

नई दिल्ली, एजेंसी

देश के आठ प्रमुख बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर नवंबर में घटकर 1.8 प्रतिशत रह गई। यह पिछले साल इसी महीने में 5.8 प्रतिशत थी। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार कच्चे तेल, प्राकृतिक गैस, रिफाइनरी उत्पादों और बिजली उत्पादन में गिरावट से यह नरमी आई है। हालांकि आंकड़ों से पता चलता है कि इन क्षेत्रों का प्रदर्शन मासिक आधार पर सुधरा है।

अक्टूबर में आठ प्रमुख उद्योगों कोयला, कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस, पेट्रोलियम रिफाइनरी उत्पाद, बिजली, उर्वरक और इस्पात के उत्पादन में 0.1 प्रतिशत की गिरावट आई। चालू वित्त वर्ष 2025-26 की अप्रैल-नवंबर अवधि में इन क्षेत्रों का उत्पादन 2.4% बढ़ा जबकि वित्त वर्ष 2024-25 की समान अवधि में वृद्धि दर 4.4% रही थी। नवंबर में कोयला और इस्पात उत्पादन की वृद्धि दर में नरमी आई। हालांकि, उर्वरक और सीमेंट उत्पादन क्रमशः 5.6% और 14.5% बढ़ा। इक्रा लि. की मुख्य अर्थशास्त्री अदिति नायर ने कहा कि त्योहारों के बाद नवंबर 2025 में प्रमुख क्षेत्रों की वृद्धि अपेक्षित रूप से सुधरी, लेकिन यह अब भी सुस्त बनी हुई है।

उन्होंने कहा कि अक्टूबर और नवंबर के बीच वृद्धि में सुधार की अगुवाई अधिकांश क्षेत्रों ने की, जिसमें विशेष रूप से सीमेंट में तेज उछाल देखा गया। नायर ने कहा कि बुनियादी उद्योग की वृद्धि और अन्य महत्वपूर्ण आंकड़ों को देखते हुए नवंबर 2025 में औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) के 3.5 से 4.5% तक बढ़ने की उम्मीद है।

- **कच्चे तेल, प्राकृतिक गैस, रिफाइनरी उत्पादों और बिजली उत्पादन में आई गिरावट**

स्पेशल मार्जिन नुकसान पर नियंत्रण की प्रक्रिया

शेयर बाजार में निवेश करते समय जोखिम प्रबंधन सबसे महत्वपूर्ण होता है। इसी उद्देश्य से सेबी और एक्सचेंज समय-समय पर कुछ सुरक्षा उपाय लागू करते हैं, जिनमें स्पेशल मार्जिन एक अहम व्यवस्था है। जब किसी शेयर में अत्यधिक उतार-चढ़ाव, असामान्य ट्रेडिंग वॉल्यूम या सट्टेबाजी बढ़ जाती हैं, तब निवेशकों और बाजार की स्थिरता को सुरक्षित रखने के लिए स्पेशल मार्जिन लगाया जाता है। यह व्यवस्था निवेशकों को सोच-समझकर निर्णय लेने के लिए प्रेरित करती है और बाजार में अचानक होने वाले बड़े नुकसान को नियंत्रित करने में मदद करती है। स्पेशल मार्जिन का उद्देश्य बाजार को अनुशासित, पारदर्शी और सुरक्षित बनाना है।

खरीद-बिक्री से पहले जमा होने वाली राशि

शेयर बाजार में मार्जिन का अर्थ है वह राशि जो किसी निवेशक को शेयर खरीदने या बेचने के लिए पहले से जमा करनी होती है। सामान्य मार्जिन के अलावा, कुछ विशेष परिस्थितियों में एक्सचेंज स्पेशल मार्जिन लागू करता है। यह अतिरिक्त मार्जिन तब लगाया जाता है जब किसी शेयर में अत्यधिक तेजी या गिरावट देखी जाती है, या जब उसमें असामान्य सट्टा गतिविधियां बढ़ जाती हैं।

अनियंत्रित उतार-चढ़ाव पर रोक

स्पेशल मार्जिन का मुख्य उद्देश्य बाजार में अनियंत्रित उतार-चढ़ाव को रोकना है। कई बार कुछ शेयरों में अफवाहों, खबरों या सीमित जानकारी के आधार पर अचानक भारी खरीद-फरोख्त शुरू हो जाती है। ऐसी स्थिति में छोटे निवेशक ज्यादा जोखिम उठा लेते हैं और नुकसान की संभावना बढ़ जाती है। स्पेशल मार्जिन निवेशकों को अधिक पूंजी लगाने के लिए बाध्य करता है, जिससे केवल गंभीर और सोच-समझकर निवेश करने वाले लोग ही ट्रेड में बने रहते हैं।

स्थिरता में मददगार

यह व्यवस्था बाजार की स्थिरता बनाए रखने में भी मदद करती है। जब अतिरिक्त मार्जिन लगाया जाता है, तो अत्यधिक लीवरेज (उधार लेकर ट्रेडिंग) कम हो जाती है। इससे कीमतों में कृत्रिम उछाल या गिरावट पर नियंत्रण रहता है। परिणामस्वरूप, बाजार अधिक संतुलित और पारदर्शी बनता है।

दंड नहीं, सुरक्षा उपाय

निवेशकों के लिए यह समझना जरूरी है कि स्पेशल मार्जिन कोई दंड नहीं है, बल्कि एक सुरक्षा उपाय है। इसका उद्देश्य निवेशकों को सावधान करना और उन्हें जोखिम का सही आकलन करने के लिए प्रेरित करना है। जब किसी शेयर पर स्पेशल मार्जिन लगता है, तो यह संकेत होता है कि उस शेयर में जोखिम सामान्य से अधिक है।

अतिरिक्त सतर्कता

छोटे और नए निवेशकों को ऐसे समय में अतिरिक्त सतर्कता बरतनी चाहिए। बिना पूरी जानकारी के केवल तेजी देखकर निवेश करना नुकसानदेह हो सकता है। वहीं, दीर्घकालिक और मौलिक आधार पर निवेश करने वाले निवेशकों पर स्पेशल मार्जिन का प्रभाव अपेक्षाकृत कम पड़ता है।

विदेशी निवेशकों ने दी बाजार को मजबूती

मुंबई, एजेंसी

स्थानीय शेयर बाजार में तेजी का सिलसिला सोमवार को दूसरे कारोबारी सत्र में जारी रहा और बीएसई का सेंसेक्स 638 अंक चढ़ा, जबकि एनएसई का निफ्टी 26,000 अंक के ऊपर बंद हुआ। विदेशी संस्थागत निवेशकों के पूंजी निवेश तथा अमेरिकी फेडरल रिजर्व के नीतिगत दर में और कटौती की उम्मीद से निवेशकों की धारणा सकारात्मक रहने से बाजार बढ़त में रहा।

सेंसेक्स 638.12 अंक चढ़कर 85,567.48 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 206 अंक चढ़कर 26,000 अंक के पार 26,172.40 अंक पर बंद हुआ। ट्रेंट में 3.56% की तेजी रही। इन्फोसिस, टेक महिंद्रा, एचसीएल टेक, टीसीएस, भारती एयरटेल, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, टाटा मोटर्स, रिलायंस और मारुति लाभ में रहीं।

- **फेडरल रिजर्व की दर में और कटौती की उम्मीद से निवेशकों की धारणा रही सकारात्मक**

सोना 1.38 लाख रुपये के नए शिखर पर पहुंचा

नई दिल्ली, एजेंसी

- **चांदी का भी 10,400 की बढ़त के साथ नया रिकॉर्ड**

वैश्विक बाजारों में कीमती धातुओं के रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचने के बाद सर्राफा बाजार में सोमवार को सोने की कीमतें 1,685 रुपये की बढ़त के साथ 1,38,200 रुपये प्रति 10 ग्राम के नए उच्चतम स्तर पर पहुंच गईं। अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, चांदी भी 10,400 रुपये प्रति किग्रा बढ़कर 2,14,500 रुपये प्रति किग्रा (सभी कर) के सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंच गईं।

एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक (जिंस) सौमिल गांधी ने कहा कि सोने और चांदी के सोमवार को एक और नई रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचने से सर्राफा में तेजी का दौर जारी रहा। अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में सोना हाजिर 80.85 डॉलर यानी 1.86% बढ़कर 4,420.35 डॉलर प्रति औंस के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचा। चांदी और सोने में निवेशकों की रुचि बढ़ गई है क्योंकि अमेरिका में ब्याज दरें कम हो रही हैं, राजकोषीय चिंताएं बढ़ी हैं और अमेरिकी अर्थव्यवस्था अधिक अनिश्चित हो रही है। इससे सुरक्षित-संपत्ति की ओर बदलाव आया है। इसके अलावा, बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के कारण सुरक्षित निवेश विकल्प की मांग भी बढ़ गई है।

सुझाव आरबीआई बुलेटिन के अनुसार, आर्थिक बुनियाद व सुधारों पर ध्यान से दक्षता और उत्पादकता में होगी वृद्धि

समन्वित राजकोषीय, मौद्रिक नीतियों से अर्थव्यवस्था हुई मजबूत

मुंबई, एजेंसी

समन्वित राजकोषीय, मौद्रिक और नियामक नीतियों ने अर्थव्यवस्था में मजबूती लाने में मदद की है। हालांकि, यह बाहरी क्षेत्र की चुनौतियों से पूरी तरह अप्रभावित नहीं है। भारतीय रिजर्व बैंक के सोमवार को जारी एक बुलेटिन में यह कहा गया। आरबीआई के दिसंबर बुलेटिन में प्रकाशित एक लेख में कहा गया है कि वृहद आर्थिक बुनियाद और आर्थिक सुधारों पर निरंतर ध्यान देने से दक्षता और उत्पादकता में वृद्धि होगी, जिससे तेजी से बदलते वैश्विक परिवेश के बीच अर्थव्यवस्था को उच्च वृद्धि के रास्ते पर मजबूती से बनाए रखने में मदद मिलेगी।

इसमें कहा गया है कि वर्ष 2025 में वैश्विक व्यापार नीतियों में काफी बदलाव आया है। शुल्क और व्यापार की शर्तों पर द्विपक्षीय स्तर पर पुनर्विचार की दिशा में कदम बढ़ाया गया। अर्थव्यवस्था की स्थिति पर लिखे गए लेख में कहा गया है कि इसका वैश्विक व्यापार प्रवाह और आपूर्ति श्रृंखलाओं पर प्रभाव अभी भी सामने आ रहा है। इससे वैश्विक अनिश्चितताएं और वैश्विक वृद्धि की संभावनाओं को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। भारतीय अर्थव्यवस्था बाहरी क्षेत्र की चुनौतियों से पूरी तरह अप्रभावित नहीं है। लेकिन समन्वित राजकोषीय, मौद्रिक और नियामक नीतियों ने मजबूती लाने में मदद की है। 2025-26 की दूसरी तिमाही में मजबूत घरेलू मांग के समर्थन से भारतीय अर्थव्यवस्था ने पिछले छह तिमाहियों में सबसे तेज गति से वृद्धि हासिल की। नवंबर के आंकड़े (जीएसटी संग्रह, ई-वे बिल) बताते हैं कि समग्र आर्थिक गतिविधियां तेज रही हैं और मांग की स्थिति मजबूत बनी हुई है। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति में मामूली वृद्धि हुई, लेकिन यह न्यूनतम संतोषजनक स्तर (2%) से नीचे है। लेख में कहा गया है कि वित्तीय स्थितियां अनुकूल बनी रहीं और वाणिज्यिक क्षेत्र में वित्तीय संसाधनों का प्रवाह मजबूत रहा। कम वस्तु व्यापार घाटा, मजबूत सेवा निर्यात और प्रेषण प्राप्तियों के समर्थन से 2025-26 की दूसरी तिमाही में भारत का चालू खाते का घाटा पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में कम रहा।

प्रत्यक्ष विदेशी निवेश गत वर्ष की तुलना में अधिक

मजबूत घरेलू मांग के साथ आर्थिक वृद्धि मजबूत रही। मुद्रास्फीति में नरमी ने मौद्रिक नीति को आर्थिक वृद्धि का समर्थन करने को पर्याप्त गुंजाइश दी। अप्रैल-अक्टूबर 2025 के दौरान, सकल और शुद्ध दोनों मामलों में, प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) गत वर्ष की तुलना में अधिक रहा। अक्टूबर में एफडीआई अच्छा रहा। सिंगापुर, मॉरीशस और अमेरिका का कुल एफडीआई प्रवाह में 70% से अधिक का योगदान रहा। मुख्य रूप से पूंजी को अपने देश भेजने और अन्य देशों में होने वाले प्रत्यक्ष निवेश से अक्टूबर में शुद्ध प्रत्यक्ष विदेशी निवेश नकारात्मक रहा। 2025-26 के दौरान अब तक (18 दिसंबर तक), इक्विटी क्षेत्र में पूंजी निकासी से शुद्ध विदेशी निवेश में कमी आई। दो महीनों में विदेशी पोर्टफोलियो निवेश में वृद्धि के बाद दिसंबर में निवेश नकारात्मक हो गया।

अनिश्चितता के दबाव से रुपया रहा कमजोर

लेख में कहा गया कि भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर अनिश्चितता और घरेलू बाजार के उच्च मूल्यांकन को लेकर निवेशकों की सतर्कता ने हाल के महीनों में भारत में शुद्ध एफपीआई प्रवाह को नरम बनाए रखा। अमेरिकी डॉलर के मजबूत होने, विदेशी पोर्टफोलियो प्रवाह में कमी और भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर अनिश्चितता के दबाव के कारण नवंबर में भारतीय रुपया (आईएनआर) अमेरिकी डॉलर के मुकाबले कमजोर हुआ।

एकमुश्त निदान में तेजी लाए वित्त मंत्रालय : एनआईएफ

नई दिल्ली, एजेंसी

- **राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण ने हाल ही में ओटीएस को दी है मंजूरी**

नेशनल स्पॉट एक्सचेंज लिमिटेड (एनएसईएल) के निवेशकों के हितों का प्रतिनिधित्व करने वाले मंच एनआईएफ ने एकमुश्त निपटान योजना (ओटीएस) को तेजी से और सुचारू ढंग से लागू करने के लिए वित्त मंत्रालय से संपर्क करने का फैसला किया है। राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) ने हाल ही में इस ओटीएस को मंजूरी दी है।

एनएसईएल निवेश मंच (एनआईएफ) के चेयरमैन शरद सराफ ने कहा कि एनएसईएल, उसकी मूल कंपनी 63 मून्स टेक्नोलॉजीज और निवेशकों के बीच हुआ यह ऐतिहासिक समाधान समझौता कई साल से चली आ रही कानूनी अनिश्चितता के बाद ठोस और न्यायसंगत समाधान प्रस्तुत करता है। उन्होंने कहा कि हम वित्त मंत्रालय से आग्रह करेंगे कि वह एकमुश्त समाधान योजना के जल्द से जल्द क्रियान्वयन में सहयोग करे, ताकि निवेशकों को भुगतान शीघ्र हो सके। वह ओटीएस के पारदर्शी, सहज और समयबद्ध क्रियान्वयन के लिए प्रतिबद्ध है और हर चरण में सरकार के सहयोग की अपेक्षा करता है। समाधान और निवेशकों को अंतिम भुगतान की प्रक्रिया को तेज करने के मकसद से वित्त मंत्रालय से संपर्क किया जा रहा है। हाल ही में एनसीएलटी की मुंबई पीठ ने एनएसईएल और एनआईएफ के बीच समाधान योजना को मंजूरी दी थी। इसके तहत 5,682 कारोबारियों को 31 जुलाई, 2024 तक बकाया राशि के अनुपात में 1,950 करोड़ रुपये का भुगतान किया जाएगा।

मॉस्को में हुए कार बम विस्फोट में रूस के लेफ्टिनेंट जनरल की मौत, यूक्रेन पर शक

● एक साल में वरिष्ठ सेनाधिकारी की हत्या का तीसरा मामला

मॉस्को, एजेंसी

दक्षिणी मॉस्को में सोमवार सुबह एक रूसी जनरल की कार के नीचे लगाए गए विस्फोटक उपकरण में धमाका हो गया जिससे उनकी मौत हो गई। जांचकर्ताओं ने कहा कि इस हमले के पीछे यूक्रेन का हाथ हो सकता है। यह एक साल में किसी वरिष्ठ सैन्य अधिकारी की हत्या का ऐसा तीसरा मामला है।

रूस की शीर्ष आपराधिक जांच एजेंसी इंवेस्टीगेटिव कमेटी के आधिकारिक प्रवक्ता स्वेतलाना पेत्रेंको ने बताया कि रूस के सशस्त्र बलों के जनरल स्टाफ के परिचालन प्रशिक्षण निदेशालय के प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल फानिल सरवारोव की चोटों के कारण मौत हो गई। उन्होंने कहा कि जांचकर्ता इस हत्या के संबंध में कई संभावित पहलुओं की जांच कर रहे हैं। इनमें से एक यह भी है कि इस अपराध की साजिश यूक्रेन की खुफिया सेवाओं द्वारा रची गई हो सकती है। रूसी राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने कहा कि राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को सरवारोव की हत्या की सूचना तुरंत दे दी गई है।

रक्षा मंत्रालय ने बताया कि सरवारोव पहले चेचन्या में लड़ चुके थे और सीरिया में मॉस्को के सैन्य अभियान में भी हिस्सा ले चुके थे। महज एक साल पहले सेना के परमाणु, जैविक और रासायनिक सुरक्षा बलों के प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल इगोर किरीलोव की भी उनके अपार्टमेंट के बाहर एक इलेक्ट्रिक स्कूटर में छिपाए गए बम में विस्फोट होने से मौत हो गई थी। विस्फोट में उनके एक सहायक की भी मौत हुई थी।

हस्तियों के चेहरों से हट रहा है मुखौटा

जेफरी एपस्टीन मरने के बाद भी दुनिया भर में चर्चा में है और उससे संबंधों की वजह से दुनिया भर की तमाम बड़ी हस्तियों की सांस हलक में फंसी हुई है। एपस्टीन एक अमेरिकी फाइनेंसर था जो नाबालिग लड़कियों की सेक्स ट्रैफिकिंग के वजह से बदनाम है। उसका जन्म न्यूयॉर्क के ब्रुकलिन में हुआ था। पढ़ाई छोड़ने के बाद वह निवेश बैंक में शामिल हुआ और 1980 तक वहां पार्टनर बन गया। 1982 में उसने अपनी फर्म शुरू की जो सिर्फ बेहद अमीर ग्राहकों का प्रबंधन करती थी। 2005 में फ्लोरिडा में उसके खिलाफ एक 14 वर्षीय लड़की के यौन शोषण की जांच शुरू हुई, जिसके बाद उसके खिलाफ कई घृणित और हैरतअंगेज खुलासे हुए। हाल ही में अमेरिकी संसद में पारित हुए प्रस्ताव के बाद उसकी फाइलों को सार्वजनिक किया जा रहा है, जिसमें कई बड़ी हस्तियों का काला चिट्ठा मौजूद बताया जा रहा है।

एपस्टीन का काला चिट्ठा

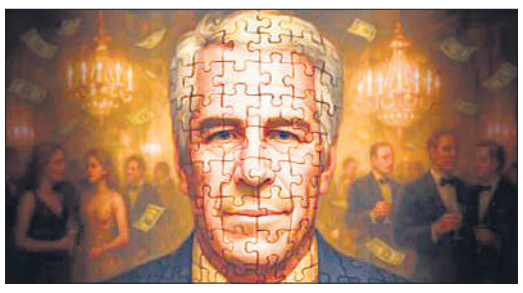

काले कारनामों का खुलासा

- मार्च 2005 में फ्लोरिडा की एक 14 वर्षीय लड़की के यौन शोषण की उसके माता-पिता ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस जांच में कई और पीड़ितों का पता चला। एपस्टीन का 2008 में संघीय अभियोजकों के साथ गुप्त समझौता हुआ, जिसके तहत एपस्टीन को मामूली सजा मिली।
- रिपोर्टर जूली के. ब्राउन 2018 में 80 पीड़ितों से बात कर परवर्जन ऑफ जस्टिस नामक एक शृंखला प्रकाशित की। इससे दबाया गया मामला फिर से चर्चा में आ गया।
- ब्राउन की रिपोर्टिंग और पीड़ितों के कानूनी संघर्ष के कारण जुलाई 2019 में एपस्टीन को नाबालिगों की तस्करी के गंभीर आरोपों में फिर से गिरफ्तार कर लिया गया।

ताजा खुलासे : कई हस्तियां बेनकाब

- पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन कई तस्वीरों में एपस्टीन के घर और निजी विमान में देखे गए हैं। एक हॉट टब में भी वह लड़की के साथ दिख रहे हैं।
- ट्रंप का भी नाम दस्तावेजों में बार-बार आया है, एक फोटो में वे गिस्लेन मैक्सवेल समेत कई के साथ तस्वीर में नजर आ रहे हैं। ब्रिटिश प्रिंस एंड्रयू की एक तस्वीर जारी हुई है।
- विश्वप्रसिद्ध अन्य लोगों में बिल गेट्स, एलन मस्क, माइकल जैक्सन, केविन स्पेसी, क्रिस टकर, मिक जैगर, डायना रॉस, नाओमी कैंपबेल के भी नाम सामने आए हैं।

अब भी साजिश का पर्दा

- अमेरिकी सांसदों ने आरोप लगाया है कि न्याय विभाग ने हजारों पन्ने काले कर दिए हैं। इनमें एपस्टीन के अपराधों में शामिल और लोगों के नाम हो सकते हैं। ● जांचकर्ता उस क्लाइंट लिस्टकी तलाश में हैं, जिसमें ऐसे नाम हो सकते हैं जिन्होंने एपस्टीन की सेवा का लाभ उठाया। ● दस्तावेजों के ताजा सेट में कई सहसाजिशकर्ताओं के नाम अभी भी छिपाए गए हैं। पीड़ितों के समूह इन नामों को भी सार्वजनिक करने के लिए दबाव बना रहे हैं। ● अब उम्मीद जताई जा रही है कि आगे जांच में एपस्टीन के वित्तीय नेटवर्क का खुलासा होगा।

रहस्यमय मृत्यु

● 10 अगस्त 2019 को मुकदमे का इंतजार करते हुए एपस्टीन न्यूयॉर्क की एक जेल में मृत पाया गया। इसे आत्महत्या करार दिया गया। ● यह घटना उस समय घटी जब एपस्टीन का काला चेहरा दुनिया के सामने आ चुका था और उसकी फाइलों को सार्वजनिक करने की मांग हो रही थी। ● दिसंबर 2025 में एपस्टीन फाइल्स ट्रांसपेरेंसी एक्ट के तहत कई फाइलें व तस्वीरें सार्वजनिक की गई हैं।

वर्ल्ड ब्रीफ

आनंद बने स्टारबक्स के कार्यकारी उपाध्यक्ष

ह्यूस्टन। अमेरिका की बहुराष्ट्रीय कंपनी स्टारबक्स ने भारतीय मूल के आनंद वरदराजन को अपना नया कार्यकारी उपाध्यक्ष और मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारी (सीटीओ) नियुक्त किया है। करीब दो दशकों तक अमेजन में काम कर चुके वरदराजन को दुनियाभर में कॉफीहाउस श्रृंखला के लिए मशहूर इस कंपनी के वैश्विक प्रौद्योगिकी संचालन की कमान सौंपी गई है। वरदराजन 19 जनवरी से पदभार संभालेंगे, कंपनी की कार्यकारी नेतृत्व टीम में शामिल होंगे ।

अभिनेता जेम्स रैनसन ने की आत्महत्या

लॉस एंजिलिस। एचबीओ टीवी चैनल की प्रसिद्ध श्रृंखला द वायर में जिगी सोबोटका की भूमिका निभाने वाले अभिनेता जेम्स रैनसन ने कथित रूप से आत्महत्या कर ली। वह 46 वर्ष के थे। लॉस एंजिलिस काउंटी चिकित्सकीय परीक्षक कार्यालय के अनुसार आत्महत्या करने के कारण रैनसन की शुक्रवार को मौत हो गई। रैनसन ने इट : चैप्टर टू, द ब्लैक फोन और ब्लैक फोन 2 जैसी फिल्मों में काम किया था। इसके अलावा उन्होंने पुलिस ड्रामा बॉश और पोकर फेस जैसे टेलीविजन कार्यक्रमों में भी अभिनय किया था।

वेनेजुएला के एक और जहाज को खदेड़ा

मियामी। अमेरिकी तटरक्षक बल ने रविवार को कैरेबियाई सागर में एक और प्रतिबंधित तेल टैंकर जहाज का पीछा किया। इस अभियान से जुड़े एक अमेरिकी अधिकारी ने इसकी पुष्टि की। यह कार्रवाई ऐसे समय हुई है, जब अमेरिकी प्रशासन ने शनिवार को बताया था कि उसने दो सप्ताह से भी कम समय में दूसरी बार एक टैंकर को जब्त किया है। नाम न उजागर करने की शर्त पर अधिकारी ने कहा कि रविवार को जिस जहाज का पीछा किया गया वह प्रतिबंध का उल्लंघन करने वाला जहाज था। उनके मुताबिक, वह जहाज फर्जी झंडा लगाए हुए था।

कोलंबो पहुंचे विदेश मंत्री जयशंकर

कोलंबो। विदेश मंत्री एस जयशंकर श्रीलंका के आधिकारिक दौरे पर सोमवार शाम कोलंबो पहुंचे। जयशंकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विशेष दूत के रूप में कोलंबो की यात्रा पर हैं। इस यात्रा का उद्देश्य चक्रवात दितवाह से प्रभावित श्रीलंका को भारत के समर्थन की पुष्टि करना है। अपनी यात्रा के दौरान, विदेश मंत्री श्रीलंकाई राष्ट्रपति और सरकार के अन्य वरिष्ठ प्रतिनिधियों के साथ चर्चा करेंगे।

बांग्लादेश में हादी के बाद एक अन्य छात्र नेता को मारी गई सिर में गोली

देश में छात्र नेतृत्व वाले हिंसक आंदोलन के दूसरे प्रमुख नेता थे मोतालेब सिकदर

● बांग्लादेश के दक्षिण-पश्चिमी शहर खुलना में हुई वारदात

ढाका, एजेंसी

बांग्लादेश के दक्षिण-पश्चिमी शहर खुलना में सोमवार को अज्ञात बंदूकधारियों ने छात्र-नेतृत्व वाले हिंसक आंदोलन के दूसरे नेता मोतालेब सिकदर को सिर में गोली मार दी। यह हमला प्रमुख युवा नेता शरीफ उस्मान हादी की हत्या के कुछ दिनों बाद हुआ। एनसीपी (नेशनल सिटिजन पार्टी) की संयुक्त प्रधान समन्वयक महमूदा मितु ने फेसबुक पर एक पोस्ट में कहा कि एनसीपी के खुलना डिवीजन के प्रमुख और पार्टी के कार्यकर्ता मोर्चे के केंद्रीय समन्वयक मोहम्मद मोतालेब सिकदर को कुछ मिनट पहले गोली मार दी गई।

पेशे से चिकित्सक मितु ने बताया कि सिकदर को गंभीर हालत में खुलना मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाया गया। अस्पताल सूत्रों ने बताया कि सिकदर के सिर में बाईं ओर गोली मारी गई और जब उन्हें अस्पताल लाया गया, तो बहुत अधिक खून बह रहा था। चिकित्सकों ने तत्काल उपचार शुरू किया। यह हमला हादी की हत्या के कुछ दिनों बाद हुआ है। हादी पिछले साल हुए छात्र विरोध प्रदर्शनों के एक प्रमुख नेता थे। इन प्रदर्शनों के बाद ही प्रधानमंत्री शेख हसीना को सत्ता छोड़नी पड़ी थी। हादी को 12 दिसंबर को ढाका के बिजॉयनगर इलाके में एक चुनावी अभियान के दौरान नकाबपोश बंदूकधारियों ने सिर में गोली मार दी थी। इंकलाब मंच के 32 वर्षीय प्रवक्ता की गुरुवार को सिंगापुर में इलाज के दौरान मृत्यु हो गई। हादी 12 फरवरी को होने वाले आम चुनावों में उम्मीदवार थे। मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार ने शनिवार को हादी की मौत पर राष्ट्रव्यापी शोक का आयोजन किया और कहा कि उनके हत्यारों को पकड़ने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी।

कोलकाता में बांग्लादेश के उप उच्चायोग के पास प्रदर्शन करते भाजपा कार्यकर्ता।

हिंदू युवक की हत्या के विरोध में कई राज्यों में प्रदर्शन

कोलकाता। बांग्लादेश में एक हिंदू युवक की हुई बर्बर हत्या के विरोध में सोमवार को पश्चिम बंगाल, जम्मू-कश्मीर, उत्तर प्रदेश सहित कई राज्यों में विरोध प्रदर्शन हुआ। प्रदर्शनकारियों ने हत्या में संलिप्त लोगों को कड़ी सजा देने और हिंदुओं पर हमले और अत्याचार बंद किए जाने की मांग की। कोलकाता में भाजपा के वरिष्ठ नेता सुभेंदु अधिकारी ने पार्टी नेताओं एवं समर्थकों के साथ बांग्लादेशी उप उच्चायोग के समक्ष विरोध प्रदर्शन किया। अधिकारी ने निजाम पैलेस से बेकबागन तक रैली का नेतृत्व किया, जहां लगभग 2,000 लोग एकत्र हुए तथा हत्या की बर्बर घटना की निंदा की और प्रदर्शन किया। बांग्लादेश के मैमनसिंह में 18 दिसंबर की रात दीपू दास की पीटकर हत्या कर दी गई। उन्होंने कहा, हम दास की हत्या में संलिप्त सभी लोगों के लिए कड़ी सजा चाहते हैं। बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे हमले तुरंत बंद हों।

अशांति की आशंका में असम में हाई अलर्ट

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने सोमवार को कहा कि पड़ोसी देश बांग्लादेश में अशांति की नई लहर के मद्देनजर राज्य हाई अलर्ट पर है। शर्मा ने यहां कहा कि राज्य सरकार बांग्लादेश के घटनाक्रम पर बारीकी से नजर रखे हुए है। मुख्यमंत्री ने कहा हमने देखा है कि बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार किया जा रहा है और उन्हें जिंदा जलाया जा रहा है...बांग्लादेश में वर्तमान सत्ता में बैठे लोग पूर्वोत्तर भारत को अपने देश में शामिल करने की बात कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह सर्वविदित है कि बांग्लादेश से लोगों ने समय-समय पर असम में प्रवेश किया और राज्य ऐसे लोगों से भरा पड़ा है। हमें सतर्क रहना होगा और उस देश के घटनाक्रम पर पैनी नजर रखनी होगी। उन्होंने पिछले सप्ताह दावा किया था कि बांग्लादेशी तत्व बार-बार यह कह रहे हैं कि पूर्वोत्तर भारत को पड़ोसी देश में मिला दिया जाना चाहिए, भारत इस पर चुप नहीं रहेगा।

भारत में चीनी दूतावास अब वीजा आवेदन ऑनलाइन स्वीकार करेगा

बीजिंग,एजेंसी

● चीनी ऑनलाइन पोर्टल ग्रेटर बे एरिया ने दी जानकारी

दिल्ली स्थित चीनी दूतावास ने भारतीय पासपोर्ट धारकों को ऑनलाइन वीज़ा आवेदन की सुविधा प्रदान करने के लिए चीन ऑनलाइन वीजा एप्लिकेशन सिस्टम शुरू किया है। यह जानकारी एक सोशल मीडिया रिपोर्ट में सोमवार को दी गई।

शेनझेन स्थित चीनी ऑनलाइन पोर्टल ग्रेटर बे एरिया (जीबीए) के अनुसार, यह प्रक्रिया पिछली प्रक्रिया की तुलना में आसान है, जिसमें आवेदकों को कई कागजी दस्तावेज भौतिक तौर पर प्रस्तुत करने की आवश्यकता होती थी। इससे पहले, भारत में चीनी दूतावास ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट वीचैट पर घोषणा की थी कि ऑनलाइन वीजा सेवा प्रणाली 22 दिसंबर से शुरू की जाएगी। दूतावास ने कहा था कि चीनी ऑनलाइन वीजा आवेदन प्रणाली को भारत में चीनी दूतावास द्वारा 22 दिसंबर 2025 को आधिकारिक तौर पर शुरू किया जाएगा।

उसने कहा कि आवेदक वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन फॉर्म भरने और आवेदन सामग्री अपलोड कर सकते हैं। जीबीए की रिपोर्ट में कहा गया है कि पात्र आवेदक पर्यटक (एल), व्यावसायिक (एम), छात्र (एक्स) और कार्य (जेड) वीजा के लिए इलेक्ट्रॉनिक रूप से फॉर्म भर सकते हैं, दस्तावेज अपलोड कर सकते हैं और बायोमेट्रिक प्रक्रिया कर सकते हैं। इस महीने की शुरुआत में, भारत ने चीनी पेशेवरों के लिए व्यावसायिक वीजा जारी करने की प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए कदम उठाए थे। हालांकि, सभी चीनी वीजा आवेदकों के लिए मौजूदा जांच प्रक्रिया में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

संघर्ष विराम वार्ता फिर से शुरू करेंगे थाईलैंड-कंबोडिया

बैंकॉक। थाईलैंड के विदेश मंत्री सिहासक फुआंगकेत्केओ ने सोमवार को कहा कि थाईलैंड और कंबोडिया इस सप्ताह के अंत में अपनी सीमा पर अधिक स्थायी संघर्ष विराम की दिशा में काम करने के लिए बातचीत फिर शुरू करेंगे। सिहासक फुआंगकेत्केओ ने सोमवार को कुआलालंपुर, मलेशिया में आयोजित आसियान विदेश मंत्रियों की बैठक के बाद कहा कि अक्टूबर में किया गया सशस्त्र संघर्ष समझौता जल्दबाजी में किया गया था ताकि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इसके गवाह बन सकें।

मुंबई में अब आवारा कुत्तों को एआई से करेंगे काबू

मुंबई, एजेंसी

● नगर निगम ने कुत्तों की आबादी पर नियंत्रण के लिए की पहल

बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) मुम्बई में आवारा कुत्तों की आबादी को काबू में रखने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का इस्तेमाल करेगा। इसका उद्देश्य आवारा कुत्तों की सेहत, उसकी गतिविधियों और व्यवहार को बेहतर बनाने के साथ ही लोगों की सुरक्षा को बढ़ाना है।

एआई कुत्तों की पहचान प्रोफाइल बनाने के लिए उनकी तस्वीरें लेगा और टीकाकरण और बंध्याकरण के बाद उन्हें काबू में रखा जा सकेगा। इसी का डेटा सीसीटीवी कैमरों, ड्रोन, मोबाइल एप्लिकेशन और हाथ से ली गई तस्वीरों से इकट्ठा किया जाएगा ताकि उसकी गतिविधियों और व्यवहारों का विश्लेषण किया जा सके और अधिक कुत्तों वाली जगहों की पहचान की जा सके। अधिकारियों ने इस प्रणाली को जानवरों की उपस्थिति की सही पहचान के लिए जरूरी बताया है, जिससे नागरिकों की शिकायतों पर तेजी से कार्रवाई की जा सकेगी और बंध्याकरण और टीकाकरण की बेहतर योजनाएं बनाई जा सकेंगी।

अल्बानीज़ को हटाने के लिए तीन लाख हस्ताक्षर

सिडनी। आस्ट्रेलिया में सिडनी के बॉन्डी बीच पर हुए जानलेवा आतंकवादी हमले के बाद तीन लाख से ज्यादा लोगों ने ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज़ के इस्तीफे और आप्रवासन नीति में बदलाव की मांग की है। याचिका से जुड़ी वेबसाइट चेंजडॉटऑर्ग के अनुसार, अब तक तीन लाख 10 हज़ार लोग इस याचिका पर हस्ताक्षर कर चुके हैं। सिडनी बीच आतंकवादी हमले के पीड़ितों को 21 दिसंबर को श्रद्धांजलि देने पहुंचे अल्बानीज़ के खिलाफ भीड़ ने नारेबाज़ी की थी।

बांग्लादेश उच्चायोग ने वीजा सेवा निलंबित कीं

नई दिल्ली/ढाका

● नई दिल्ली में हुए विरोध प्रदर्शनों के बाद उठाया कदम

नई दिल्ली में बांग्लादेश उच्चायोग ने सोमवार को कांसुलर और वीजा सेवाओं को निलंबित कर दिया है। बांग्लादेश ने इससे पहले दिन में त्रिपुरा के अगरतला में अपने सहायक उच्चायोग में वीजा का काम बिना किसी समय सीमा के रोक दिया था।

ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार बांग्लादेश ने सुरक्षा चिंताओं और किसी भी अप्रिय स्थिति से बचने की ज़रूरत का हवाला देते हुए नई दिल्ली में अपने उच्चायोग में सभी वीज़ा जारी करने और कांसुलर सेवाओं को अगले आदेश तक अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया है। इस फैसले की घोषणा बांग्लादेश उच्चायोग ने सोमवार को जारी नोटिस में की गई। मिशन परिसर में लगाए गए नोटिस में निलंबन के कारण हुई असुविधा के लिए खेद व्यक्त किया गया। यह कदम शनिवार को नई दिल्ली में बांग्लादेश उच्चायोग के बाहर हुए विरोध प्रदर्शनों के बाद उठाया गया है।

रूस-यूक्रेन युद्ध खत्म करने पर हुई सार्थक बातचीत

मियामी। अमेरिकी राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय व्हाइट हाउस के एक दूत ने रविवार को कहा कि उन्होंने रूस और यूक्रेन के बीच लगभग चार साल से जारी युद्ध को समाप्त करने के लिए फ्लोरिडा में यूक्रेनी और यूरोपीय प्रतिनिधियों के साथ उपयोगी और सार्थक बातचीत की। व्हाइट हाउस के दूत स्टीव विटकॉफ ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि इन वार्ताओं का उद्देश्य यूक्रेन, अमेरिका और यूरोप के बीच एक साझा रणनीतिक दृष्टिकोण पर सहमति बनाना है।

इंडोनेशिया में बस हादसे में 16 की मौत

● गंभीर हालत में 18 लोग अस्पताल में कराए गए भर्ती

जकार्ता, एजेंसी

इंडोनेशिया के मुख्य द्वीप जावा में एक यात्री बस के रविवार देर रात दुर्घटनाग्रस्त होने से 16 लोगों की मौत हो गई। खोज और बचाव एजेंसी के प्रमुख बुडियोनो ने बताया कि 34 लोगों को ले जा रही बस टोल रोड पर नियंत्रण खो बैठी और कंक्रीट के एक अवरोधक से टकराने के बाद पलट गई।

उन्होंने बताया कि अंतर-प्रांतीय बस राजधानी जकार्ता से देश के प्राचीन शाही शहर योग्याकार्ता जा रही थी तभी सेंट्रल जावा के सेमारंग शहर में क्राप्याक टोलवे पर एक घुमावदार मार्ग पर वह पलट गई। बुडियोनो ने कहा कि हादसा इतना भीषण था कि कई यात्री उछलकर गिर पड़े और बस में फंस गए। दुर्घटना के लगभग 40 मिनट बाद पुलिस एवं बचाव दल मौके पर पहुंचे और उन्होंने छह यात्रियों के शव बरामद किए। बुडियोनो ने बताया कि 10 अन्य लोगों की अस्पताल ले जाते समय या इलाज के दौरान मौत हो गई। उन्होंने बताया कि पास के दो अस्पतालों में इलाज करा रहे 18 पीड़ितों की हालत गंभीर है। समाचार चैनलों द्वारा प्रसारित वीडियो में पीले रंग की एक बस पलटी नजर आ रही है जिसके आसपास राष्ट्रीय खोज एवं बचाव एजेंसी के कर्मी, पुलिस और राहगीर खड़े दिख रहे हैं। वीडियो में एंबुलेंस हादसे की जगह से घायलों और मृतकों को ले जाती नजर आ रही हैं। सेंट्रल जावा के पुलिस प्रमुख रिबुत हरि विबोवो के अनुसार, प्रत्यक्षदर्शियों ने अधिकारियों को बताया कि बस तेज गति से चल रही थी और चालक ने उस पर से नियंत्रण खो दिया। बस चालक को गंभीर चोटें आईं है लेकिन उपचार के दौरान वह बात कर पा रहा था। विबोवो ने कहा, हम दुर्घटना के कारण की जांच कर रहे हैं।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 23 दिसंबर, मंगलवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- पौष, पक्ष-शुक्ल पक्ष, तृतीया 12 .12 तक तत्पश्चात चतुर्थी।

आज का पंचांग

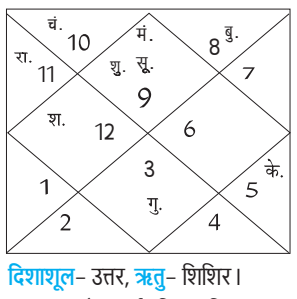

दिशाशूल- उत्तर, ऋतु- शिशिर।
चन्द्रबल- मेष, कर्क, सिंह, वृश्चिक, मकर, मीन।
ताराबल- अश्विनी, कृत्तिका, रोहिणी, मृगशिरा, आर्द्रा, पुष्य, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, स्वाति, अनुराधा, मूल, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद।
नक्षत्र- श्रवण पूर्ण रात्रि तक।

मेष — आज लोग आपसे काफी अपेक्षा रखेंगे। जीवनसाथी का सहयोग प्राप्त होगा। घर में कुछ बदलाव कर सकते हैं। आपके व्यवहार की गंभीरता की प्रशंसा होगी। वैवाहिक जीवन में परस्पर सम्मान की भावना में वृद्धि होगी। वरिष्ठजनों का सहयोग प्राप्त होगा।

वृष — आज कार्यक्षेत्र में आपकी बातों को विशेष महत्व मिलेगा। मनोरंजन संबंधी कार्यों में आप धन खर्च कर सकते हैं। आपकी जीवनशैली में सुधार आएगा। रुके हुए सरकारी कार्य पूरे हो जाएंगे। बड़े अधिकारी आपसे बहुत प्रसन्न रहने वाले हैं।

मिथुन — आज प्रेम संबंधों को लेकर तनाव बढ़ेगा। सुख-सुविधाओं में कमी आएगी। कानूनी मामलों में परेशानियां बढ़ सकती हैं। काम के प्रति एकाग्र नहीं हो पा रहे हैं, इसीलिए नए काम की शुरूआत न करें। केवल कही-सुनी बातों पर ही सहसा विश्वास न करें।

कर्क — आज वैवाहिक जीवन में प्रेम भाव बढ़ेगा। कारोबारी अनुबंधों के लिए दिन बहुत ही अच्छा है। बच्चों की उपलब्धियों से हर्षित रहेंगे। निर्माण कार्यों में तेजी आएगी। आप परिवार को अत्यधिक महत्व देंगे। घुटनों में दर्द की शिकायत हो सकती है।

सिंह — आज सहकर्मियों का बेहतरीन सहयोग प्राप्त होगा। यदि आप किसी काम को टालते हैं, तो भविष्य में भी उसके टलने की संभावना बढ़ जाएगी। सभी कार्यों को समय पर पूर्ण करने का प्रयास करें। किसी नई नौकरी की शुरुआत कर सकते हैं।

कन्या — आज समझदारी पूर्वक स्थितियों को संभालने का प्रयास करें। अधूरे कार्यों को समय पर निपटा पाएंगे। आप वही काम करना पसन्द करेंगे, जो आपका शौक बन गया हो। शेयर मार्केट में पहले किया गया निवेश आपको बड़ा लाभ दे सकता है।

तुला — आज व्यर्थ दौड़धूप करनी पड़ेगी, लेकिन उसका परिणाम कुछ खास नहीं मिलेगा। बोलचाल में हल्के शब्दों का प्रयोग करना उचित नहीं है। लेन-देन में की गई जल्दबाजी आपको आर्थिक हानि पहुंचा सकती है।

वृश्चिक — आज नौकरीपेशा लोगों का ट्रांसफर हो सकता है। पढ़ाई-लिखाई को लेकर आप अत्यंत सजग रहेंगे। विवेक से काम करना लाभकारी सिद्ध होगा। व्यापार में बहुत अच्छे मौके मिलेंगे। रूपरेखा बनाकर काम करना लाभकारी सिद्ध होगा।

धनु — आज जोखिम भरे निवेश करने से आपको बचना चाहिए। बच्चों की परवरिश पर ध्यान दें। पुराने रोगों के कारण परेशानी होगी। आपकी कुछ महत्वपूर्ण वस्तुएं गुम हो सकती हैं। लोग आपके सही काम का भी विरोध करेंगे।

मकर — आज व्यवसाय में बड़ा बदलाव कर सकते हैं। कार्यक्षेत्र में आपको नए अनुभव मिलेंगे। मित्रों से आपको कुछ उपहार मिल सकता है। मृदु व्यवहार के कारण लोगों के चहेते बने रहेंगे। भाई-बंधुओं के बीच आत्मीयता की भावना बढ़ेगी।

कुंभ — आज अति आत्मविश्वास के कारण आपको परेशानी झेलनी पड़ेगी। बेवजह के मामलों में उलझ सकते हैं। कारोबार में थोड़ी गिरावट देखने को मिल सकती है। बवासीर के रोगियों को तेज दर्द की शिकायत हो सकती है। बुरी संगत वाले लोगों से दूरी बनाकर रखें।

मीन — आज आपके मान-सम्मान में वृद्धि होगी। सामाजिक कार्यों में आप अत्यंत सक्रिय रहेंगे। धार्मिक कार्यों में मन लगाएंगे। व्यापार में बड़ा आर्थिक लाभ मिल सकता है। आलस्य की वजह से काम में रुकावटें आ सकती हैं।

सुडोकू-10

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

1		7			8		5	
	8		4	6			7	
6		4			2		3	
	6			1	5			3
4			7	3		8		
	7		6			9		2
	3			8	9		4	
	4		2			3		1

सुडोकू - 9 का हल

7	1	8	4	2	9	5	3	6
4	6	5	8	7	3	2	9	1
9	2	3	1	5	6	7	8	4
6	4	2	3	8	7	9	1	5
5	8	7	6	9	1	3	4	2
3	9	1	5	4	2	6	7	8
8	7	4	9	6	5	1	2	3
1	5	9	2	3	8	4	6	7
2	3	6	7	1	4	8	5	9

हॉकी इंडिया जूनियर पुरुष अकादमी चैंपियनशिप में युवा खिलाड़ियों को अनुभव हासिल करने और कम उम्र में ही कॉम्पिटिटिव हॉकी की जरूरतों को समझने में मदद करती है। मैं सभी हिस्सा लेने वाली अकादमियों और खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देता हूं।

-डॉ. दिलीप टिर्की

स्टेडियम

लखनऊ, मंगलवार ,23 दिसंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

गिल, अभिषेक और अर्शदीप को पंजाब टीम में मिली जगह

चंडीगढ़। भारतीय टेस्ट एवं वनडे टीम के कप्तान शुभमन गिल, विश्व के नंबर एक टी20 बल्लेबाज अभिषेक शर्मा और तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह को 50 ओवर प्रारूप में खेले जाने वाले विजय हजारे ट्रॉफी के लिए पंजाब की टीम में शामिल किया गया। यह चयन भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के राष्ट्रीय वनडे चैंपियनशिप में अनिवार्य भागीदारी के निर्देश के अनुरूप है। गिल को टी20 विश्व कप के लिए घोषित भारतीय टीम में शामिल नहीं किया गया है। अभिषेक और अर्शदीप नियमित रूप से भारत के लिए टी20 मैच खेलते हैं। अर्शदीप को अगर न्यूजीलैंड के खिलाफ 11 जनवरी से शुरू होने वाली वनडे सीरीज की टीम में शामिल किया जाता है तो वह और गिल विजय हजारे ट्रॉफी में शुरुआती दो तीन मैचों के लिए ही उपलब्ध रहेंगे।

गौतम ने युवाओं के लिए रिटायरमेंट लिया

बेंगलुरु। ऐसे समय में जब अक्सर टीमें बदलकर या आखिरी मौके की तलाश में करियर को बढ़ाया जाता है, कर्नाटक के ऑलराउंडर कृष्णा गौतम ने एक दुर्लभ, शांत रास्ता चुना। अगली पीढ़ी के लिए रास्ता बनाने के लिए खुद को अलग कर लिया। गौतम ने एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में प्रथम श्रेणी और अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले दिया। उन्होंने कहा यह फैसला किसी मजबूरी से नहीं, बल्कि सोच समझकर लिया गया है। उन्होंने कहा यह वही मैदान जहां वह कभी दर्शक और बॉल बॉय के रूप में खड़े होकर सेंटर विकेट पर खेलने का सपना देखते थे। एक खिलाड़ी जिसने कई बार कर्नाटक टीम में वापसी की, यह वापसी उन युवाओं के लिए नुकसानदायक होती है जो टीम का भविष्य हैं।

श्रीलंका पर एक और बड़ी जीत हासिल करने उतरेगा भारत

महिला टी-20 सीरीज का दूसरा मैच आज शाम 7 बजे से, फील्डिंग पर होगी नजर

विशाखापत्तनम, एजेंसी

पहले मैच में बड़ी जीत हासिल करने से उत्साहित भारतीय महिला क्रिकेट टीम जब श्रीलंका के खिलाफ मंगलवार को यहां होने वाले दूसरे महिला टी20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैच में मैदान पर उतरेगी तो वह फील्डिंग के स्तर को बेहतर करके अपना विजय अभियान जारी रखने की कोशिश करेगी। भारतीय टीम ने पिछले महीने विश्व कप जीतने के बाद बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों विभागों में अच्छा प्रदर्शन किया और श्रीलंका को आठ विकेट से हराया। भारतीय टीम ने श्रीलंका को केवल छह विकेट पर 121 रन पर रोक दिया था, लेकिन इस बीच उसकी फील्डिंग अपेक्षानुरूप नहीं रही और उसने कुछ कैच छोड़े।

कप्तान हरमनप्रीत कौर ने मैच के बाद कहा हम अपनी फील्डिंग पर काम कर रहे हैं। पता नहीं क्यों हम बार-बार कैच छोड़ रहे हैं। मैदान गीला था, लेकिन यह कोई बहाना नहीं है। यह एक ऐसी चीज है जिस पर हमें गंभीरता से विचार करने की जरूरत है। अगले मैच में हम बेहतर रणनीति के साथ उतरेंगे। विश्व कप की सफलता के बाद भारतीय टीम को छह सप्ताह का ब्रेक मिला। इसके बाद भारतीय टीम ने बेंगलुरु के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में एक सप्ताह के शिविर में भाग लिया था। फील्डिंग में थोड़ी बहुत कमी आना लगभग अपेक्षित था और कप्तान को लगता है कि टीम बहुत जल्द लय में आ जाएगी। हरमनप्रीत ने कहा हम एक महीने बाद खेल रहे हैं। हम खुद को बेवजह चुनौती नहीं देना चाहते।

अभ्यास सत्र के दौरान भारतीय महिला खिलाड़ी। एजेंसी

विकेट नहीं मिलने से निराश नहीं हूं, अपने प्रदर्शन से खुश हूं: वैष्णवी शर्मा

विशाखापत्तनम : भारत की बाएं हाथ की स्पिनर वैष्णवी शर्मा ने कहा कि महिला टी-20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में अपने पदार्पण मैच में विकेट नहीं मिलने के बावजूद अपनी रणनीति पर अच्छी तरह से अमल करने से उन्हें खुशी हुई। इस 20 वर्षीय खिलाड़ी ने श्रीलंका के खिलाफ रविवार को यहां खेले गए पहले मैच में अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया तथा चार ओवर में 16 रन दिए लेकिन उन्हें कोई विकेट नहीं मिला। भारत ने इस मैच में आठ विकेट से शानदार जीत हासिल की। वैष्णवी ने मैच के बाद संवाददाताओं से कहा विकेट नहीं मिलने से मैं किसी भी तरह से निराश नहीं हूं। मुझे खुशी है कि मैं अपनी रणनीति पर अच्छी तरह से अमल करने में सफल रही। अभी चार मैच खेले जाने बाकी हैं। उन्होंने कहा कि अपना पहला मैच खेलने से पहले वह थोड़ा नर्वस थी लेकिन राष्ट्रगान सुनने से उन्हें आत्मविश्वास हासिल करने में मदद मिली। वैष्णवी ने कहा शुरू में मैं थोड़ी नर्वस थी लेकिन राष्ट्रगान के बाद सहज हो गई थी।

टीम

भारत : हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), दीप्ति शर्मा, स्नेह राणा, जेमिमा रोड्रिग्स, शैफाली वर्मा, हरलीन देयोल, अमनजोत कौर, अरुंधति रेड्डी, क्रांति गौड़, रेणुका सिंह ठाकुर, ऋचा घोष (विकेटकीपर), जी कमलिनी (विकेटकीपर), श्री चरणी, वैष्णवी शर्मा।

श्रीलंका : चमारी अटापट्टू (कप्तान), हासिनी परेरा, विशमी गुणरत्ने, हर्षिता समरविक्रमा, नीलाक्षिका डी सिल्वा, कविशा दिलहारी, इमेशा दुलानी, कौशिनी नुथ्यांगना, मालशा शेहानी, इनोका राणावीरा, शशिनी गिम्हानी, निमेश मदुशानी, काव्या कविंदी, रश्मिका सेववंडी, मल्की मदारा।

घरेलू महिला क्रिकेटरों के वेतन में भारी वृद्धि

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने घरेलू क्रिकेट में समान वेतन संरचना की ओर कदम बढ़ते हुए महिला क्रिकेटरों और मैच अधिकारियों की मैच फीस दोगुनी से भी अधिक बढ़ा दी है। यह कदम भारत की पहली वनडे विश्व कप जीत के बाद उठाया गया है। इस वेतन वृद्धि को बोर्ड की शीर्ष परिषद ने मंजूरी दे दी है।

संशोधित संरचना के अनुसार घरेलू टूर्नामेंटों में खेलने वाली सीनियर महिला क्रिकेटरों को अब प्रतिदिन 50,000 रुपये से 60,000 रुपये के बीच मिलेंगे, जो मौजूदा 20,000 रुपये (रिजर्व खिलाड़ियों के लिए 10,000 रुपये) प्रति मैच दिन से काफी अधिक है।

सीनियर महिला घरेलू एक दिवसीय टूर्नामेंटों और बहुदिवसीय प्रतियोगिताओं में एकादश में शामिल खिलाड़ियों को प्रतिदिन 50,000 रुपये मिलेंगे, जबकि रिजर्व खिलाड़ियों को इसकी आधी राशि यानी 25,000 रुपये प्रति दिन मिलेंगे। राष्ट्रीय टी20 टूर्नामेंटों में एकादश में शामिल खिलाड़ियों को प्रति मैच 25,000 रुपये मिलेंगे, जबकि रिजर्व खिलाड़ियों को 12,500 रुपये मिलेंगे। बीसीसीआई के अधिकारियों के अनुसार कोई महिला क्रिकेटर पूरे सत्र के दौरान सभी प्रारूपों में खेलती है, तो वह 12 लाख से लेकर 14 लाख रुपये तक कमा सकती है। शीर्ष परिषद ने जूनियर महिला क्रिकेटरों के पारिश्रमिक में भी वृद्धि की है। अंडर-23 और अंडर-19 श्रेणियों की खिलाड़ियों (एकादश में शामिल) को प्रतिदिन 25,000 रुपये का भुगतान किया जाएगा, जबकि रिजर्व खिलाड़ियों को 12,500 रुपये मिलेंगे। अंपायर और मैच रेफरी सहित मैच अधिकारियों को भी इस तरह की बढोतरी का फायदा मिलेगा।

रोहित शर्मा ने किया चौंकाने वाला खुलासा

नई दिल्ली, एजेंसी

- बोले- वनडे विश्व कप 2023 के फाइनल में हार के बाद संन्यास लेने पर किया था विचार

भारत के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा ने एक चौंकाने वाला खुलासा करते हुए कहा कि 2023 में खेले गए वनडे विश्व के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से मिली दिल तोड़ने वाली हार के बाद उन्होंने संन्यास लेने पर विचार किया था, क्योंकि उन्हें लगा कि इस खेल ने उनसे सब कुछ छीन लिया है।

भारत ने घरेलू मैदान पर खेले गए इस वनडे विश्व कप में रोहित की कप्तानी में शानदार प्रदर्शन किया था तथा लगातार नौ मैच जीत कर फाइनल में जगह बनाई थी, लेकिन इस महत्वपूर्ण मैच में उसे पराजय का सामना करना पड़ा था। इस मैच में ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज ट्रेविस हेड ने शतक लगाया था जो आखिर में निर्णायक साबित हुआ। रोहित ने मास्टर्स यूनियन के एक कार्यक्रम के दौरान ये बातें कहीं।

उन्होंने कहा मुझे इससे उबरने में थोड़ा समय लगा। मैं खुद को बार-बार याद दिलाता रहा कि यही वह चीज है जिससे मुझे वास्तव में प्यार है। यह चीज मेरे पास है और मैं इसे इतनी आसानी से नहीं छोड़ सकता। धीरे-धीरे मैं इससे उबर गया। मैंने अपनी खोई हुई ऊर्जा वापस हासिल की और फिर से मैदान पर सक्रिय हो गया। रोहित ने कहा उस हार से हर कोई निराश था और हमें विश्वास नहीं हो रहा था कि क्या हुआ है। मेरे लिए व्यक्तिगत तौर पर यह बहुत मुश्किल समय था क्योंकि मैंने उस विश्व कप के लिए अपना सब कुछ झोंक दिया था। विश्व कप से दो या तीन महीने पहले ही नहीं, बल्कि 2022 में कप्तानी संभालने के बाद से ही मैं उसके लिए तैयारी कर रहा था। रोहित ने टी20 और टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया है और इस साल की शुरुआत में उन्हें वनडे की कप्तानी से हटा दिया गया था। वह अभी 50 ओवर के प्रारूप में खेलते हैं और उनका लक्ष्य 2027 में होने वाले वनडे विश्व कप तक टीम में बने रहना है।

> वनडे विश्व कप 2023 के फाइनल के बाद मैं पूरी तरह से निराश हो गया था। मुझे ऐसा लगा कि मैं अब यह खेल नहीं खेलना चाहता क्योंकि इसने मुझसे सब कुछ छीन लिया है और मुझे लगा कि मेरे पास कुछ भी नहीं बचा है।
>
> -रोहित शर्मा, पूर्व कप्तान

रोहित ने कहा मेरा एकमात्र लक्ष्य विश्व कप जीतना था, चाहे वह टी20 विश्व कप हो या 2023 में वनडे विश्व कप। इसलिए जब ऐसा नहीं हो पाया तो मैं पूरी तरह से निराश हो गया था। मेरे शरीर में बिल्कुल भी ऊर्जा नहीं बची थी। मुझे इससे उबरने और खुद को वापस पटरी पर लाने में कुछ महीने लग गए। ऑस्ट्रेलिया से अहमदाबाद में मिली उस हार के एक साल से भी कम समय बाद भारत ने रोहित की कप्तानी में अमेरिका और वेस्टइंडीज में खेले गए 2024 के टी20 विश्व कप में खिताब जीता था, लेकिन नवंबर 2023 में ऑस्ट्रेलिया के हाथों मिली हार की पीड़ा से उबरना आसान नहीं था। रोहित ने कहा मुझे लगता है कि जब आप किसी चीज को हासिल करने के लिए अपना सब कुछ झोंक देते हैं और फिर आपको मनचाहा परिणाम नहीं मिलता है तो यह एक स्वाभाविक प्रतिक्रिया होती है। मेरे साथ भी ठीक यही हुआ।

नीरज ने 90 मीटर का जादुई आंकड़ा छुआ

भारतीय एथलेटिक्स का हाल

लेकिन सताता रहा डोपिंग का डंक

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत के स्टार खिलाड़ी नीरज चोपड़ा फॉर्म में उतार चढ़ाव के बावजूद 90 मीटर तक भाला फेंकने के जादुई आंकड़े को छूने में आखिरकार सफल रहे लेकिन इस बीच वर्ष 2025 में भारतीय एथलेटिक्स को डोपिंग का डंक भी डसता रहा। चोपड़ा ने दोहा डायमंड लीग में भाला फेंक में मानक माने जाने वाले 90 मीटर की दूरी हासिल की लेकिन इसी वर्ष टोक्यो में विश्व चैंपियनशिप के फाइनल में पदक जीतने में नाकाम रहने से उन्हें निराशा भी हाथ लगी।

इस प्रतियोगिता में युवा सचिन यादव ने चोपड़ा को पीछे छोड़ते हुए चौथा स्थान हासिल किया और इस तरह से भाला फेंक में विश्व स्तरीय खिलाड़ी बनने की अपनी क्षमता प्रदर्शित की। लेकिन डोपिंग का खतरा कम होने के कोई संकेत नहीं दिख रहे हैं क्योंकि कई शीर्ष भारतीय खिलाड़ी इसकी चपेट में आ गए। इनमें ओलंपियन भाला फेंक खिलाड़ी शिवपाल सिंह और एशियाई खेलों की पूर्व पदक विजेता चक्का फेंक की खिलाड़ी सीमा पुनिया भी शामिल हैं। अपनी तरह के पहले मामले में एक एथलीट और उसके कोच की जोड़ी को डोपिंग के लिए निलंबित कर दिया गया, जबकि दो नाबालिग एथलीट भी डोपिंग में पकड़े गए। भारतीय खेलों के नायक चोपड़ा इस साल हिमाचल प्रदेश के एक निजी रिसॉर्ट में टेनिस खिलाड़ी हिमानी मोर के साथ परिणय सूत्र में बंधे। इस समारोह में कुछ करीबी रिश्तेदार और परिवार के सदस्य ही मौजूद थे। लोगों को इसके बारे में तभी पता चला जब चोपड़ा ने खुद अपने सोशल मीडिया हैंडल पर शादी की तस्वीरें पोस्ट कीं। इसके कुछ महीनों बाद चोपड़ा ने अपना भाला 90.23 मीटर तक फेंका और ऐसा करने वाले एशिया के तीसरे और कुल मिलाकर 25वें खिलाड़ी बन गए।

चोपड़ा ने पेरिस डायमंड लीग, गोल्डन स्पाइक मीट और एनसी क्लासिक के रूप में इस साल तीन बड़े खिताब जीते। उन्होंने घरेलू दर्शकों और परिवार के सदस्यों के सामने एनसी क्लासिक के रूप में विश्व स्तरीय प्रतियोगिता की मेजबानी करने का अपना सपना साकार किया।

इस स्टार खिलाड़ी को हालांकि डायमंड लीग फाइनल में निराशा हाथ लगी और वह जर्मनी के जूलियन वेबर के बाद दूसरे स्थान पर रहे। लेकिन सबसे अप्रत्याशित परिणाम सितंबर में टोक्यो विश्व चैंपियनशिप में देखने को मिला। इस प्रतियोगिता में चोपड़ा 84.03 मीटर ही भाला फेंक सके और कुल मिलाकर आठवें स्थान पर रहे।

नीरज चोपड़ा।

दो विश्व एथलेटिक्स प्रतियोगिताओं की मेजबानी की भारत ने

इन सबके बीच सकारात्मक पहलू यह रहा कि भारत ने दो विश्व एथलेटिक्स महाद्वीपीय टूर प्रतियोगिताओं की मेजबानी की। इनमें से एक में चोपड़ा ने मेजबानी की और जीत हासिल की। भारत ने इसके अलावा 2031 में होने वाली विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप सहित कुछ प्रमुख महाद्वीपीय और विश्व स्तर की प्रतियोगिताओं की मेजबानी के लिए बोली लगाई है।

आदिल की जगह गोला प्रक्षेपक खिलाड़ी बहादुर सग्गू चुने गए अध्यक्ष

नई दिल्ली। आदिल सुमारीवाला का भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) के अध्यक्ष के रूप में कार्यकाल समाप्त हो गया और 2002 में एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाले गोला प्रक्षेपक खिलाड़ी बहादुर सग्गू को उनकी जगह अध्यक्ष चुना गया।

डोपिंग के कारण अयोग्य घोषित एथलीटों की वैश्विक सूची में भारत दूसरे स्थान पर

डोपिंग अपराधों के कारण अयोग्य घोषित किए गए एथलीटों की वैश्विक सूची में भारत दूसरे स्थान पर बना हुआ है। डोपिंग के आरोप में पकड़े गए देश के कुछ शीर्ष एथलीटों में शिवपाल, पुणे हाफ मैराथन के विजेता प्रधान विलास किरुलाकर, फर्राटा धाविका शेखर धनलक्ष्मी और 2014 के एशियाई खेलों की पदक विजेता हैमर थ्रोअर मंजू बाला शामिल हैं। राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) ने दो नाबालिगों पर तीन साल का प्रतिबंध भी लगाया है। भारतीय जूनियर टीम के पूर्व मुख्य कोच रमेश नागपुरी को डोपिंग में मिलीभगत के आरोप में निलंबित कर दिया गया था। दो अन्य कोच करमवीर सिंह और राकेश को भी डोपिंग के आरोप में निलंबित कर दिया गया। एशियाई खेलों में रजत पदक जीतने वाले लंबी दूरी के धावक कार्तिक कुमार ने प्रतियोगिता से इतर किए गए परीक्षणों के दौरान प्रतिबंधित एनाबॉलिक पदार्थों के लिए पॉजिटिव पाए जाने के बाद अमेरिकी डोपिंग विरोधी एजेंसी द्वारा लगाए गए तीन साल के प्रतिबंध को झेल रहे हैं। रांची में आयोजित एसएएएफ सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में महिलाओं की 1500 मीटर और 5000 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक जीतने वाली 18 वर्षीय संजना सिंह और उनके कोच संदीप सिंह को डोपिंग के अपराध के लिए अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया गया था। यही नहीं एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाली चक्का फेंक खिलाड़ी सीमा पुनिया को डोपिंग प्रशिक्षण में नाकाम रहने के कारण 16 महीने का प्रतिबंध लगा दिया गया। भारत ने 10 अगस्त को भुवनेश्वर के कलिंगा स्टेडियम में विश्व एथलेटिक्स कॉन्टिनेंटल टूर की कांस्य स्तरीय प्रतियोगिता का सफलतापूर्वक आयोजन किया। भारत ने 2028 एशियाई इंडोर एथलेटिक्स चैंपियनशिप और 2026 एशियाई रिले के लिए भी बोली लगाई है।

विश्व कप से पहले फॉर्म में वापसी करूंगा : सूर्यकुमार

मुंबई, एजेंसी

- 7 फरवरी से शुरू होगा टी-20 विश्व कप

टी-20 में पिछले कुछ समय से रनों का सूखा होने के बाद पहली बार भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने माना कि उनका फॉर्म अच्छा नहीं है। हालांकि उन्होंने भरोसा जताया है कि 7 फरवरी से शुरू होने वाले टी20 विश्व कप से पहले फॉर्म में वापसी करेंगे।

टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम के चयन के बाद सूर्यकुमार ने बीसीसीआई के मुंबई हेडक्वार्टर में हंसते हुए कहा ये वाला पैच थोड़ा लंबा हो गया। मुझे लगता है हर किसी में करियर में उन्हें यह देखने को मिला है। मैं भी इससे उबर कर आऊंगा। मुझे पता है क्या करना है। मुझे पता है चीज़ें कहां गलत हो रही हैं। मेरे पास इसके ऊपर काम करने के लिए कुछ समय है। अभी न्यूजीलैंड सीरीज और टी20 विश्व कप आने वाला है। आप सूर्या को वापसी करते हुए जरूर देखेंगे।

01 साल में नंबर 3 और 4 पर खेलते हुए सूर्यकुमार ने 22 पारियों में बिना अर्धशतक और सिर्फ 12.84 की औसत एवं 117.87 के स्ट्राइक रेट से बनाए हैं रन

05 मैचों की टी20 सीरीज में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वह 12, 5, 12 और 5 के स्कोर ही बना सके

05 मैच सिर्फ बचे हैं अब टी-20 विश्व कप से पहले कप्तान के खेलने के लिए

2024 टी20 विश्व कप जीत के बाद रोहित शर्मा की जगह कप्तानी संभालने के बाद से ही सूर्यकुमार का फॉर्म उनका साथ नहीं दे रहा है। पिछले साल दक्षिण अफ्रीका के ख़िलाफ तीन पारियों में वह सिर्फ़ एक बार ही 5 का आंकड़ा पार कर सके। इंग्लैंड के खिलाफ पांच पारियों में दो बार 0 पर आउट हुए।

अफ्रीका कप ऑफ नेशंस | कोमोरोस को 2-0 से हराया, अयूब अल काबी ने लगाई शानदार बाइसाइकिल किक

मोरक्को ने जीत से किया अभियान का आगाज

रबात (मोरक्को), एजेंसी

अयूब अल काबी के शानदार बाइसाइकिल किक से किये गोल की मदद से मोरक्को ने 35वें 'अफ्रीका कप ऑफ नेशंस' में अपने अभियान का आगाज रविवार को यहां कोमोरोस पर 2-0 की जीत के साथ किया।

इस मैच के दौरान मोरक्को के युवराज (क्राउन प्रिंस) मौले हसन भी मौजूद थे। हसन ने मैच शुरू होने से पहले दोनों देशों के खिलाड़ियों से मुलाकात भी की। विश्व रैंकिंग में 108वें कोमोरोस ने टूर्नामेंट में जीत के प्रबल दावेदारों में से एक रैंकिंग में 11वें स्थान पर काबिज टीम को कड़ी टक्कर दी।

कोमोरोस के गोलकीपर यानिक पंडोर ने सोफियान रहीमी के शुरुआती पेनल्टी शॉट को भी बचा लिया। ब्राहिम डियाज ने हालांकि मैच के 55वें मिनट में गोल कर स्टेडियम में बड़ी संख्या में मौजूद दर्शकों में उत्साह भर दिया।

इसके बाद अल काबी ने 74वें मिनट में 'ओवरहेड किक' से टीम की बढ़त को दोगुना कर दिया। इस गोल के बाद युवराज हसन भी अपनी खुशी छिपा नहीं सके और तालियां बजाते हुए टीम का उत्साहवर्धन किया।

बाइसाइकिल किक लगाता मोरक्को का खिलाड़ी। एजेंसी

एस्टन विला ने लगातार 10वीं जीत हासिल की

मैनचेस्टर (इंग्लैंड)। मॉर्गन रोजर्स के दो गोल की मदद से एस्टल विला ने मैनचेस्टर यूनाइटेड को 2-1 से हराकर खुद को इंग्लिश प्रीमियर लीग फुटबॉल टूर्नामेंट के खिताब की दौड़ में बनाए रखा। एस्टन विला की यह सभी प्रतियोगिताओं में लगातार 10वीं जीत है।

फीफा रैंकिंग में भारत 142वें स्थान पर

ज्यूरिख। स्पेन 2025 का अंत फीफा रैंकिंग में शीर्ष पुरुष फुटबॉल टीम के तौर पर करेगा। सोमवार को जारी नवीनतम रैंकिंग में बहुत कम बदलाव हुए। पिछली रैंकिंग 19 नवंबर को जारी की गई थी। शीर्ष 10 में कोई बदलाव नहीं हुआ है। स्पेन के बाद अर्जेंटीना, फ्रांस, इंग्लैंड, ब्राजील, पुर्तगाल, नीदरलैंड, बेल्जियम, जर्मनी और क्रोएशिया का नंबर आता है। स्पेन ने विश्व कप ग्रुप ई क्वालीफाइंग जीता और अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको की सह मेजबानी में होने वाले 2026 टूर्नामेंट में ग्रुप एच में उरुग्वे, सऊदी अरब और केप वर्डे से भिड़ेगा। भारत इस रैंकिंग में 142वें स्थान पर बना हुआ है। अगली रैंकिंग 19 जनवरी को जारी की जाएगी।